सूर्योदय 5:34 सूर्यास्त 7:21

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	22.8 अधि
धर्मशाला	22.7 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,059
निफ्टी	23,767

सोना 1,42,000 चांदी 2,19,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 27 जुलाई 2026 | 12 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 93, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

तेज प्रताप यादव को 14 दिनों के लिए भेजा जेल

एजेंसी, पटना। बिहार बंद के दौरान छात्रों के आंदोलन का समर्थन करने पहुंचे पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव को शनिवार शाम पुलिस ने गिरफ्तार लिया। दिन में रामगुलाम चौक पर छात्र आंदोलन में शामिल होने के बाद शाम को उन्हें पटना के एक मॉल से पुलिस ने गिरफ्तार किया और दीघा थाना ले गई। इसके बाद 14 दिनों के लिए बेऊर जेल भेजा गया है। शनिवार को पेपर लीक मामले, छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और शिक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर बुलाए गए बिहार बंद के दौरान तेज प्रताप यादव सुबह करीब 11 बजे रामगुलाम चौक पहुंचे थे। उन्होंने रामगुलाम की प्रतिमा पर चढ़कर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन किया और उनके आंदोलन को जायज बताया।

2028 का नहीं लड़ूंगा चुनाव : सिद्धारमैया

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धारमैया और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ऐलान किया है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने आगे लिखा है कि मैं अब 79 साल का हो गया हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी डेढ़ साल और बाकी है। तब तक मैं 81-82 साल का हो जाऊंगा। मेरी सेहत अब वैसी नहीं रही जैसी पहले हुआ करती थी। अब पहले जैसा जोश और उत्साह के साथ काम करना मुमकिन नहीं है।

राष्ट्रपति मुर्मू यूरोप दौरा पूरा कर लौटीं स्वदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को यूरोप के तीन देशों की यात्रा पूरी कर स्वदेश लौट आईं। इस दौरे का उद्देश्य भारत के साथ इन देशों के संबंधों को मजबूत करना था। राष्ट्रपति ने 20 जुलाई को मोल्दोवा से यात्रा की शुरुआत की। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की मोल्दोवा की पहली यात्रा थी। इसके बाद उन्होंने उत्तरी मैसेडोनिया और रोमानिया का दौरा किया। रोमानिया यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने और रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

कारोबारी के ठिकानों पर ईडी, आईटी की दबिश

एजेंसी, रायपुर /बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में आज तड़के पीतल और निर्माण क्षेत्र के बड़े कारोबारी राजकुमार सराफ के आवास समेत अन्य ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) ने संयुक्त रूप से भारी पुलिस बल के साथ दबिश दी । इस बड़ी कार्रवाई से पूरे इलाके और व्यापारिक जगत में हड़कंप मच गया । अधिकारिक सूत्रों के अनुसार घर के अंदर ईडी और आईटी के अधिकारी तफ्तीश कर रहे हैं। बाहर स्थानीय पुलिस के जवान तैनात हैं। घर से बाहर निकले अधिकारी ने कुछ भी कहने से इनकार किया है। टीमें दस्तावेजों, वित्तीय लेनदेन और व्यावसायिक रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही हैं।

युवा शक्ति पर गर्व, नवाचार से बढ़ रहा भारत : प्रधानमंत्री मोदी

मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की उपलब्धियां गिनाई

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में देश की युवा शक्ति, विज्ञान, खेल, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन जैसी प्रतियोगिताओं की संस्कृति लगातार मजबूत हो रही है और देश के युवा अपनी प्रतिभा व नवाचार के दम पर दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें देश की युवा शक्ति पर गर्व है। उन्होंने निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण को युवाओं की प्रतिभा, कौशल और नवाचार का बेहतरीन उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और तकनीकी क्षमता के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आईएनएस महेंद्रगिरि के नौसेना में शामिल होने और डीआरडीओ के सफल परीक्षणों को आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती शक्ति बताया।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने लोगों से तालाबों, कुओं और बावड़ियों के संरक्षण में योगदान देने तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की।

उन्होंने खेल क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए पीवी सिंधु को बधाई दी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपलब्धि की सराहना की। प्रधानमंत्री ने हथकरघा, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने खादी की बढ़ती लोकप्रियता, पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस से पहले 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने की अपील भी की।

वीर जवानों का साहस व बलिदान हमेशा देश को देता रहेगा प्रेरणा

कारगिल विजय दिवस का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर जवानों का साहस और बलिदान देशवासियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' का जिक्र करते हुए कहा कि यह यात्रा वीर सैनिकों की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रही है।

राज्य सरकार शिक्षक दिवस से पहले कांप्लेक्स प्रणाली पर उचित निर्णय लेगी : मुख्यमंत्री सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्राथमिक शिक्षकों को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार शिक्षक दिवस से पहले नई कांप्लेक्स प्रणाली पर उचित निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस व्यवस्था की सहानुभूतिपूर्वक समीक्षा करेगी और यह तय करेगी कि इसमें सुधार की आवश्यकता है या इसे पूरी तरह वापस लिया जाए। मुख्यमंत्री रविवार को शिमला के चौड़ा मैदान में आयोजित प्राथमिक शिक्षक संघ की आम सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और प्राथमिक शिक्षक संघ के बीच होने वाली आगामी बैठक में इस विषय पर निष्पक्ष और सहानुभूतिपूर्ण निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि प्राथमिक शिक्षकों के विरुद्ध की गई निलंबन की कार्रवाइयों, विभागीय जांच और दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य अध्यापकों, केंद्र मुख्य अध्यापकों और खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों के अधिकारों में कोई कमी नहीं की जाएगी। साथ ही प्राथमिक विद्यालयों में खेल गतिविधियां फिर से शुरू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में 1.36 लाख कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि यह फैसला कर्मचारियों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया।

उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना के तहत कई कर्मचारियों को लगभग तीन हजार रुपये मासिक पेंशन मिल रही थी, जबकि पुरानी पेंशन योजना लागू होने के बाद अनेक सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लगभग 30 हजार रुपये मासिक पेंशन मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के अधिकारों और संसाधनों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर प्रदेश के हितों की रक्षा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान बंद होने से राज्य को आर्थिक नुकसान हुआ और वर्तमान सरकार को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की देनदारियां मिलीं। उन्होंने प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए सभी लोगों से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

जेबीटी को मिलेगा टीजीटी पदोन्नति का लाभ

मुख्यमंत्री ने जेबीटी शिक्षकों को टीजीटी पदों पर पदोन्नति देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षक संघ की विभिन्न मांगों पर शनिवार को सचिवालय में संघ के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि उनके हित पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार लागू कर रही है और शिक्षकों के सहयोग से प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों को बेहतर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई पहले ही शुरू की जा चुकी है और इस दिशा में प्राथमिक शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि सीबीएसई विद्यालयों में प्रधानाचार्यों की नियुक्ति लगभग पूरी हो चुकी है और शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी जारी है।

पीओके मुद्दे पर ही होगी पाक से बात : राजनाथ

एजेंसी, द्रास। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को स्पष्ट कहा कि पाकिस्तान के साथ भविष्य में कोई भी बातचीत केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुद्दे पर होगी। उन्होंने कहा कि भारत शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

द्रास में आयोजित 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य क्षमता और आतंकवाद के खिलाफ कड़े रुख को दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के खिलाफ किसी भी साजिश का उसी दृढ़ता से जवाब देगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद को अपनी नीति का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां की सेना और आतंकवादी संगठनों के बीच अंतर मिट चुका है। भारत अब आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को अलग-अलग नजर से नहीं देखता।

इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वीर जवानों का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने भारतीय सैनिकों के साहस, अनुशासन व पेशेवर क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सेना के योद्धा दुनिया में बेजोड़ हैं। जनरल सेठ ने कारगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को नमन करते हुए उनके परिवारों के त्याग को भी याद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना देश की संप्रभुता, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

◆ कारगिल दिवस पर रक्षा मंत्री का ऐलान आतंकवाद पर नहीं झुकेगा भारत

ओडेसा बंदरगाह हमले के बाद दो भारतीय नाविक हुए लापता

एजेंसी, नई दिल्ली। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर भारतीय चालक दल वाले एक वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले के बाद दो भारतीय नागरिक लापता हैं, जबकि दो अन्य सुरक्षित हैं। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि एमवी जीएन राग्नार पोत पर 25 जुलाई को हुए हमले के बाद स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। लापता नागरिकों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है और दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

इस घटना से पहले 18 जुलाई को काला सागर क्षेत्र में एक अन्य वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हुई थी। इसके बाद यूक्रेन युद्ध में मारे गए भारतीय नाविकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। भारत सरकार ने संघर्ष प्रभावित काला सागर क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरों को देखते हुए भारतीय नाविकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति बेहद संवेदनशील है व वाणिज्यिक जहाजों को मिसाइल व ड्रोन हमलों जैसे गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। एडवाइजरी में नाविकों से अपील की गई है कि वे ऐसे क्षेत्रों में नौकरी स्वीकार करने से पहले जहाज के मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, बीमा सुविधा व आपातकालीन प्रावधानों की पूरी जानकारी लें।

शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभालते ही एक्शन में प्रह्लाद जोशी बोले-

पारदर्शिता व नीति पर रहेगा फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की।

जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है।

◆ पहले ही दिन शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बैठक

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'आज मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पदभार संभाला। मुझ पर भरोसा जताने और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। मैं इसे विनम्रता और कर्तव्य-बोध के साथ स्वीकार करता हूं।'

राहुल गांधी ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर अमित शाह को लिखा पत्र, मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को जंतर मंतर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय करने, पैलेट गन के इस्तेमाल करने की जांच कराने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गांधी ने लिखे इस पत्र को सार्वजनिक करते हुए रविवार को कहा कि छात्र निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में पैलेट गन, आंसू गैस और अन्य घातक साधनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला छात्राओं के साथ भी पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और जानबूझकर उनको निजी स्तर पर निशाना बनाया गया।

उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर आरोप पैलेट गन के इस्तेमाल का है। मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार कई लोग, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है, पैलेट गन के इस्तेमाल से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने 19 वर्षीय साहिल लोचाब से मुलाकात की, जो गंभीर पीड़ा में है और पैलेट गन लगने के कारण उसकी एक आंख की रोशनी जाने की आशंका है।

कारगिल विजय दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा

परमवीर चक्र विजेताओं को मिलेंगे दो करोड़

एजेंसी, देहरादून। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल युद्ध के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को ₹1.50 करोड़ से बढ़ाकर ₹2 करोड़ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 18 हजार फीट से अधिक ऊंचाई और बेहद कठिन परिस्थितियों में भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय वीरता दिखाते हुए दुश्मन को परास्त किया और देश की संप्रभुता की रक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीदों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को ₹10 लाख से बढ़ाकर ₹50 लाख किया गया है। इसके अलावा वीरता पुरस्कार विजेताओं की सहायता राशि में वृद्धि, शहीद परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में समायोजन, बेटियों के विवाह के लिए सहायता, परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा और संपत्ति खरीद पर स्टाम्प शुल्क में छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा नीति को मजबूत बताते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के विकास, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वन रैंक-वन पेंशन जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देहरादून के गुनियाल गांव में राज्य का सैन्य धाम अंतिम चरण में है। साथ ही सेवामुक्त अग्निवीरों के लिए रोजगार सेल स्थापित किया जा रहा है, ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

कारगिल युद्ध में उत्तराखंड के 75 वीर सपूतों ने दिया था सर्वोच्च बलिदान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कारगिल युद्ध में देश के 527 वीर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड के 75 वीर सपूत शामिल थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि भी है और यहां की सैन्य परंपरा पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

कारगिल विजय भारत के स्वाभिमान और साहस का प्रतीक : अनुराग ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर ने कारगिल विजय दिवस पर मां भारती के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कारगिल विजय केवल सैन्य उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रीय एकता का अमर प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों द्वारा कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के प्रयास को भारतीय सेना ने अदम्य साहस, रणनीतिक कौशल और बलिदान के बल पर विफल कर दिया। कारगिल विजय किसी सरकार या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे देश की विजय है और यह भारत की गौरवशाली विरासत है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के वीर जवानों ने भी कारगिल युद्ध में अद्वितीय पराक्रम दिखाया। परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा और सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) संजय कुमार का शौर्य पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कैप्टन सौरभ कालिया सहित हिमाचल के सभी शहीद जवानों को नमन किया।

उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के साहस, शौर्य और समर्पण का स्वर्णिम स्मृति दिवस है। वीर जवानों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

सौगात उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा के 1.28 लाख शिक्षकों सहित 10 लाख को मिलेगी सुविधा

सीएम योगी ने शुरू की शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना

एजेंसी, आगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आगरा प्रवास के दूसरे दिन रविवार को आगरा विश्वविद्यालय के खंदारी परिषद स्थित शिवाजी मंडपम ऑडिटोरियम में पहुंचकर विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना के साथ साथ वृहद बीमा सुरक्षा योजना को लांच किया इससे पहले खंदारी परिसर पहुंचने के उपरान्त विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उन्नति और विकास तथा सामाजिक योगदान विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति आशु कुमारी से भी कुछ विषयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में जिलों में सजीव प्रसारण देखा गया। इस कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस योजना से विश्वविद्यालय, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट कॉलेज के करीब 1.28 लाख शिक्षकों को और उनके पारिवारिक जनों को लाभ मिलेगा जिसमें करीब 10 लाख लोगों के कवर होने का अनुमान है। इस योजना के तहत हर पात्र परिवार को हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी, इस कार्ड के माध्यम से सभी गंभीर बीमारियों सहित 1900 से भी ज्यादा बीमारियों का इलाज पैकेज में मिलेगा इस योजना में भी आयुष्मान भारत जैसी दरें ही लागू है।

उन्होंने कहा कि यह योजना उच्च शिक्षा मंत्री के गृह जनपद से शुरू की जा रही है। पंजाब नेशनल बैंक के जीएम और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एमओयू साइन हुआ है। सरकार द्वारा पीएनबी के साथ भी एक करार किया गया है जिसमें शिक्षकों को 1.5 करोड़ का एक्सीडेंटल बीमा, 3 करोड़ तक का हवाई दुर्घटना बीमा, 60 हजार तक का अस्पताल का खर्च यानी कैश बेनिफिट और 12 लख रुपए का टर्म लाइफ इंश्योरेंस जीवन बीमा मिलेगा।

छात्रों के प्रति शिक्षकों की भी बड़ी जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब शिक्षण संस्थानों में शिक्षक माहौल पहले जैसा नहीं है, फिर भी शिक्षक अपने छात्रों में उनकी योग्यता को तराशने, उनकी क्षमताओं को बढ़ाने का प्रयास करें और उनकी रुचि के अनुरूप और उनकी क्षमताओं के अनुसार उसको आगे बढाने ने का काम करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलते शैक्षणिक माहौल में सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल बहुत आवश्यक हो गया है

बदलते समय के अनुसार सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल की आवश्यकता

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि ये दोनों प्लेटफार्म जहां एक ओर शिक्षा देने का काम करती हैं वही गलत जानकारी मिलने से भटकाव की भी संभावना बनी रहती है । डिजिटल प्लेटफार्म से गलत जानकारी प्राप्त कर युवा रास्ता भटक जाते हैं ऐसे में आवश्यकता है कि उनको सही दिशा दिखाई जाए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने युवाओं के साथ दौड़ लगाकर दिया नशा मुक्त हरियाणा का संदेश

एजेंसी, यमुनानगर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को यमुनानगर के जगाधरी में आयोजित राज्य स्तरीय नशा मुक्ति जनजागरण दौड़ में युवाओं के साथ दौड़ लगाकर प्रदेश को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। मटका चौक से 10 किलोमीटर मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री स्वयं भी प्रतिभागियों के साथ कुछ दूरी तक दौड़े।

◆ 1.13 लाख प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित करता है। राज्य सरकार युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने और नशे के खिलाफ जनभागीदारी से अभियान चलाने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ गुब्बारे छोड़कर किया गया।

आयोजन से पहले फिटनेस विशेषज्ञों की देखरेख में जुम्बा सत्र आयोजित हुआ, जिसमें युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। प्रशासन के अनुसार दौड़ के लिए करीब 1.13 लाख प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 38 हजार महिलाएं शामिल थीं। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में मोहित और महिला वर्ग में भारती ने प्रथम स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रथम स्थान पाने वालों को एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। कार्यक्रम में पैरालिंपियन नवदीप सिंह, मुक्केबाज नीरज गोयत और अन्य प्रमुख हस्तियां भी मौजूद रहीं।

हिमाचल में चार दिन भारी बारिश का अलर्ट

प्रदेश में 28 से 31 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट, मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में भारी वर्षा की जताई संभावना

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून 28 जुलाई से एक बार फिर जोर पकड़ने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 28, 29, 30 और 31 जुलाई के लिए प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आज और कल 27 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का येलो अलर्ट है। इसके बाद 28 से 31 जुलाई तक कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा का दौर चलने का अनुमान है। एक अगस्त को भी प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। शनिवार सुबह शिमला सहित प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए रहे और सुबह से ही बारिश के आसार बने हुए हैं।

मौसम विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा नहीं करने, नदी, नालों, खड्डों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि लगातार बारिश के दौरान पहाड़ी मार्गों पर सफर करने से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें तथा प्रशासन की ओर से जारी सभी निर्देशों का पालन करें। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 65.2 मिलीमीटर वर्षा मंडी जिले के सुंदरनगर में रिकॉर्ड की गई। इसके बाद बिलासपुर जिले के मलरांव में 55.0 मिलीमीटर, कुल्लू के कसोल में 48.0 मिलीमीटर, शिमला के जुब्बड़हट्टी में 47.6 मिलीमीटर, बिलासपुर के बरठीं में 42.2 मिलीमीटर, शिमला के रामपुर में 40.2 मिलीमीटर, चंबा के जोत में 36.2 मिलीमीटर, शिमला के सराहन में 32.7 मिलीमीटर, मंडी के कटौला में 32.1 मिलीमीटर, मंडी की मुरारी देवी में 26.0 मिलीमीटर, बिलासपुर के काहू में 22.8 मिलीमीटर, सोलन के कसौली में 22.0 मिलीमीटर, बिलासपुर के आरएल बीबीएमबी में 22.0 मिलीमीटर और बिलासपुर के ओलिंडा में 22.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, मुरारी देवी और कांगड़ा में गरज के साथ बिजली चमकने की घटनाएं भी दर्ज की गईं।

मानसून सीजन में अब तक 15 लोगों की मौत, सतर्क रहने की अपील

हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष मॉनसून ने 30 जून को दस्तक दी थी। मानसून सीजन के दौरान अब तक भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की घटनाओं में 15 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें लाहौल-स्पीति जिले में भूस्खलन से 13 लोगों की मौत हुई है। चंबा जिले में भी भूस्खलन से एक व्यक्ति की जान गई, जबकि कांगड़ा जिले में फ्लैश फ्लड में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई।

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मॉनसूनी ट्रफ के प्रभाव से प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी।

लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 134 सड़कें बंद हैं। इनमें सबसे अधिक 58 सड़कें मंडी जिले में, 33 कुल्लू में और 14 चंबा जिले में बंद हैं। इसके अलावा 78 बिजली ट्रांसफार्मर और 35 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। सबसे अधिक 59 बिजली ट्रांसफार्मर कुल्लू जिले में बंद हैं, जबकि शिमला जिले में 19 पेयजल योजनाएं ठप हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवाजाही और आवश्यक सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन बंद सड़कों को खोलने और बिजली व पेयजल सेवाओं को सामान्य करने के लिए लगातार काम कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले चार दिनों में तेज बारिश के कारण भूस्खलन, अचानक बाढ़, चट्टानें गिरने और निचले इलाकों में जलभराव की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर आरट्रेक ने वीर शहीदों को किया नमन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यालय सेना प्रशिक्षण कमान (आरट्रेक) ने कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर वर्ष 1999 के ऑपरेशन विजय के दौरान राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करते हुए अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक राष्ट्रीय नमन किया।

स्मृति समारोह का शुभारंभ अन्नाडेल स्थित श्रद्धांजलि स्थल पर हुआ, जहाँ सेना प्रशिक्षण कमान के लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने सभी रैंकों की ओर से शहीद वीरों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर 'लास्ट पोस्ट' की पवित्र धुन के बीच दो मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों को सम्मानपूर्वक नमन किया गया। ऑपरेशन विजय के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आर्मी कमांडर ने कारगिल की दुर्गम एवं बर्फीली चोटियों पर विषम परिस्थितियों के बीच उनके असाधारण साहस, अटूट संकल्प और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीरों की प्रेरणादायी विरासत आज भी भारतीय सेना के लिए एक शाश्वत मार्गदर्शक है, जो राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के प्रति उसके अटूट संकल्प को निरंतर सुदृढ़ करती है।

दिनभर के कार्यक्रमों के अंतर्गत आर्मी कमांडर ने अन्नाडेल स्थित आर्मी हेरिटेज म्यूज़ियम का भी दौरा किया। मनोहारी अन्नाडेल घाटी में स्थित यह संग्रहालय कई पीढ़ियों के भारतीय सैनिकों के अद्वितीय शौर्य और बलिदान को प्रदर्शित करता है। आर्मी कमांडर ने संग्रहालय द्वारा अमूल्य सैन्य धरोहर, युद्ध संबंधी स्मृति-चिह्नों तथा ऐतिहासिक अभिलेखों के संरक्षण के लिए किए जा रहे समर्पित प्रयासों की सराहना की और कहा कि इससे देशभक्ति एवं सैन्य गौरव की गौरवशाली गाथा भावी पीढ़ियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचती रहेगी।

समारोह का समापन मुख्यालय आरट्रेक के सभी रैंकों द्वारा देशभक्ति, साहस और निस्वार्थ सेवा के सर्वोच्च आदर्शों के पालन का सामूहिक संकल्प लेकर किया गया। इस अवसर पर यह भी संकल्प दोहराया गया कि कारगिल के वीरों का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की सामूहिक स्मृति में सदैव अमिट रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों सहित करोड़ों भारतीयों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

मिड-डे मील कर्मियो ने उठाई मानदेय बढ़ाने और नियमितीकरण की मांग

- एमडीएम कर्मियों को 26 हजार मानदेय देने की मांग
- सामाजिक सुरक्षा की भी लगाई गुहार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मिड डे मील (एमडीएम) कर्मचारियों ने मानदेय बढ़ाने, नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की मांग उठाई है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की ओर से रविवार को शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय अधिवेशन में प्रदेशभर से पहुंचे कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा।

कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से स्कूलों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें कार्य के अनुरूप मानदेय और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। भारतीय मजदूर संघ ने एमडीएम रसोइयों और सहायकों का मासिक मानदेय बढ़ाकर 26 हजार रुपये करने की मांग की। संघ ने यह भी मांग रखी कि 10 वर्ष या इससे अधिक समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को नियमित कर सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा ईएसआई, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने की मांग भी की गई।

अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अर्जुन नेगी को अध्यक्ष, दिला राम शर्मा को महामंत्री, किरपा राम को उपाध्यक्ष और मेहर सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। बीएमएस ने सरकार से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि समाधान न होने पर आंदोलन किया जाएगा।

मुकेश अग्निहोत्री ने सुनीं जनसमस्याएं

डिप्टी सीएम के अधिकारियों को निर्देश, लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करें सुनिश्चित

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को व्यावसायिक प्रोत्साहन केंद्र, गोंदपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित, प्रभावी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जनता की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक मामले का निर्धारित समय के भीतर निपटारा किया जाए।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य सुलिंदर पाल कौर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री के साथ चर्चा की तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी समस्याएं और मांगें उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उपमुख्यमंत्री ने अधिकांश मामलों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आउटसोर्स कर्मी की मौत के बाद परिवार को मिला ईएसआईसी पेंशन का सहारा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में पंजीकरण किसी भी कर्मचारी और उसके परिवार के लिए बड़ी सामाजिक सुरक्षा साबित हो सकता है। हमीरपुर ईएसआईसी शाखा के प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के तहत अब कई और श्रेणियों के कामगार ईएसआईसी के दायरे में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को काम पर रखने से पहले या उसी दिन उसका ईएसआईसी पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि बीमारी, अपंगता, मातृत्व और अन्य परिस्थितियों में ईएसआईसी की ओर से कई लाभ दिए जाते हैं। कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके आश्रितों को पेंशन सुविधा भी मिलती है। अमित कुमार ने बताया कि एनआईटी में आउटसोर्स आधार पर कार्यरत राकेश कुमार की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद उनके परिवार को ईएसआईसी के माध्यम से पेंशन सुविधा प्रदान की गई है। राकेश कुमार मैसर्स आरके एंड कंपनी के माध्यम से एनआईटी में तैनात थे। इसी वर्ष 17 फरवरी को घर जाते समय दुर्घटना में घायल होने के बाद 21 फरवरी को उनका निधन हो गया था।

ईएसआईसी पंजीकरण के कारण उनके परिजनों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकी। इससे पहले एनआईटी के अन्य आउटसोर्स कर्मचारी अजय की मृत्यु के बाद भी उनके परिवार को ईएसआईसी के माध्यम से पेंशन दी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा देश: सिकंदर कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रो. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी देशवासियों को मिलकर योगदान देना होगा और देश विरोधी ताकतों के मंसूबों को एकजुट होकर विफल करना होगा। वह रविवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के हयूण (लोअर सांगटी, समरहिल) में भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश सचिव डॉ. संजय ठाकुर भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान दिशांत ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी छोड़कर 26 स्थानीय युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रो. सिकंदर कुमार ने सभी नए सदस्यों का पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि युवाओं का भाजपा के प्रति बढ़ता विश्वास पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों का परिणाम है।

'मन की बात' कार्यक्रम के बाद करगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की स्मृति में 50 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। प्रो. सिकंदर कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की आवश्यकता है और पौधारोपण से आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा का बलिदान हमेशा राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा और उनकी स्मृति में लगाया गया प्रत्येक पौधा देशभक्ति तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगा। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिकंदर कुमार ने युवाओं को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र डाउनलोड करवाए और उन्हें डिजिटल साक्षरता अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक कर आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम से नियमित रूप से जुड़ने का संकल्प भी लिया।

जयराम ठाकुर बोले- युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, निष्पक्ष जांच जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक मामलों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है और कांग्रेस सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें संरक्षण दे रही है।

जयराम ठाकुर रविवार को शिमला के जाखू वार्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पेपर लीक के मामले सामने आने के बाद भी कांग्रेस को युवाओं के मुद्दों पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों ने मास चीटिंग और अनियमितताओं की शिकायतें की थीं, लेकिन सरकार ने अब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं करवाई। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई जांच में जिन अधिकारियों की भूमिका सामने आई थी, उन्हें भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के समय पुलिस भर्ती पेपर लीक मामला सामने आने पर तुरंत सीबीआई जांच की सिफारिश की गई थी। उन्होंने कहा कि युवाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया चाहिए, लेकिन वर्तमान सरकार इस दिशा में विफल रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को समाज को दिशा देने वाला अभियान बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के अनसुने नायकों को पहचान देने के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी जैसे विषयों पर लोगों को प्रेरित करता है। कारगिल विजय दिवस पर वीर सैनिकों को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल के 52 जवानों ने कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका शौर्य और बलिदान हमेशा देशवासियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करुणामूलक रोजगार नीति के तहत 94 परिवारों को मिली सरकारी नौकरी

- जुलाई माह में विभिन्न विभागों में ग्रुप-सी पदों पर दी गई नियुक्तियां
- लंबित मामलों के निपटारे व अस्वीकृत प्रकरणों की समीक्षा का सरकार ने लिया निर्णय

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्य सरकार ने दिवंगत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को राहत प्रदान करते हुए करुणामूलक रोजगार नीति के तहत जुलाई माह में 94 ग्रुप-सी कर्मचारियों को नियुक्ति प्रदान की है। ये नियुक्तियां निदेशालय भर्ती, हिमाचल प्रदेश के माध्यम से जल शक्ति, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, गृह और बागवानी विभागों में की गई हैं।

सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि करुणामूलक नियुक्ति के वास्तविक और पात्र मामलों को प्राथमिकता के आधार पर भेजा जाए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को बिना अनावश्यक देरी के रोजगार उपलब्ध करवाया जा सके। नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से वर्षों से लंबित मामलों का निपटारा संभव हुआ है।

ऊना जिले के कुठेड़ा खैरला निवासी अक्षय कुमार ने बताया कि उनके पिता सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में ऑपरेटर थे और वर्ष 2018 में उनके निधन के बाद उन्होंने करुणामूलक रोजगार के लिए आवेदन किया था। उनका मामला कई वर्षों तक लंबित रहा, लेकिन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जुलाई 2026 में उन्हें नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ।

शिमला जिले के कोटखाई निवासी शालू चौहान ने बताया कि उनके पिता जल शक्ति विभाग में पंप ऑपरेटर थे और वर्ष 2013 में उनका निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में उनके मामले का शीघ्र निपटारा हुआ और उन्हें नियुक्ति मिली। कांगड़ा जिले की आकांक्षा कपूर, सिरमौर के लोकेश चौहान और हमीरपुर की शिवानी कुमारी ने भी करुणामूलक आधार पर रोजगार मिलने पर सरकार का आभार जताया। शिवानी को स्वास्थ्य विभाग में जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के पद पर नियुक्ति मिली है।

राज्य सरकार ने पूर्व में विभिन्न कारणों से अस्वीकृत किए गए करुणामूलक नियुक्ति मामलों की समीक्षा करने का भी निर्णय लिया है। एकमुश्त विशेष पहल के तहत पात्र मामलों की दोबारा जांच की जाएगी और नीति के अनुसार आवश्यक छूट देने पर विचार किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि करुणामूलक रोजगार नीति का लाभ पात्र और जरूरतमंद परिवारों तक निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है।

श्रद्धांजलि कारगिल विजय दिवस पर बचत भवन में वीर सैनिकों का सम्मान, शहीदों को किया नमन

केवल सेना नहीं, हर नागरिक है देश का सिपाही: उपायुक्त

- नशे जैसी चुनौतियों से लड़ने के लिए हर वर्ग से सहयोग का किया आह्वान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उपायुक्त कार्यालय शिमला स्थित बचत भवन में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले वीर सैनिकों और पूर्व सैनिकों को उनके अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्र सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुआ।

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 27 वर्ष बाद भी शहीदों का बलिदान देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। राष्ट्र सेवा और राष्ट्र निर्माण केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता की जिम्मेदारी केवल सेना की नहीं, बल्कि हर नागरिक की है। प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, युवाओं को बेहतर शिक्षा, खेलों को बढ़ावा देने और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन को भी राष्ट्र सेवा का हिस्सा बताया। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान समय में नशा, विशेषकर चिट्टा, समाज के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इसके खिलाफ लड़ाई में प्रशासन के साथ-साथ समाज के हर वर्ग का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में कारगिल विजय दिवस समारोह को और व्यापक स्तर पर आयोजित कर अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिमला गौरव सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सेना के त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और अदम्य साहस का प्रतीक है। उन्होंने वीर सैनिकों और उनके परिवारों के योगदान को नमन करते हुए सभी सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को बधाई दी। समारोह में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले सूबेदार मेजर शाम लाल शर्मा, दिवाकर दत्त शर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, हवलदार लक्ष्मी दत्त शर्मा, राम लाल शर्मा, प्रवीण शर्मा और नाइक जय सिंह को शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने देशभक्ति कविताओं की प्रस्तुति दी। कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों ने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को राष्ट्र सेवा और अनुशासन की प्रेरणा दी। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, सैनिक कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शहीद कैप्टन दीपक के परिवार की उपेक्षा पर उठे सवाल

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु भारतेन्दु संवाददाता, मंडी/सरकाघाट। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के टीहरा में आयोजित राज्यस्तरीय कारगिल विजय दिवस समारोह में मंडी जिला के इकलौते सैन्य अधिकारी और धर्मपुर के एकमात्र शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया के परिवार की उपेक्षा को लेकर नाराजगी जताई गई है। समारोह में प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कई पूर्व सैनिकों व वीर सैनिकों को सम्मानित किया गया। आरोप है कि शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया के परिवार को न तो कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और न ही सम्मानित किया गया। जबकि उनका पैतृक गांव चोल्थरा कार्यक्रम स्थल से मात्र तीन-चार किलोमीटर दूर है। मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले कैप्टन दीपक गुलेरिया के पिता स्वर्गीय मोहन लाल गुलेरिया भी सेना में सेवाएं दे चुके थे। वर्तमान में परिवार में उनकी वृद्ध माता सत्या गुलेरिया और पूर्व जिला परिषद सदस्य बंदना गुलेरिया मौजूद हैं। शहीद परिवार की अनदेखी को लेकर सवाल उठाए गए हैं कि आखिर इतने महत्वपूर्ण अवसर पर वीर सपूत के परिवार को सम्मान देना क्यों आवश्यक नहीं समझा गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत नगेहड़
विकास खंड व तह. बैजनाथ , जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत नगेहड़ द्वारा सामग्री सप्लाई हेतु निविदा आमंत्रित की हुई थी परन्तु ग्राम पंचायत को उक्त अवधि में केवल दो ही निविदाएं प्राप्त हुई थीं जिनको नियमानुमार नहीं खोला जा सकता है अतः ग्राम पंचायत नगेहड़ सामग्री की निविदाएं आमंत्रित करती है निविदा फार्म 05/08/2026 तक पंचायत कार्यालय मे प्राप्त किए जा सकते हैं निविदाएं दिनांक 06/08/2026 तक पंचायत कार्यालय में पहुँच जानी चाहिए निविदाएं दिनांक 07/08/2026 को खोली जाएंगी निविदाएं निम्न सामग्री की आमंत्रित की जाती है। 1 क्रशर रेट 2 क्रशर 3 ईंट 4 कट पत्थर 5 शटरिंग 6 सीमेंट ढुल्बाई 7 सोलिंग स्टोन 8 जेसीबी एवं निर्माण सामग्री।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत नगेहड़
विकास खंड व तह. बैजनाथ , जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

पहलगाम मार्ग बंद, फिर भी जारी है बाबा बर्फानी के दर्शनों का सिलसिला

बालटाल मार्ग से जारी अमरनाथ यात्रा, चार लाख के करीब पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बाबा अमरनाथ यात्रा ने इस वर्ष आस्था और श्रद्धा का एक नया इतिहास रच दिया है। यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की संख्या चार लाख के पार पहुंच गई है, जो अब तक के सबसे उल्लेखनीय आंकड़ों में से एक है। प्रतिकूल मौसम और मार्ग में आई चुनौतियों के बावजूद देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए लगातार जम्मू पहुंच रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि कठिन परिस्थितियां भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को डिगा नहीं सकीं।

रविवार सुबह जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 19वां जत्था बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4474 श्रद्धालु शामिल थे, जिन्हें 166 वाहनों के काफिले के माध्यम से बालटाल आधार शिविर के लिए भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन की निगरानी में तड़के सुबह यह काफिला रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं, ताकि दर्शन की प्रक्रिया सुचारु रूप से जारी रह सके।

चार लाख के करीब पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा

चार लाख से अधिक श्रद्धालुओं का पवित्र गुफा तक पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि बाबा बर्फानी के प्रति लोगों की आस्था हर वर्ष और अधिक मजबूत होती जा रही है। देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु कठिन चढ़ाई, बदलते मौसम और लंबी यात्रा के बावजूद पूरे उत्साह के साथ दर्शन कर रहे हैं।

यात्रा मार्ग, आधार शिविरों और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण पारंपरिक पहलगाम मार्ग को काफी नुकसान पहुंचा है। भूस्खलन और रास्ते के क्षतिग्रस्त होने से इस मार्ग पर यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। फिलहाल मरम्मत और रखरखाव का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रशासन का कहना है कि मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही इसे दोबारा श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। तब तक यात्रा केवल बालटाल मार्ग से संचालित की जा रही है। कश्मीर के मंडलायुक्त अंशुल गर्ग ने बताया कि पहलगाम मार्ग पर आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा होने तक श्रद्धालुओं को केवल बालटाल मार्ग से ही पवित्र गुफा तक जाने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता श्रद्धालुओं की सुरक्षा है और किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लिया जाएगा। मौसम की स्थिति और मार्ग की लगातार निगरानी की जा रही है। अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी पहले से अधिक मजबूत की गई है। यात्रा मार्ग, आधार शिविरों और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन कैमरों और आधुनिक तकनीक के माध्यम से पूरे यात्रा मार्ग पर नजर रखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं और राहत दलों को भी पूरी तरह तैयार रखा गया है ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति का तुरंत सामना किया जा सके।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जेएंडके में सियासी घमासान

एनसी, पीडीपी और कांग्रेस ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का किया स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस ने इस घटनाक्रम का स्वागत करते हुए इसे देश के युवाओं और छात्रों की लोकतांत्रिक जीत बताया है। विपक्षी दलों का कहना है कि लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों और युवाओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद की और आखिरकार उनकी बात सुनी गई। नेताओं ने इसे लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण बताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण जन आंदोलन हमेशा सकारात्मक परिणाम लेकर आते हैं।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उन हजारों छात्रों और युवाओं के धैर्य, संयम और लोकतांत्रिक संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि छात्रों ने लगातार अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाया और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास बनाए रखा।

पीडीपी और कांग्रेस ने बताया युवाओं की जीत

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के नेताओं ने भी इस्तीफे का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक फैसला नहीं, बल्कि युवाओं की भावनाओं और उनके संघर्ष का सम्मान है। उन्होंने कहा कि सरकार को अब शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि भविष्य में छात्रों को इस प्रकार के आंदोलनों का सहारा न लेना पड़े।

तेज होती राजनीतिक बयानबाजी

जम्मू-कश्मीर में इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी लगातार तेज हो रही है। विभिन्न दल इसे अपने-अपने नजरिए से देख रहे हैं, लेकिन अधिकांश विपक्षी नेताओं की राय है कि लोकतांत्रिक तरीके से उठाई गई आवाज ने सरकार को निर्णय लेने के लिए मजबूर किया।

छात्रों की एकजुटता और शांतिपूर्ण संघर्ष की बड़ी जीत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम का प्रभाव आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति पर भी दिखाई दे सकता है। फिलहाल विपक्ष इसे लोकतंत्र, छात्रों की एकजुटता और शांतिपूर्ण संघर्ष की बड़ी जीत के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष की ओर से इस विषय पर आगे की प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

सेना को हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की पूरी आजादी- राजनाथ सिंह

'स्वदेशी ताकत से मजबूत हो रही भारतीय सेना' जम्मू-कश्मीर के द्रास से रक्षामंत्री का संदेश

- **कहा- सेना को दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देने की खुली छूट**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक में आयोजित समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना आज पहले से कहीं अधिक सशक्त है और देश की सुरक्षा से जुड़े हर खतरे का प्रभावी ढंग से सामना करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेना को देश की संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता प्राप्त है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत लगातार स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है, जिससे सेना की ताकत में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि भारतीय सशस्त्र बल अब स्वदेश में विकसित आधुनिक रक्षा प्रणालियों, विशेष रूप से आकाशतीर एयर डिफेंस कंट्रोल सिस्टम जैसी तकनीकों से लैस हैं। इससे देश की रक्षा तैयारियां और अधिक मजबूत हुई हैं तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी नई गति मिली है।

उन्होंने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों के साहस, बलिदान और देशभक्ति को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भी स्मरण कराता है।

समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, शहीदों के परिजनों और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर देश ने एक बार फिर अपने वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी शौर्यगाथा को याद किया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।

भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए स्कूल मरम्मत होने तक रहेंगे बंद-जम्मू संभागीय आयुक्त

बारिश के बाद प्रशासन सख्त, जम्मू में असुरक्षित स्कूल होंगे बंद

- **जम्मू संभाग में राहत कार्य तेज, फसलों के नुकसान का जल्द होगा आकलन**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग में हाल की भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद प्रशासन ने राहत और सुरक्षा उपायों को तेज कर दिया है। संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि बारिश से असुरक्षित या क्षतिग्रस्त पाए गए स्कूल भवनों को तत्काल बंद किया जाए और आवश्यक मरम्मत तथा संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणित होने तक उनका उपयोग न किया जाए। यह निर्णय छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी जिलों में बारिश से हुए नुकसान राहत कार्यों और बहाली की प्रगति का जायजा लिया गया। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और किसानों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

रमेश कुमार ने जम्मू विद्युत विकास निगम लिमिटेड को क्षतिग्रस्त बिजली ढांचे की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर पूरी करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित क्षेत्रों में जल्द बिजली आपूर्ति बहाल हो सके। उन्होंने राहत राशि वितरण की भी समीक्षा की और उपायुक्तों से कहा कि पात्र परिवारों तक अनुग्रह राशि बिना देरी पहुंचाई जाए।

बडगाम में भालू के हमले से दहशत, एक व्यक्ति घायल

भारतेंदु संवाददाता, बडगाम। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चाडूरा क्षेत्र में भालू के हमले में एक व्यक्ति के घायल होने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। घटना शनिवार देर शाम ब्रेनवार के ज़िलसिदारा इलाके की है। बताया गया कि घायल व्यक्ति नमाज अदा कर घर लौट रहा था, तभी अचानक झाड़ियों से निकले भालू ने उस पर हमला कर दिया। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर किसी तरह भालू को वहां से भगाया, जिसके बाद घायल को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि उसकी स्थिति के बारे में तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से जंगली जानवर आबादी वाले इलाकों में लगातार दिखाई दे रहे हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है।

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगे 23 लाख रुपये, श्रीनगर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल, फर्जीवाड़े में फंसे 3 आरोपी

- **नौकरी का सपना दिखाकर हड़पे 23 लाख रुपये, श्रीनगर कोर्ट में चार्जशीट**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 23 लाख रुपये की ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) श्रीनगर की अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर शिकायतकर्ताओं से बड़ी रकम वसूली और उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र व अन्य जाली दस्तावेज सौंपे। मामले की जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपियों ने कथित तौर पर नकली नियुक्ति आदेश, पहचान पत्र, लाइसेंस तथा पुलिस और सीआईडी सत्यापन से जुड़े जाली दस्तावेज तैयार कर नौकरी के प्रस्तावों को असली साबित करने की कोशिश की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस मामले में गुलाम मोहम्मद शेख उर्फ गुलजार, मोहम्मद यूसुफ वानी और मोहम्मद अब्दुल्ला मीर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। जांच में शिकायतकर्ताओं के आरोप सही पाए गए और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर यह स्थापित हुआ कि तीनों आरोपी आपसी मिलीभगत से लोगों को धोखा देकर उनकी मेहनत की कमाई हड़पने में शामिल थे। आर्थिक अपराध शाखा ने विस्तृत जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोपपत्र प्रस्तुत कर दिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सरकारी नौकरी के नाम पर किसी भी व्यक्ति या एजेंट के झांसे में आने से पहले संबंधित विभाग से पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी नियुक्तियां केवल निर्धारित और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से ही की जाती हैं। ऐसे मामलों में सतर्कता बरतना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देना आवश्यक है, ताकि इस प्रकार की धोखाधड़ी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

आप पार्षद मुनव्वर कांग्रेस में हुए शामिल, बदले निगम समीकरण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम की राजनीति में रविवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी (आप) के वार्ड-29 से पार्षद मुनव्वर ने अपने सैकड़ों समर्थकों, वार्ड-29 की पूरी आप कार्यकारिणी और कई प्रमुख सहयोगियों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस घटनाक्रम से नगर निगम सदन में विपक्ष की ताकत का संतुलन बदल गया है और कांग्रेस ने खुद को अब दूसरा सबसे बड़ा दल बताते हुए नेता प्रतिपक्ष के पद पर भी दावा ठोक दिया है।

मुनव्वर वार्ड-29, जिसमें सेक्टर-55, सेक्टर-56 और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं, से नगर निगम चुनाव करीब तीन हजार वोटों के अंतर से जीतकर पार्षद बने थे। उनके कांग्रेस में शामिल होने को पार्टी संगठन के लिए बड़ा राजनीतिक लाभ माना जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एचएस लक्की ने कहा कि मुनव्वर का पार्टी में स्वागत है और उनके आने से कांग्रेस को जमीनी स्तर पर नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड-29 में मुनव्वर की मजबूत पकड़ और उनके समर्थकों के कांग्रेस से जुड़ने से संगठन का विस्तार होगा।

मुनव्वर के कांग्रेस में शामिल होने के बाद नगर निगम में कांग्रेस पार्षदों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इसके साथ ही सांसद के मतदान अधिकार को जोड़ने पर कांग्रेस के पास कुल 10 वोट हो जाएंगे। कांग्रेस का दावा है कि अब उसकी संख्या आम आदमी पार्टी से अधिक हो गई है, जिससे विपक्ष के भीतर उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

इसी बदले हुए राजनीतिक समीकरण के आधार पर कांग्रेस ने नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष (लीडर ऑफ ऑपोजिशन) के पद पर भी अपना दावा पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है। वर्तमान में यह पद आम आदमी पार्टी के पास है, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि यदि निगम सदन के नियमों के अनुसार उसे सबसे बड़ा विपक्षी दल माना जाता है, तो नेता प्रतिपक्ष का पद कांग्रेस को मिलना चाहिए।

पंजाब खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर, सेहत पर गहराया संकट

दूध, पनीर और अन्य खाद्य वस्तुओं में मिलावट से बढ़ा स्वास्थ्य खतरा, 15 फीसदी खाद्य सैंपल हुए फेल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट में सामने आया है कि राज्य में लिए गए खाद्य पदार्थों के करीब 15 प्रतिशत सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। रिपोर्ट को मानसून सत्र के दौरान संसद में पेश किया गया है। इसमें बताया गया है कि दूध और डेयरी उत्पादों समेत कई खाद्य वस्तुओं में बड़े स्तर पर मिलावट की जा रही है। कुछ मामलों में केमिकल का इस्तेमाल किए जाने की भी जानकारी सामने आई है, जो लोगों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में पिछले कुछ वर्षों से खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार की ओर से नियमित रूप से सैंपलिंग और जांच अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद मिलावटखोरी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। पिछले दो वर्षों के दौरान राज्य में कुल 11,940 खाद्य सैंपल लिए गए, जिनमें से 1,779 सैंपल फेल पाए गए। वर्ष 2025-26 के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने कुल 7,809 सैंपल जांच के लिए लिए थे। इनमें से 1,031 सैंपल खाने योग्य नहीं पाए गए। इन मामलों में सरकार ने कार्रवाई करते हुए 723 मामलों में जुर्माना लगाया, जबकि 25 मामलों में अदालत ने सजा सुनाई।

इसी तरह वर्ष 2024-25 में पंजाब में कुल 4,131 सैंपल लिए गए थे, जिनमें से 748 सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके बाद सरकार ने 333 मामलों में जुर्माना लगाया, जबकि 8 मामलों में दोषियों को सजा मिली। रिपोर्ट में बताया गया है कि इससे पहले वर्ष 2023-24 में लिए गए 6,041 सैंपलों में से 929 और वर्ष

2022-23 में 8,179 सैंपलों में से 1,724 सैंपल खाने योग्य नहीं पाए गए थे। इससे स्पष्ट है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या लगातार बनी हुई है।

दूध और डेयरी उत्पादों में सबसे ज्यादा मिलावट : स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पंजाब में दूध, पनीर, घी, मिठाइयों, मसालों, तेल, बिस्कुट और नमकीन जैसी रोजमर्रा की खाद्य वस्तुओं में अधिक मिलावट के मामले सामने आ रहे हैं। खासकर डेयरी उत्पादों में मिलावट को लेकर चिंता बढ़ रही है। अधिकारियों के अनुसार, कई बार दूसरे राज्यों से घटिया गुणवत्ता वाला पनीर और अन्य डेयरी उत्पाद पंजाब में सप्लाई किए जाते हैं, जिनके निर्माण में हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल होने की आशंका रहती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक ऐसे मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। कुछ रसायन शरीर में कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं और गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं।

फूड सेफ्टी ऑन व्हील से हो रही जांच : खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए विभाग की ओर से फूड सेफ्टी ऑन व्हील अभियान भी चलाया जा रहा है। इन मोबाइल टेस्टिंग वैन में दूध, पनीर, पानी और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मौके पर जांच की सुविधा उपलब्ध है। आम लोग भी अपने खाद्य पदार्थों की जांच इन वाहनों में करवा सकते हैं।

इसके अलावा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय और राज्य सरकार की टीमें नियमित निरीक्षण कर रही हैं। खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

गमाडा नीलामी प्रस्ताव पर सेक्टर-67 निवासियों का विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली। सेक्टर-67 में गमाडा द्वारा तीन व्यावसायिक साइटों (14, 15 और 16) को जोड़कर बहुमंजिला कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के रूप में नीलाम करने के प्रस्ताव का स्थानीय निवासियों ने विरोध शुरू कर दिया है। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब आवास निर्माण एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव विकास गर्ग और गमाडा के मुख्य प्रशासक से मुलाकात कर संयुक्त नीलामी रोकने की मांग की। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनएस कलसी और वार्ड पार्षद मनजीत कौर की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बहुमंजिला इमारत बनने से पार्किंग, ट्रैफिक, शोर और आवासीय क्षेत्र में वाहनों की समस्या बढ़ेगी। महासचिव एसके बग्गा ने कहा कि पहले से ही सीपी-67 मॉल के कारण भी ऐसी समस्याएं सामने आ रही हैं। निवासियों ने तीनों साइटों की अलग-अलग नीलामी, 20 फुट रास्ता और अधिकतम तीन मंजिल निर्माण की मांग रखी है। अधिकारियों ने मामले पर निरीक्षण और उचित निर्णय का आश्वासन दिया है। वहीं, मांगें पूरी न होने पर निवासियों ने आंदोलन और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

टेबल टेनिस में गिलको स्कूल का शानदार प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। सीबीएसई क्लस्टर-17 टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मोहाली के गिलको इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई आयु वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन सेंट सोल्जर स्कूल, मोहाली फेज-7 में किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग के लड़कों व लड़कियों के मुकाबलों में गिलको इंटरनेशनल स्कूल ने विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। अंडर-14 लड़कों के वर्ग में गिलको विजेता रहा, जबकि लर्निंग पाथ स्कूल उपविजेता बना। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल और मानव मंगल स्कूल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 लड़कियों में भी गिलको ने खिताब जीता। अंडर-17 लड़कों और लड़कियों दोनों वर्गों में गिलको ने अपनी श्रेष्ठता साबित की। वहीं अंडर-19 लड़कों के वर्ग में लर्निंग पाथ स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप हासिल की, जबकि गिलको इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। स्कूल प्रबंधन ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हरियाणा की एमबीबीएस सीटों पर निजी कॉलेज हावी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर इस साल 2,960 हो गई है। यह संख्या पड़ोसी राज्यों में सबसे अधिक है, लेकिन बढ़ी हुई सीटों का बड़ा हिस्सा निजी मेडिकल कॉलेजों को मिला है। राज्य की कुल सीटों में से 1,900 सीटें निजी कॉलेजों और 1,060 सीटें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष हरियाणा में 250 नई एमबीबीएस सीटें जोड़ी गई हैं, लेकिन ये सभी निजी कॉलेजों में बढ़ाई गई हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इस बार कोई नई सीट नहीं बढ़ी। राज्य में कुल 18 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें आठ सरकारी और 10 निजी कॉलेज शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सीटें बढ़ना सकारात्मक कदम है, लेकिन सरकारी कॉलेजों में सीटें नहीं बढ़ने से मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए सस्ती मेडिकल शिक्षा के अवसर सीमित हैं। सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस की पूरी पढ़ाई का खर्च करीब 4.22 लाख रुपये है, जबकि निजी कॉलेजों में यह खर्च 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों ने सरकारी मेडिकल सीटों के विस्तार की जरूरत पर जोर दिया है।

मोहाली में जलभराव रोकने को गमाडा तैयार, ड्रेनेज सिस्टम की होगी मरम्मत

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए गमाडा ने विशेष योजना तैयार की है। इसके तहत शहर के विभिन्न सेक्टरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का वार्षिक संचालन और रखरखाव किया जाएगा। इस कार्य के लिए गमाडा की ओर से ऑनलाइन टेंडर जारी किए गए हैं, जिनकी अंतिम तिथि 5 अगस्त 2026 सुबह 11 बजे तय की गई है।

गमाडा के एक्सईएन हिमांशु संधू ने बताया कि सेक्टर-85/86, 98/99, 104/105, 80/81, 84/85, 99/100, 99/104, 100/104 और गमाडा-103/104 को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों पर स्थित ड्रेनेज लाइनों की सफाई और मरम्मत की जाएगी।

कार्य के तहत ड्रेनेज लाइनों की डी-सिल्टिंग, रोड गली चैंबरों की मरम्मत, खराब मैनहोल की रिपेयर और गायब रोड गली ग्रेटिंग व मैनहोल कवर लगाने का काम किया जाएगा। इसके अलावा सेक्टर-104/105 को विभाजित करने वाली सड़क पर लगे फ्लड पंपों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी एजेंसी को दी जाएगी, ताकि तेज बारिश के समय पानी की निकासी तेजी से हो सके।

मोहाली ड्रेनेज सुधार के लिए गमाडा तैयार

गमाडा अधिकारियों ने बताया कि मानसून के दौरान भारी बारिश होने पर कई इलाकों में पानी जमा होने की समस्या सामने आती है। इसे देखते हुए ड्रेनेज सिस्टम की नियमित सफाई और मरम्मत को प्राथमिकता दी जा रही है। समय पर गाद हटाने और क्षतिग्रस्त हिस्सों को ठीक करने से पानी की निकासी क्षमता बेहतर होगी और लोगों को परेशानी का सामना कम करना पड़ेगा। अधिकारियों के अनुसार, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज लाइनों की निगरानी भी नियमित रूप से की जाएगी, ताकि किसी भी तकनीकी खराबी को समय रहते दूर किया जा सके। इसके अलावा बारिश के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान रखा जाएगा, जहां पहले जलभराव की शिकायतें आती रही हैं। गमाडा का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से न केवल मानसून में राहत मिलेगी, बल्कि शहर के बुनियादी ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। ड्रेनेज व्यवस्था बेहतर होने से सड़कों की स्थिति भी लंबे समय तक ठीक रहेगी और जलभराव के कारण होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। शहरवासियों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में कई क्षेत्रों में पानी खड़ा होने से आवाजाही प्रभावित होती है।

पंजाब में बढ़े घरेलू पर्यटक, विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के पर्यटन क्षेत्र की तस्वीर इन दिनों दो अलग-अलग रुझान दिखा रही है। जहां राज्य में घरेलू पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेज गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की ओर से राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, पंजाब धार्मिक और विरासत पर्यटन के कारण देश के भीतर से बड़ी संख्या में यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के मोर्चे पर राज्य पिछड़ता जा रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में पंजाब में 3.32 करोड़ घरेलू पर्यटक पहुंचे, जबकि 2021 में यह संख्या 2.66 करोड़ थी। पांच वर्षों में घरेलू पर्यटकों की संख्या में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि इस दौरान उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला। वर्ष 2023 में घरेलू पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक 3.57 करोड़ दर्ज की गई थी। इसके बाद 2024 में यह आंकड़ा घटकर 2.77 करोड़ रह गया, लेकिन 2025 में फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इसके विपरीत विदेशी पर्यटकों के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। वर्ष 2021 में पंजाब में 3.08 लाख विदेशी पर्यटक आए थे। 2022 में यह संख्या बढ़कर 3.29 लाख और 2023 में रिकॉर्ड 7.42 लाख तक पहुंच गई थी। लेकिन इसके बाद इसमें लगातार गिरावट शुरू हो गई। 2024 में विदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 5.42 लाख रह गई और 2025 में यह केवल 1.63 लाख दर्ज की गई। यानी 2021 की तुलना में भी विदेशी पर्यटकों की संख्या में करीब 47 प्रतिशत की कमी आई है।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, विदेशी पर्यटकों की संख्या घटने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। इनमें कोविड-19 के बाद अंतरराष्ट्रीय यात्रा की धीमी वापसी, सीमित पर्यटन विकल्प, कमजोर प्रचार-प्रसार, एनआरआई पर्यटकों पर अधिक निर्भरता और अमृतसर से सीमित अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क प्रमुख हैं। विभाग अब इस गिरावट के कारणों की समीक्षा करने की तैयारी कर रहा है।

चंडीगढ़ की विरासत कुर्सी अमेरिका में हुई नीलाम, केंद्र से कार्रवाई की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

विश्व प्रसिद्ध नियोजित शहर चंडीगढ़ की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत एक बार फिर विदेश में नीलाम हो गई है। प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरेट द्वारा डिजाइन की गई एक ऐतिहासिक कुर्सी अमेरिका में आयोजित नीलामी में 3,840 डॉलर में बिक गई। इस घटना के सामने आने के बाद चंडीगढ़ की विरासत के संरक्षण के लिए कार्यरत हेरिटेज आइटम प्रोटेक्शन सेल (एचआईपीसी) ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल कानूनी और कूटनीतिक हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन का कहना है कि यह केवल एक कुर्सी की बिक्री का मामला नहीं, बल्कि देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्थापत्य धरोहर की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।

एचआईपीसी के सदस्य एवं अधिवक्ता अजय जग्गा ने इस मामले को लेकर विदेश मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, अमेरिका में भारत के राजदूत तथा चंडीगढ़ प्रशासन को पत्र भेजा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि विदेशों में लगातार हो रही चंडीगढ़ के हेरिटेज फर्नीचर की नीलामी को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं और इस कुर्सी को भारत वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की जाए।

अजय जग्गा ने बताया कि 22 जुलाई को अमेरिका के लॉस एंजिलिस स्थित प्रतिष्ठित नीलामी घर बोनहैम्स में पियरे जेनरेट द्वारा डिजाइन की गई यह कुर्सी 3,840 डॉलर में नीलाम हुई। इन निशानों से यह संकेत मिलता है कि यह कुर्सी कभी चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के नेहरू अस्पताल की संपत्ति रही होगी। यदि ऐसा है तो यह सरकारी संस्थान की ऐतिहासिक धरोहर विदेश कैसे पहुंची, यह भी जांच का विषय है।

उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को ही केंद्र सरकार को प्रस्तावित नीलामी की जानकारी दे दी गई थी, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर नीलामी रोकी जा सके। इसके बावजूद संबंधित एजेंसियों की ओर से प्रभावी हस्तक्षेप नहीं हो पाया और कुर्सी की नीलामी हो गई। अजय जग्गा ने इसे विरासत संरक्षण के लिए बड़ी चूक बताते हुए कहा कि यदि समय पर कार्रवाई होती तो इस ऐतिहासिक वस्तु को विदेश में बिकने से बचाया जा सकता था।

यह पहली बार नहीं है जब चंडीगढ़ की विरासत से जुड़े फर्नीचर की विदेशों में नीलामी हुई हो। इससे पहले 15 जुलाई को भी चंडीगढ़ के हेरिटेज फर्नीचर और अन्य ऐतिहासिक वस्तुओं की नीलामी की जा चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में पियरे जेनरेट द्वारा डिजाइन किए गए कई फर्नीचर विदेशों के नीलामी घरों में लाखों रुपये की कीमत पर बिक चुके हैं।

कर्मचारियों पर बल प्रयोग के खिलाफ सीटू ने जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड सफाई कर्मचारी यूनियन (सीटू) की बैठक मोहाली में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता हरकेश राणा, महासचिव सीटू मोहाली ने की। बैठक में बरनाला में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर पंजाब सरकार द्वारा किए गए लाठीचार्ज और कथित मारपीट की घटना की कड़ी निंदा की गई।

दुर्लभ धरोहरें संग स्वतंत्रता आंदोलन की अमूल्य विरासत आज भी सुरक्षित है

यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनके खिलाफ बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान बातचीत के माध्यम से करना चाहिए, न कि आंदोलन को दबाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि समस्याओं का स्थायी समाधान करने के बजाय यदि उन पर कार्रवाई की जाती है तो इससे कर्मचारियों में रोष बढ़ेगा। यूनियन ने पंजाब सरकार से अपील की कि वह कर्मचारियों की लंबित मांगों पर जल्द विचार करे और उचित निर्णय लेकर राहत प्रदान करे। बैठक के दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए संगठन आगे भी संघर्ष जारी रखेगा।

चंडीगढ़ में 1,200 रिज्यूम प्रॉपर्टीज की दोबारा ई-नीलामी की तैयारी शुरू

रिकॉर्ड सत्यापन और कानूनी जांच पूरी होने के बाद वैध प्रॉपर्टीज की चरणबद्ध ई-नीलामी, रिजर्व प्राइस में बदलाव संभव

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्षों से रिज्यूम (जब्त) की गई करीब 1,200 प्रॉपर्टीज की दोबारा ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दिशा में एस्टेट ऑफिस सबसे पहले इन सभी संपत्तियों का रिकॉर्ड अपडेट करने और उनकी कानूनी स्थिति की विस्तृत जांच कर रहा है। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वही संपत्तियां नीलामी प्रक्रिया में शामिल हों, जिनका रिज्यूम आदेश पूरी तरह वैध और नियमों के अनुरूप हो।

अधिकारियों के अनुसार, रिकॉर्ड सत्यापन पूरा होने के बाद प्रस्तावित प्रॉपर्टीज की सूची सार्वजनिक की जाएगी, ताकि संबंधित पक्षों को आपत्तियां और सुझाव देने का अवसर मिल सके। प्राप्त सभी आपत्तियों का निपटारा करने के बाद अंतिम सूची अधिसूचित की जाएगी और फिर चरणबद्ध तरीके से ई-नीलामी शुरू होगी।

प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, रिकॉर्ड में दर्ज करीब 70 प्रतिशत रिज्यूम प्रॉपर्टीज आवासीय हैं और इनमें से अधिकांश शहर के प्रमुख एवं विकसित सेक्टरों में स्थित हैं। हालांकि, रिकॉर्ड में शामिल सभी 1,200 संपत्तियां नीलामी के लिए उपयुक्त नहीं हैं। कई मामलों में दस्तावेजी त्रुटियां सामने आई हैं, जबकि कुछ संपत्तियां अभी भी विभिन्न कानूनी विवादों में फंसी हुई हैं। इसी वजह से प्रशासन पहले सभी रिकॉर्ड को पूरी तरह दुरुस्त करने पर जोर दे रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद या दावों से बचा जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि जिन मामलों में जांच के बाद रिज्यूम आदेश सही पाए जाएंगे, वहां संबंधित संपत्तियों का कब्जा लेने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। इनमें कई ऐसी प्रॉपर्टीज शामिल हैं जो लंबे समय से खाली पड़ी हैं।

ई-नीलामी प्रक्रिया को मिलेगी नई रफ्तार

प्रशासन इस पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर भी जोर दे रहा है। अधिकारियों का कहना है कि ई-नीलामी के माध्यम से इच्छुक खरीदारों को समान अवसर मिलेगा और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने से किसी भी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात की संभावना कम होगी। नीलामी की तिथियां, पात्रता शर्तें और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी समय-समय पर सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग ले सकें। जानकारों का मानना है कि यदि रिजर्व प्राइस को मौजूदा बाजार परिस्थितियों के अनुरूप तय किया गया तो इस बार नीलामी में खरीदारों की रुचि बढ़ सकती है। शहर के प्रमुख सेक्टरों में स्थित आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की मांग हमेशा बनी रहती है, ऐसे में उचित मूल्य निर्धारण प्रशासन के लिए बेहतर राजस्व का माध्यम बन सकता है। इससे न केवल लंबे समय से बंद पड़ी संपत्तियों का उपयोग शुरू होगा, बल्कि शहर के नियोजित विकास को भी गति मिलेगी।

कई आवंटी वर्षों से संपर्क में नहीं हैं या बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद उन्होंने प्रशासन के समक्ष कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया। कुछ मामलों में लीज की शर्तों का उल्लंघन किया गया, जबकि कई आवंटियों ने प्रीमियम और किस्तों का भुगतान नहीं किया, जिसके चलते नियमों के तहत उनकी संपत्तियां रिज्यूम कर ली गई थीं। प्रशासन का मानना है कि इन संपत्तियों की दोबारा ई-नीलामी से सरकार को अच्छा राजस्व प्राप्त होगा और लंबे समय से लंबित मामलों का भी समाधान हो सकेगा। इस बीच, हाल ही में आयोजित 10 रिज्यूम प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी में केवल दो संपत्तियां ही बिक सकीं।

पंजाब में हाईवे निर्माण तेज, नदियों की मिट्टी के उपयोग को मिली मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में निर्माणाधीन और प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को अब तेजी मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने हाईवे निर्माण के लिए आवश्यक मिट्टी की उपलब्धता आसान बनाने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है। जल संसाधन विभाग ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और उसके अधिकृत ठेकेदारों को पंजाब की नदियों और ड्रेनों की डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) के दौरान निकलने वाली मिट्टी का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में करने की अनुमति दे दी है।

जल संसाधन विभाग की ओर से 22 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, डी-सिल्टिंग से निकलने वाली सामग्री अब हाईवे निर्माण में इस्तेमाल की जा सकेगी। इससे एक तरफ नदियों और ड्रेनों की सफाई का काम तेज होगा, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए जरूरी मिट्टी भी आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस निर्णय से सरकार को डी-सिल्टिंग के बाद निकलने वाली सामग्री के निस्तारण की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही एनएचएआई को कम लागत में निर्माण कार्य के लिए आवश्यक मिट्टी मिल सकेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुन: उपयोग और बुनियादी ढांचा विकास को एक साथ बढ़ावा मिलेगा।

पंजाब में एनएचएआई कई हजार करोड़ रुपये की लागत से महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इनमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, लुधियाना-रूपनगर ग्रीनफील्ड हाईवे, अमृतसर बाईपास, जालंधर बाईपास, मोहाली-सरहिंद मार्ग का उन्नयन और भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे कई राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर मिट्टी की आवश्यकता होती है, जिसे अब डी-सिल्टिंग से प्राप्त सामग्री से पूरा किया जा सकेगा।

राज्य सरकार पिछले कुछ समय से मानसून से पहले और बाद में नदियों, घग्गर, सतलुज, ब्यास और प्रमुख ड्रेनों की सफाई पर जोर दे रही है। इसका उद्देश्य बाढ़ के खतरे को कम करना और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाना है। अब डी-सिल्टिंग से निकलने वाली मिट्टी के उपयोग की अनुमति मिलने से सफाई अभियान को भी गति मिलने की संभावना है।

राहुल के पीएम सपने पर तरुण चुघ ने किया हमला

तरुण चुघ ने कांग्रेस की नीतियों पर सवाल उठाते हुए मोदी सरकार की गिनाईं उपलब्धियां, विकसित भारत के संकल्प को बताया मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने की इच्छा को लेकर कहा कि यह सपना 'मुंगेरी लाल का सपना' जैसा है। चुघ ने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को सपने देखने और अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा रखने का अधिकार है, लेकिन देश की जनता चुनावों के माध्यम से अपना फैसला पहले ही सुना चुकी है।

तरुण चुघ ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को लगातार चुनावों में जनता का समर्थन नहीं मिला है। उन्होंने दावा किया कि गांधी-नेहरू परिवार के प्रति देशभर में लोगों में नाराजगी का माहौल है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि जनता ने अपने मत के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों को कई बार नकारा है और राहुल गांधी को भी राजनीतिक रूप से जवाब दिया है।

चुघ ने राहुल गांधी पर विदेशों में भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेशी मंचों पर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के साथ खड़े दिखाई देते हैं और देश के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता देश की उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हुए लगातार सरकार पर सवाल उठाते हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए तरुण चुघ ने कहा कि पार्टी ने लंबे समय तक युवाओं के मुद्दों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन युवाओं के भविष्य, रोजगार और विकास के लिए पर्याप्त काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्राथमिकता हमेशा सत्ता हासिल करना और अपनी राजनीतिक स्थिति बनाए रखना रही है।

भाजपा महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर बढ़ाने, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य ऐसा भारत बनाना है, जहां युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया के कई देश भारत के साथ मजबूत संबंध स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और विकसित भारत का संकल्प अब हर भारतीय का लक्ष्य बन चुका है।

चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच युवाओं को नई संभावनाएं देने, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में अवसर बढ़ाने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने की है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा भारत बनाना है जहां हर नागरिक अपने सपनों को पूरा कर सके।

अंत में तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति लगातार जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो रही है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व को प्राथमिकता दे रही है तथा आने वाले समय में भी यही मुद्दे राजनीति की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से देश में विकास की गति तेज हुई है और जनता का भरोसा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर लगातार बढ़ रहा है।

आईईडी के साथ बीकेआई मॉड्यूल का आरोपी गिरफ्तार

विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर काम कर रहे आरोपी की जांच जारी

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। सुरक्षा एजेंसियों ने जालंधर में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संभावित आतंकी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया है। काउंटर इंटेलिजेंस और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में विदेशी खुफिया एजेंसी समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया गया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदमपुर निवासी सतबीर सिंह के रूप में हुई है। उसके पास से एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की गई, जिसमें करीब 1.3 किलोग्राम उच्च क्षमता वाला विस्फोटक भरा हुआ था। इसके अलावा आईईडी में बड़ी संख्या में श्रैपनेल और बाल बेयरिंग भी मिले हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि ऐसी सामग्री का इस्तेमाल विस्फोट के दौरान अधिक नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जाता है।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सतबीर सिंह

जालंधर में संयुक्त कार्रवाई से बड़ी आतंकी साजिश समय रहते टली

विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में था और उनके निर्देशों पर काम कर रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब उसके पूरे नेटवर्क, संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, काउंटर इंटेलिजेंस और जालंधर देहात पुलिस को आरोपी की गतिविधियों से जुड़ी गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद संयुक्त अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से विस्फोटक बरामद हुआ। कार्रवाई के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर अन्य संभावित सुराग जुटाए।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद आईईडी कहां से लाई गई थी, इसे किस स्थान पर इस्तेमाल करने की योजना थी और इस साजिश में कितने लोग शामिल हैं। इसके अलावा विदेश में बैठे हैंडलरों से आरोपी के संपर्क और बातचीत के माध्यमों की भी जांच की जा रही है।

इस मामले में थाना पतारा में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है और उसके आधार पर अन्य संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़े आतंकी हमले को टाल दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जांच आगे बढ़ने के साथ आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी स्पष्ट हो सकती है।

पंजाब में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से ब्लैकआउट जैसे हालात, लोग परेशान

पावरकॉम कर्मचारियों की मांगों पर गतिरोध से जनता को भारी हो रही परेशानी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब भर में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रहने से राज्य में बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। कई जिलों में लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। औद्योगिक नगरी लुधियाना में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण आम लोगों के साथ-साथ उद्योगों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बिजली कटौती के दौरान उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए जारी पावरकॉम टोल-फ्री नंबर 1912 पर भी पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई क्षेत्रों में बिजली शिकायतों के निपटारे के लिए स्टाफ की कमी के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। बिजली बंद रहने से पानी की समस्या, इंटरनेट सेवाओं में बाधा और इन्वर्टर व जनरेटर के जवाब देने जैसी परेशानियां बढ़ गई हैं।

जानकारी के अनुसार, लुधियाना के कई इलाकों में दोपहर के समय बंद हुई बिजली सप्लाई देर रात तक बहाल नहीं हो सकी। गुरु नानक देव नगर, सरदार नगर, फरीद नगर, जगदीप नगर, सुंदर नगर, शिवपुरी और प्रीतम नगर सहित कई क्षेत्रों में लोग पानी के लिए परेशान नजर आए। कई लोग खाली कंटेनर लेकर पानी भरने के लिए इधर-उधर भटकते दिखाई दिए।

बताया जा रहा है कि यह पहली बार है जब पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पावरकॉम) का करीब 90 से 95 प्रतिशत स्टाफ हड़ताल पर है। इससे बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। हड़ताली कर्मचारियों ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि व्यवस्था संभालने के लिए कम अनुभवी कर्मचारियों को पावर ग्रिड और फीडरों पर तैनात किया गया है, जिससे तकनीकी खामियों और हादसों का खतरा बढ़ सकता है। कर्मचारी संगठनों ने लोगों से अपील की है कि बिजली लाइनों और उपकरणों से जुड़े किसी भी जोखिम से बचने के लिए सावधानी बरती जाए।

जिमखाना क्लब चुनाव में अचीवर्स ग्रुप सक्रिय

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर जिमखाना क्लब के आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही विभिन्न समूहों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में अचीवर्स ग्रुप ने चार प्रमुख पदों के लिए अपने संभावित उम्मीदवारों के नाम सामने रख दिए हैं। अचीवर्स ग्रुप के अरविंद अबरोल, सतीश ठाकुर गोरा, विजय खुल्लर और मनदीप सिंह गुजराल ने बताया कि ग्रुप क्लब में बेहतर प्रबंधन, पारदर्शी कार्यप्रणाली, आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और सदस्यों के हितों को प्राथमिकता देने के मुद्दों के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है।

ग्रुप की ओर से जूनियर वाइस प्रेसिडेंट पद के लिए धीरज सेठ, सेक्रेटरी पद के लिए अमित कुकरेजा, जॉइंट सेक्रेटरी पद के लिए हरप्रीत सिंह (गोल्डी) और ट्रेजरर पद के लिए सौरव खुल्लर के नाम सामने आए हैं।

स्कूल बस नियम उल्लंघन पर आरटीओ सख्त

बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने चलाया विशेष जांच अभियान

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों और बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को आरटीओ की टीम ने सिविल लाइंस क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों की बसों की जांच की गई, जिसमें करीब 30 स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों की कमी पाए जाने पर मौके पर ही चालान किए गए।

जांच के दौरान सामने आया कि कई स्कूल बस चालक निर्धारित यूनिफॉर्म में वाहन नहीं चला रहे थे। वहीं कुछ बसों में बच्चों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य लेडी हेल्पर की व्यवस्था भी नहीं थी। परिवहन विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित स्कूल प्रबंधन और बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की।

आरटीओ मनकवल सिंह चाहल ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे शहर में लगातार विशेष चेकिंग अभियान

30 बसों में नियमों की मिली अनदेखी , मौके किए गए पर चालान

चलाया जा रहा है। यह अभियान पिछले 23 दिनों से जारी है, जिसके तहत अब तक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 33 लाख रुपये से अधिक के चालान किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि स्कूल बसों के अलावा जीटी रोड पर चलने वाली निजी और व्यावसायिक बसों के दस्तावेजों की भी नियमित जांच की जा रही है। विभाग की टीम परमिट, फिटनेस, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच कर रही है, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर रोक लगाई जा सके।

आरटीओ ने बताया कि शहर के सभी स्कूलों के प्रिंसिपलों के साथ बैठक कर पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं। स्कूल प्रबंधन को कहा गया है कि सभी बसों के दस्तावेज अपडेट रखें और सुरक्षा से जुड़े सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करें। प्रत्येक बस में प्रशिक्षित लेडी हेल्पर की मौजूदगी और चालक का निर्धारित वर्दी में होना जरूरी है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विदेश भेजने और नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी

भारतेंदु संवाददाता लुधियाना। लुधियाना की केंद्रीय जेल में विशेष तलाशी अभियान के दौरान बंदियों के पास से छह मोबाइल फोन बरामद होने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना ने एक बार फिर जेल की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरामद मोबाइल फोन अलग-अलग कंपनियों के बताए जा रहे हैं, जिनका उपयोग बंदी कथित रूप से अवैध रूप से कर रहे थे।

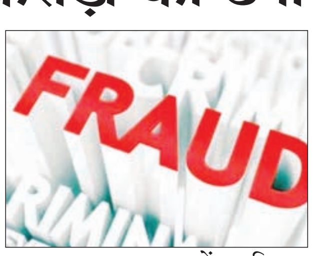

जानकारी के अनुसार सहायक सुपरिंटेंडेंट सुखपाल सिंह के नेतृत्व में जेल परिसर में अचानक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न बैरकों में बंद हवालातियों की तलाशी लेने पर छह मोबाइल फोन बरामद हुए। जेल नियमों के अनुसार किसी भी बंदी के पास मोबाइल फोन रखना पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद इन उपकरणों का मिलना सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक माना जा रहा है।

जेल प्रशासन की शिकायत पर थाना डिवीजन नंबर-7 पुलिस ने हरपिंदर सिंह उर्फ शिंदा, सरबजीत सिंह उर्फ सरबा, जय कुमार उर्फ जय देव शर्मा तथा सुखविंदर सिंह के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद मोबाइल फोन जेल के भीतर कैसे पहुंचे।

भूजल दोहन बढ़ा, बारिश का पानी संरक्षण नहीं होने से संकट गहराया

पंजाब में जल गहराया संकट 19 जिले डार्क जोन में शामिल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब में भूजल संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। बारिश और बाढ़ के दौरान लाखों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो जाता है, लेकिन वर्षा जल को जमीन के अंदर पहुंचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। अमृतसर समेत पंजाब के 19 जिले और 117 ब्लॉक डार्क जोन घोषित हो चुके हैं, जहां भूजल का दोहन तेजी से बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, रेन वाटर रिचार्जिंग सिस्टम की कमी के कारण बारिश का पानी सीवरेज में मिलकर नष्ट हो जाता है या फिर बहकर पाकिस्तान की ओर चला जाता है। सेना के क्षेत्रों और कुछ पॉश कॉलोनियों को छोड़कर अधिकतर

स्थानों पर बारिश के पानी को संरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है।

सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड के अनुसार, पंजाब में भूजल दोहन की दर करीब 156 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। यानी जमीन से जितना पानी निकाला जा रहा है, उसकी तुलना में भूजल का पुनर्भरण बहुत कम हो रहा है। देश में औसत भूजल दोहन करीब 60 प्रतिशत है, जबकि पंजाब में यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। डार्क जोन वे क्षेत्र होते हैं जहां भूजल दोहन 100 प्रतिशत से अधिक हो जाता है। ऐसे क्षेत्रों में नए बोरवेल और ट्यूबवेल लगाने पर रोक होती है, लेकिन इसके बावजूद कई जगहों पर लगातार भूजल का इस्तेमाल जारी है।

रणजीत सागर डैम का बढ़ा जलस्तर प्रशासन अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट । पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के चलते पठानकोट स्थित रणजीत सागर डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। लगातार बारिश के कारण डैम में पानी की आवक बढ़ गई है, जिससे प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। जानकारी के अनुसार, रणजीत सागर डैम का जलस्तर इस समय 506 मीटर से ऊपर पहुंच गया है। हालांकि डैम का खतरे का निशान करीब 528 मीटर है। इस हिसाब से अभी डैम का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 22 मीटर नीचे है। पिछले साल बारिश के दौरान बने हालात को देखते हुए इस बार डैम प्रशासन ने पहले ही तैयारियां पूरी कर ली हैं। डैम की सुरक्षा और जलस्तर पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं, जो लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं। रणजीत सागर डैम के एक्सईएन मुनीश कुमार ने बताया कि प्रशासन पानी के स्तर पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सोने में निवेश के नाम पर कारोबारी से 1 .05 करोड़ की ठगी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना । सोने में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का झांसा देकर एक करोड़ पांच लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ितों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सिकंदरपाल सिंह बेदी और साहिलजीत सिंह बेदी की ओर से शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि वरुण वर्मा और पंकेश वर्मा ने उन्हें सोने से जुड़ी निवेश योजनाओं में पैसा लगाने का लालच दिया। आरोपियों ने दावा किया कि निवेश करने पर उन्हें कुछ समय में अच्छा खासा मुनाफा मिलेगा। पीड़ितों का कहना है कि आरोपियों की बातों पर विश्वास करते हुए उन्होंने कुल

1,05,00,000 रुपये का निवेश कर दिया। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने न तो कोई लाभ दिया और न ही निवेश की गई मूल राशि वापस लौटाई। काफी समय बीतने के बाद जब पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत की गहन जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम अब सभी तथ्यों की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

गुरदासपुर में डेंगू और वायरल फीवर का बढ़ा खतरा, स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई सतर्कता

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। मानसून की शुरुआत के साथ ही गुरदासपुर जिले में डेंगू और वायरल फीवर का खतरा बढ़ने लगा है। मौसम में बदलाव, बढ़ती नमी और जगह-जगह जमा पानी के कारण वायरल इंफेक्शन तेजी से फैल रहा है। शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों, क्लीनिकों तथा हेल्थ सेंटरों में पिछले कुछ दिनों से तेज बुखार, खांसी, सर्दी, गले में इंफेक्शन, बदन दर्द, सिरदर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि मानसून के दौरान एडीज मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बन जाता है, जिससे डेंगू का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि अभी तक गुरदासपुर के सिविल अस्पताल में डेंगू का कोई मरीज सामने नहीं आया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर पूरी तैयारी कर ली है। अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए अलग कमरा तैयार किया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज शुरू किया जा सके।

घर-घर जाकर लार्वा की जांच शुरू : डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिलेभर में अभियान तेज कर दिया है। विभाग की टीमें अलग-अलग इलाकों में जाकर घरों में मच्छरों के लार्वा की जांच कर रही हैं। इसके अलावा फॉगिंग, साफ-सफाई अभियान और लोगों को जागरूक करने का काम भी लगातार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, पुराने टायर, छत पर रखे सामान और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करें, क्योंकि इन्हीं स्थानों पर डेंगू फैलाने वाले मच्छर पनपते हैं।

तेज बुखार को नजरअंदाज न करें : विशेषज्ञ डॉक्टरों के अनुसार, इन दिनों अस्पतालों में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ी है। कई मरीजों में डेंगू जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, जिसके चलते डॉक्टर ब्लड टेस्ट और प्लेटलेट्स की जांच करवा रहे हैं। डॉक्टरों ने कहा कि हर बुखार डेंगू नहीं होता, लेकिन तेज बुखार को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। समय पर जांच और इलाज से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

मतभेद | बरनाला पहुंचे कांग्रेस नेता, सफाई कर्मचारियों के समर्थन में दिखे अलग-अलग चरण

बरनाला सफाई कर्मचारी मामले पर कांग्रेस में दिखी अंदरूनी खींचतान

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला। सफाई कर्मचारियों के साथ हुई कथित मारपीट के मामले को लेकर पंजाब कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बरनाला पहुंचकर पीड़ित कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कांग्रेस की अंदरूनी एकजुटता को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सुबह जारी कांग्रेस के आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और अन्य वरिष्ठ नेताओं को सुबह 10 बजे विधायक कुलदीप सिंह काला ढिल्लों के निवास पर पहुंचना था। इसके बाद सभी नेताओं के सफाई कर्मचारियों के धरने में शामिल होने की योजना थी। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि कांग्रेस का पूरा नेतृत्व एकजुट होकर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएगा।

हालांकि निर्धारित समय पर चरणजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा और अन्य नेता धरने में पहुंचे, लेकिन उस समय राजा वड़िंग की मौजूदगी नहीं रही। उनकी अनुपस्थिति राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई। बाद में शाम के समय राजा वड़िंग बरनाला पहुंचे। उन्होंने घायल सफाई कर्मचारियों का हालचाल जाना, उनके परिवारों से मुलाकात की और उनके

पीड़ित कर्मचारियों से मिले नेता, राजा वड़िंग ने आर्थिक मदद की घोषित

समर्थन में आयोजित कैंडल मार्च में भी हिस्सा लिया।

राजा वड़िंग ने पीड़ित सफाई कर्मचारियों की सहायता के लिए अपनी ओर से एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्मचारियों के साथ खड़ी है और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करेगी। उनकी इस घोषणा का कर्मचारियों और उनके परिवारों ने स्वागत किया।

इस दौरान राजनीतिक नजरें कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी और उनके आपसी तालमेल पर भी रहीं। जब चन्नी और बाजवा समेत अन्य नेता धरने में मौजूद थे, उस समय राजा वड़िंग के करीबी माने जाने वाले कई स्थानीय नेता वहां दिखाई नहीं दिए। इनमें पूर्व चेयरमैन मक्खन शर्मा, बीबी सुरिंदर कौर बालियां, पूर्व जिला अध्यक्ष जगजीत धौला, पूर्व युवा अध्यक्ष गुरकीमत सिद्धू, एससी विंग पंजाब के चेयरमैन गुरप्रीत सिंह लक्की पखो और महिंदर पाल पखो सहित कई नेता शामिल थे। ये नेता बाद में शाम को राजा वड़िंग के साथ पहुंचे और कैंडल मार्च में शामिल हुए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सफाई कर्मचारियों का मुद्दा अब पंजाब की राजनीति में बड़ा विषय बन गया है। विपक्षी दल इस मामले को लेकर सरकार पर हमलावर हैं और कर्मचारियों के समर्थन में अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं।

सोमवार का महत्व : भगवान शिव की आराधना, नई शुरुआत और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन दिवस

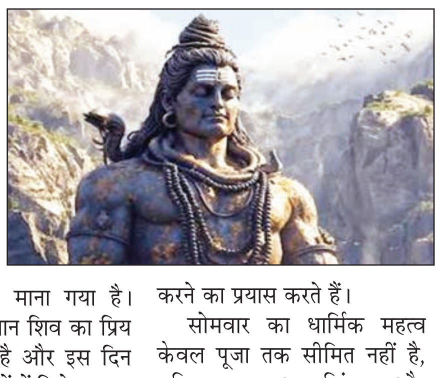

सप्ताह का प्रत्येक दिन अपने आप में विशेष महत्व रखता है, किंतु सोमवार का स्थान भारतीय संस्कृति, धर्म और परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। सोमवार को भगवान शिव का प्रिय दिन माना जाता है और इस दिन देशभर के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और व्रत का आयोजन किया जाता है। 'सोमवार' शब्द संस्कृत के 'सोम' से बना है, जिसका अर्थ चंद्रमा होता है। भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित होने के कारण भी इस दिन का उनसे विशेष संबंध माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवार का व्रत रखने और भगवान शिव की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं, जीवन में सुख-शांति आती है तथा मानसिक तनाव दूर होता है।

भारतीय संस्कृति में भगवान शिव को सृष्टि के संहारक ही नहीं, बल्कि कल्याणकारी देवता के रूप में भी पूजा जाता है। वे भोलेनाथ, महादेव, नीलकंठ, शंकर और पशुपतिनाथ जैसे अनेक नामों से प्रसिद्ध हैं। सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से अभिषेक करने का विशेष महत्व बताया गया है। इसके साथ ही बेलपत्र, धतूरा, आक, भांग, सफेद पुष्प और चंदन अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धालु ' नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हैं तथा शिव चालीसा और शिव पुराण का पाठ करके भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

सोमवार का धार्मिक महत्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन और आध्यात्मिक उन्नति का भी दिन माना जाता है। शिव की उपासना मनुष्य को धैर्य, संयम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान शिव का व्यक्तित्व सादगी, त्याग और समानता का प्रतीक है। वे राजा और साधारण व्यक्ति, देव और दानव, सभी पर समान कृपा करते हैं। यही कारण है कि सोमवार का दिन हमें भेदभाव छोड़कर मानवता, प्रेम और सेवा का संदेश भी देता है।

हिंदू धर्म में सोमवार के व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। अनेक श्रद्धालु पूरे दिन उपवास रखते हैं और केवल फलाहार ग्रहण करते हैं। विशेष रूप से अविवाहित युवक-युवतियाँ उत्तम जीवनसाथी की कामना से सोमवार का व्रत करते हैं। विवाहित महिलाएँ अपने परिवार के सुख, समृद्धि और पति की लंबी आयु के लिए इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। श्रावण मास के सोमवारों का महत्व और भी अधिक माना जाता है। इस पवित्र माह में देशभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। कांवड़ यात्रा, रुद्राभिषेक और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

श्रीपाद नाइक
क्रेंदीय ऊर्जा राज्य मंत्री

ज्योतिष शास्त्र में भी सोमवार का विशेष स्थान है। यह दिन चंद्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। चंद्रमा मन, भावनाओं, स्मरण शक्ति और मानसिक संतुलन का कारक माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है, उन्हें सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा, सफेद वस्तुओं का दान तथा सोम सोमाय नमः' मंत्र का जाप करने की सलाह दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इससे मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

सामाजिक दृष्टि से भी सोमवार नई शुरुआत का प्रतीक है। अधिकांश कार्यालय, विद्यालय, महाविद्यालय और सरकारी संस्थानों में सप्ताह की शुरुआत सोमवार से होती है। लोग नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, योजनाएँ बनाते हैं और पूरे उत्साह के साथ अपने कार्यों की शुरुआत करते हैं। इसलिए सोमवार को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में भी प्रेरणा और अनुशासन का दिन माना जाता है। विश्व के अनेक देशों में भी सोमवार सप्ताह का पहला कार्यदिवस होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बढ़ता विस्तार और जल संसाधनों पर गहराता पर्यावरणीय संकट

डॉ. कमल के 'प्यासा'
लोअर समखेतर, मंडी (हि.प्र.)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आज आधुनिक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती तकनीक में से एक है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, अंतरिक्ष, रक्षा और संचार से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसका उपयोग बढ़ रहा है। चैटबाट, एआई सर्च, तस्वीर और वीडियो बनाने वाली तकनीक अब हमारी डिजिटल जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन एआई के विकास का एक पर्यावरणीय पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। आम लोगों को लगता है कि एआई केवल मोबाइल या कंप्यूटर पर काम करता है, लेकिन इसके पीछे बड़े-बड़े डाटा सेंटरों में हजारों शक्तिशाली सर्वर लगातार चलते रहते हैं।

एआई माडल को प्रशिक्षित करने और उपयोगकर्ताओं के सवालों के जवाब देने के लिए बहुत अधिक कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए। इससे सर्वर गर्म होते हैं और उन्हें ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा और कुछ मामलों में पानी की भी जरूरत पड़ती है। दुनिया पहले ही जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के कारण जल संकट का सामना कर रही है। ऐसे में डाटा सेंटरों की बढ़ती जल आवश्यकता नई चिंता पैदा कर रही है। इसलिए एआई के विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलन जरूरी है।

भविष्य में ऐसी तकनीक और डाटा सेंटर विकसित करने होंगे, जो कम पानी और ऊर्जा का उपयोग करें। यह समझना जरूरी है कि एआई स्वयं पानी का इस्तेमाल नहीं करता। पानी की खपत मुख्य रूप से उन डाटा सेंटरों में होती है, जहां एआई सेवाओं को चलाने वाले हजारों सर्वर और शक्तिशाली ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट यानी जीपीयू लगातार काम करते हैं। एआई माडल की ट्रेनिंग और संचालन के दौरान ये मशीनें बहुत गर्म हो जाती हैं। उन्हें ठंडा रखने के लिए अलग-अलग कूलिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें कुछ प्रणालियां पानी पर आधारित होती हैं। वाष्पीकरणीय कूलिंग में पानी गर्मी को सोखकर भाप के रूप में वातावरण में चला जाता है। इस कारण इस्तेमाल किया गया पानी पूरी तरह वापस उपलब्ध नहीं हो पाता। जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ेगा, वैसे-वैसे डाटा सेंटरों में कंप्यूटिंग और सर्वरों की संख्या भी बढ़ सकती है। इससे गर्मी को नियंत्रित करने के लिए अधिक ऊर्जा और कुछ परिस्थितियों में अधिक पानी की जरूरत होगी।

एआई का वाटर फुटप्रिंट केवल डाटा सेंटरों तक सीमित नहीं है। इसके पीछे ऊर्जा उत्पादन की भी बड़ी भूमिका है। एआई माडल को प्रशिक्षित करने और चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली की आवश्यकता होती है। दुनिया के कई हिस्सों में बिजली उत्पादन अभी भी कोयला और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर है। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली उत्पादन और कूलिंग प्रक्रियाओं के लिए पानी की जरूरत होती है। इस प्रकार एआई के लिए इस्तेमाल की गई बिजली का एक हिस्सा अप्रत्यक्ष रूप से जल संसाधनों पर भी दबाव डाल सकता है।

यही कारण है कि एआई के पर्यावरणीय प्रभाव को समझते समय केवल डाटा सेंटर के भीतर इस्तेमाल होने वाले पानी को देखना पर्याप्त नहीं है। बिजली उत्पादन, चिप निर्माण, सर्वर निर्माण सहित पूरी आपूर्ति शृंखला में प्रयोग हुए वाटर फुटप्रिंट को भी ध्यान में रखना होगा। इस दृष्टि से एआई का एनवायरमेंटल फुटप्रिंट एक बहुस्तरीय समस्या है- जल, ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन और इलेक्ट्रानिक कचरे के रूप में इसके कई आयाम हैं और जैसे-जैसे जेनरेटिव एआई और लार्ज लैंग्वेज माडल का विस्तार हो रहा है, यह प्राकृतिक संसाधनों और जलवायु पर भारी दबाव डाल रहा है। बड़ी टेक कंपनियां भी अब इस चुनौती को पहचानने लगी हैं। कई कंपनियां जल संरक्षण, जल पुनर्भरण की दिशा में काम करने का दावा कर रही हैं। वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण और अधिक कुशल कूलिंग तकनीकें इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **संयम** संस्कृति का मूल है। विलासिता निर्बलता और चाटुकारिता के वातावरण में न तो संस्कृति का उद्भव होता है और न विकास।
>
> **-काका कालेलकर**

संपादकीय

छात्रों की जीत या राजनीति?

नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश की राजनीति और शिक्षा व्यवस्था दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने का मामला नहीं है बल्कि इससे कई ऐसे सवाल भी सामने आए हैं जो सरकार की जवाबदेही, लोकतांत्रिक दबाव, छात्र आंदोलनों की भूमिका और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़े हुए हैं। लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों, विपक्ष के लगातार हमलों और छात्रों के आक्रोश के बीच आया यह इस्तीफा कई तरह की राजनीतिक और प्रशासनिक व्याख्याओं को जन्म दे रहा है।

नीट पेपर लीक ने लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों का विश्वास झकझोर दिया। वर्षों की मेहनत और कठिन तैयारी के बाद परीक्षा देने वाले छात्रों को यह महसूस हुआ कि यदि परीक्षा प्रक्रिया ही सुरक्षित नहीं है तो उनकी मेहनत का मूल्य क्या रह जाएगा। यही कारण था कि देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग तेज होती गई। ऐसे माहौल में शिक्षा मंत्री पर नैतिक जिम्मेदारी लेने का दबाव भी लगातार बढ़ता गया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता और विशेष रूप से छात्रों की आवाज का सम्मान होना चाहिए। जब बड़ी संख्या में छात्र किसी मुद्दे पर अपनी नाराजगी प्रकट करते हैं तो सरकार का दायित्व बनता है कि वह उनकी बात सुने और उचित समाधान निकाले। इस दृष्टि से यदि सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राजनीतिक जवाबदेही तय की है तो इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा सकता है। हालांकि इसके साथ यह सावधानी भी आवश्यक है कि ऐसा कोई संदेश न जाए जिससे यह लगे कि सरकार केवल सड़क पर हुए दबाव या उग्र विरोध के कारण निर्णय लेने को मजबूर हुई।

जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा और अव्यवस्था की घटनाओं ने पूरे मामले को और जटिल बना दिया। किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन का उद्देश्य अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखना होता है। यदि आंदोलन में अराजक तत्व घुसकर हिंसा फैलाते हैं तो उससे वास्तविक मुद्दा कमजोर पड़ जाता है। सरकार के सामने चुनौती यह थी कि वह छात्रों की वास्तविक मांगों और हिंसा फैलाने वाले तत्वों के बीच स्पष्ट अंतर करे। यदि ऐसा अंतर स्पष्ट नहीं दिखाई देता तो भविष्य में गलत संदेश जा सकता है कि हिंसक प्रदर्शन भी राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे के समय यह कहा कि आंदोलन की स्थिति का लाभ राष्ट्रविरोधी शक्तियां न उठा सकें इसलिए उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। यह बयान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह संकेत देने का प्रयास किया गया कि उनका निर्णय केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि व्यापक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लिया गया। फिर भी यह प्रश्न बना हुआ है कि यदि नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी ही थी तो यह कदम पेपर लीक की घटना सामने आने के तुरंत बाद क्यों नहीं उठाया गया। उस समय भी विपक्ष और छात्र संगठनों ने इस्तीफे की मांग की थी। यदि उसी समय जवाबदेही तय होती तो शायद विवाद इतना लंबा न खिंचता।

सरकार ने आंदोलन के बाद पेपर लीक रोकने और परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई कदमों की घोषणा की। इनमें परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करना, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, जांच एजेंसियों की भूमिका बढ़ाना और तकनीकी निगरानी को मजबूत करना जैसे उपाय शामिल रहे। लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि ये कदम पहले क्यों नहीं उठाए गए। यदि परीक्षा प्रणाली में समय रहते सुधार किए गए होते तो संभव है कि इतनी बड़ी समस्या ही पैदा न होती और लाखों छात्रों को मानसिक तनाव का सामना न करना पड़ता।

इस पूरे घटनाक्रम का राजनीतिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विपक्ष ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को अपनी जीत और सरकार की विफलता के रूप में प्रस्तुत किया है। लोकतंत्र में विपक्ष का यह अधिकार है कि वह सरकार की जवाबदेही तय करने का प्रयास करे। लेकिन इसके साथ यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह समान मानदंड अपने शासित राज्यों में भी अपनाए। यदि किसी राज्य में पेपर लीक या परीक्षा अनियमितता के गंभीर मामले सामने आते हैं तो वहां भी संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जवाबदेही केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रह सकती बल्कि राज्यों में भी समान रूप से लागू होनी चाहिए।

राजनीतिक दलों के लिए यह अवसर आत्ममंथन का भी है। वर्षों से विभिन्न राज्यों में भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई बार सरकारें बदलीं लेकिन समस्या बनी रही। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल किसी एक सरकार या एक दल की विफलता नहीं बल्कि पूरे तंत्र की कमजोरी का परिणाम है।

-शिवांश धाकड़

कविता: क्यों ऐसा लगा हमें ?

अमित मैहरा (एचएएस), एडीसी, जिला चंबा (हि.प्र.)

क्यों ऐसा लगा कि अब जिंदगी, फिर मुस्कुरा रही है।
क्यों नहीं नजर आती हैं मुश्किलें अब, पानी के जैसे बही जा रही है।
क्यों लगा भय, मुझको एकाकीपन से, पहले तो किसी पर इतने निर्भर न थे।
क्यों निराशाएं सभी हो गईं विलोम, क्यों लगा कि भर गया भीतर का व्योम।
यथार्थ है, कोई प्रात:कालीन स्वप्न नहीं, पर ऐसा प्रबोध क्या पहले भी था, कहीं ?
फिर करूं विश्लेषण, फिर पलटूं पन्ने अतीत के, न समय है, और न ही साहस
क्यों याद करूं वो बीता कल, अवांछित क्षण, फैला मरुस्थल अभाव का,
संग खुशियों के कुछ कण। क्यों यह व्यथा, क्यों ये अंतर्द्वंद्व,
क्यों है अस्पृश्यता, इन विचारों में स्वच्छंद। क्यों यह भिन्न ?
'क्यों' मुझको याद आ रहे हैं ? जब सामने बैठे हैं वो, और मुस्कुरा रहे हैं।

बढ़ी निवेश सीमा त्वरित ऋण और डिजिटल विवाद निपटान से मजबूत होगा एमएसएमई क्षेत्र

संदीप डोगरा , सीनियर प्राइवेट सेक्रेटरी
प्रधानाचार्य कार्यालय, मेडिकल कॉलेज टांडा

सरकार संसद के इसी सत्र में 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक 2026' लाने जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के एमएसएमई के लिए बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप नीतियों और नियमों को कारगर बनाना है। इसके साथ ही कारोबारी सुगमता को बढ़ाना, लंबित भुगतानों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र के लिए मध्यस्थता के फैसलों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। राज्य अधिक से अधिक 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद' (एमएसईएफसी) गठित कर सकें, इसके लिए विधेयक में अनुकूल प्रविधान किए गए हैं।

देश के आर्थिक ढांचे में एमएसएमई का योगदान महत्वपूर्ण है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक देश में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या 7.86 करोड़ से अधिक है। ये उद्योग देश के दूर-दराज के कस्बों और छोटे शहरों में फैले हुए हैं, जिससे देश का संतुलित क्षेत्रीय विकास संभव हो पा रहा है। कृषि के बाद यह क्षेत्र भारत में आजीविका का दूसरा सबसे बड़ा आधार है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में, जहां हर साल लाखों नए युवा रोजगार की तलाश करते हैं, वहां बड़े उद्योगों की तुलना में ये छोटे उद्योग बहुत कम पूंजी में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने की क्षमता रखते हैं।

इस क्षेत्र के माध्यम से देश में लगभग 32.82 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इन उद्योगों की हिस्सेदारी लगभग 31.1 प्रतिशत है। इसका सीधा अर्थ यह है कि देश की कुल कमाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इन छोटे कारखानों, दुकानों और स्थानीय निर्माण इकाइयों से आता है। कुल विनिर्माण में इन उद्योगों की भागीदारी करीब 35.4 प्रतिशत तो निर्यात में योगदान लगभग 48.58 प्रतिशत है। हमारे हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़े के सामान और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुएं इन्हीं उद्योगों के जरिये दुनिया भर में जा रही हैं।

देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान होने के बावजूद इन छोटे उद्योगों को चलाने वाले उद्यमियों को कई कठिन परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। इनमें कार्यशील पूंजी और कोष की किल्लत प्रमुख है। छोटे उद्यमियों के पास सीमित परिसंपत्तियां होती हैं। बैंकों से ऋण लेते समय उन्हें लंबी और जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे समय पर पूंजी न मिलने के कारण कई बार उद्योग बंद होने की कगार पर पहुंच जाते हैं। फंसा हुआ पैसा और भुगतान में देरी भी इस क्षेत्र की गंभीर समस्या है। जब छोटे उद्योग बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों को माल की आपूर्ति करते हैं तो उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता।

नकदी के अभाव में वे न तो कच्चा माल खरीद पाते हैं और न ही कर्मचारियों को वेतन दे पाते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में एमएसएमई जटिल कानूनी अड़चनों और मुकदमों के डर का सामना करते हैं। अनजाने में बहीखाते, कर दाखिल करने या किसी प्रशासनिक नियम के पालन में छोटी-मोटी चूक होने पर भी उद्यमियों को कानूनी कार्रवाई का डर सताता रहता है, जिससे वे खुलकर काम नहीं कर पाते। एमएसएमई के समक्ष आधुनिक तकनीक और बाजार की प्रतिस्पर्धा भी एक बड़ी समस्या है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मिंजर मेला: चंबा की सांस्कृतिक विरासत आस्था और लोक परंपराओं का भव्य उत्सव

सुभाष चंद काशव, गांव जौवा, डाकघर
गैहरा तहसील व जिला चंबा

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध लोक संस्कृति और पारंपरिक मेलों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। इन्हीं मेलों में सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मेला मिंजर मेला है, जो हर वर्ष चंबा जिले में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजित किया जाता है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान, कृषि परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। देश और विदेश से हजारों पर्यटक इस मेले में शामिल होकर चंबा की लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और हस्तशिल्प का आनंद लेते हैं।

मिंजर मेले का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना जाता है। इसके आयोजन को लेकर कई ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि चंबा के राजा साहिल वर्मन ने रावी नदी के पार स्थित क्षेत्र पर विजय प्राप्त करने के बाद इस मेले की शुरुआत की थी। विजय के उपलक्ष्य में लोगों ने उन्हें मक्के और धान की नई फसल की बालियां भेंट कीं। इन्हीं बालियों को स्थानीय भाषा में 'मिंजर' कहा जाता है। तभी से यह मेला नई फसल, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक बन गया।

एक अन्य मान्यता के अनुसार मिंजर मेला भगवान रघुवीर और भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना से जुड़ा हुआ है। मेले के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ देवताओं की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। श्रद्धालु भगवान से अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इस कारण यह मेला कृषि संस्कृति और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम माना जाता है।

मिंजर मेले की शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण से होती है। इसके बाद पूरे सप्ताह तक चंबा शहर उत्सव के रंग में रंगा रहता है। नगर की गलियां रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित होती हैं और चारों ओर लोकगीतों तथा वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि सुनाई देती है। स्थानीय लोग अपने पारंपरिक चंबयाली परिधान पहनकर मेले में शामिल होते हैं, जिससे पूरे वातावरण में सांस्कृतिक उल्लास दिखाई देता है।

मेले का सबसे आकर्षक पक्ष इसकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होती हैं। हिमाचल के विभिन्न जिलों से आए कलाकार लोकनृत्य और लोकगीत प्रस्तुत करते हैं। चंबयाली नृत्य, गद्दी नृत्य, किन्नौरी नृत्य और कुल्लवी लोकधुनें दर्शकों का मन मोह लेती हैं। शाम के समय सांस्कृतिक संध्याओं में प्रदेश के साथ-साथ देश के प्रसिद्ध कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देते हैं, जिससे मेले की रौनक और बढ़ जाती है।

मिंजर मेला स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक कला को बढ़ावा देने का भी महत्वपूर्ण मंच है। मेले में चंबा रूमाल, चंबा चप्पल, लकड़ी की नक्काशी, धातु शिल्प, ऊनी वस्त्र और हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं की प्रदर्शनियां लगाई जाती हैं। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक इन उत्पादों की खरीदारी करते हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक लाभ मिलता है।

यह मेला स्थानीय व्यापारियों के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर लेकर आता है। मेले के दौरान अस्थायी बाजार सजते हैं, जहां पारंपरिक व्यंजन, मिठाइयां, खिलौने, कपड़े, घरेलू सामान और हस्तनिर्मित वस्तुएं बिकती हैं। होटल, परिवहन और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों को भी इस दौरान अच्छी आय होती है। इस प्रकार मिंजर मेला चंबा की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अंतिम सांस तक विद्यार्थियों को ज्ञान बांटते रहे डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, प्रेरणा बन गई उनकी जीवन यात्रा

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
स्वतंत्र लेखक

27 जुलाई 2015 का दिन भारत के इतिहास में अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय दिन के रूप में दर्ज है। इसी दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन और करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), शिलांग में व्याख्यान देते समय निधन हो गया। वे अपने जीवन के अंतिम क्षण तक विद्यार्थियों के बीच ज्ञान बाँट रहे थे। उनका पूरा जीवन शिक्षा, विज्ञान, राष्ट्र निर्माण और युवाओं को प्रेरित करने के लिए समर्पित रहा। इसलिए उनकी मृत्यु केवल एक महान वैज्ञानिक या पूर्व राष्ट्रपति का निधन नहीं थी, बल्कि देश ने एक ऐसे शिक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरक व्यक्तित्व को खो दिया जिसने अपने विचारों और कर्मों से लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया।

डॉ. अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ था। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर अपनी शिक्षा पूरी की। बचपन में वे अपने परिवार की सहायता के लिए समाचार पत्र भी बाँटते थे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल एयरोस्पेस वैज्ञानिक बनाया। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रम को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में डॉ. कलाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे भारत के उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएलवी-3) कार्यक्रम के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक थे। इसके अलावा उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के विकास में भी नेतृत्व प्रदान किया। इसी कारण उन्हें 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाने लगा। वर्ष 1998 में पोखरण-2 परमाणु परीक्षण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने भारत की सामरिक शक्ति को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाई।

वर्ष 2002 में डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने। उनका कार्यकाल 2002 से 2007 तक रहा। वे ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्हें सभी राजनीतिक दलों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम जनता का भरपूर सम्मान मिला। उनका सरल स्वभाव, विनम्र व्यक्तित्व और देश के प्रति समर्पण उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाता था। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी नहीं बनाई। वे लगातार देश के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को संबोधित करते रहे। उनका मानना था कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है और यदि युवाओं को सही दिशा, शिक्षा और प्रेरणा मिले तो भारत विश्व का अग्रणी राष्ट्र बन सकता है।

27 जुलाई 2015 को डॉ. कलाम मेघालय के शिलांग स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम शिलांग) पहुँचे थे। वहाँ उनका व्याख्यान 'रहने योग्य पृथ्वी का निर्माण' विषय पर आयोजित किया गया था। वे हमेशा की तरह पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान के दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, नैतिक नेतृत्व, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वे छात्रों से प्रश्न पूछ रहे थे और उन्हें बड़े सपने देखने तथा उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। व्याख्यान के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे मंच पर ही गिर पड़े।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री

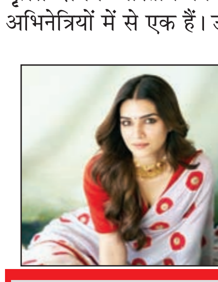

कृति सेनन
जन्म : 27 जुलाई 1990

कृति सेनन भारतीय फिल्म जगत की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका जन्म **27 जुलाई 1990** को नई दिल्ली, भारत में हुआ था। अपनी खूबसूरती, अभिनय क्षमता और मेहनत के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। कृति सेनन का नाम आज हिंदी सिनेमा की सफल और उभरती हुई अभिनेत्रियों में शामिल किया जाता है।

कृति सेनन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली में पूरी की। इसके बाद उन्होंने जयपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। अपने आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व के कारण उन्हें कई विज्ञापनों में काम करने का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में अभिनय करने का निर्णय लिया।

कृति सेनन ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 2014 में आई हिंदी फिल्म 'हीरोपंती' से की। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और अपनी अभिनय प्रतिभा को साबित किया।

उनकी प्रमुख फिल्मों में 'बरेली की बर्फी ', 'लुका छुपी ', 'मिमी ', 'भेड़िया' और 'क्रू' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्म 'मिमी' में एक माँ की भूमिका निभाकर कृति सेनन ने अपने अभिनय का शानदार प्रदर्शन किया। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। कृति सेनन केवल अभिनय के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग प्रकार के किरदार निभाए हैं और हर भूमिका को पूरी ईमानदारी से प्रस्तुत किया है। उनकी मेहनत और लगन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगाः राकेश मौर्य

एजेंसी, जौनपुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर रविवार को 'संविधान मान स्तंभ दिवस (आरक्षण दिवस)' का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। इस दौरान संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय और आरक्षण व्यवस्था की रक्षा का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि प्रो. लालसाहब यादव और मुख्य वक्ता सांसद बाबूसिंह कुशवाहा ने संविधान की महत्ता और सामाजिक न्याय के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था के मजबूत आधार हैं। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि पार्टी संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, पूर्व मंत्री संगीता यादव सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रोजेक्ट नई किरण की पहल से औरैया में नौ परिवारों में फिर लौटी खुशियां

एजेंसी, औरैया। परिवारों को टूटने से बचाने और वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से औरैया पुलिस द्वारा संचालित 'प्रोजेक्ट नई किरण' के तहत महिला थाना परिसर में काउंसलिंग आयोजित की गई। महिला थाना प्रभारी पूजा राठौर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नौ ऐसे परिवारों के मामलों की सुनवाई की गई, जो आपसी मतभेदों के कारण लंबे समय से अलग रह रहे थे। पुलिस और प्रोजेक्ट नई किरण की टीम ने दोनों पक्षों की समस्याएं सुनकर समझाइश दी और विवादों का समाधान कराया। काउंसलिंग के बाद सभी नौ दंपति फिर से साथ रहने को सहमत हो गए। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बिखरते परिवारों को जोड़ना और संवाद के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कराना है। पुलिस की इस पहल की परिजनों ने सराहना की।

देवरिया में सपा ने मनाया 'आरक्षण दिवस', संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा का लिया संकल्प

एजेंसी, देवरिया। समाजवादी पार्टी ने रविवार को जिला कार्यालय स्थित मुलायम सिंह यादव सभागार में 'आरक्षण दिवस' के अवसर पर 'संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस' मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की। इस दौरान संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान की प्रति पर पुष्प अर्पित कर किया गया। व्यास यादव ने कहा कि 26 जुलाई सामाजिक न्याय के इतिहास में महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज द्वारा आरक्षण लागू किए जाने और डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा इसे संवैधानिक अधिकार का स्वरूप दिए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संविधान कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा का आधार है। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लोगों को निःशुल्क कानूनी मदद उपलब्ध कराएगा नालसा

एजेंसी, लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से मानसिक रोग अथवा बौद्धिक अक्षमता से ग्रसित व्यक्तियों के लिए 'लीगल सर्विसेज टू पर्सन्स विद मेंटल इलनेस एंड पर्सन्स विद इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी स्कीम-2024' लागू की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य ऐसे लोगों को गरिमापूर्ण जीवन, समान अवसर और न्याय तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। योजना के तहत मानसिक रोगियों, मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में रह रहे व्यक्तियों और ऐसे बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता दी जाएगी। प्रशिक्षित अधिवक्ता, पैरालीगल वालंटियर्स और लीगल एड डिफेंस काउंसिल के माध्यम से मदद उपलब्ध होगी। उन्होंने आमजन से मानसिक रोगियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और भेदभाव से बचने की अपील की। योजना के अंतर्गत दीवानी, आपराधिक और प्रशासनिक मामलों में भी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जरूरतमंद लोग राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 और टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर संपर्क कर सकते हैं।

जौनपुर में अंजुमन जाफ़रिया की शब्बेदारी कर्बला शहीदों की याद में उमड़े अकीदतमंद

नौहाख्वानी, मातम और मजलिसों के जरिए पेश की गई कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि, मजबूत हुआ भाईचारा

एजेंसी, जौनपुर

जौनपुर जिले में गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए अंजुमन जाफ़रिया के तत्वावधान में कर्बला के शहीदों की याद में कदीम तरही शब्बेदारी का आयोजन श्रद्धा और सम्मान के साथ संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन कल्लू मरहूम के इमामबाड़े में आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

इस आयोजन में मजलिसों, नौहाख्वानी और मातम के माध्यम से हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और शहीदाने कर्बला को श्रद्धांजलि पेश की गई। कार्यक्रम के दौरान इमामबाड़े में धार्मिक माहौल बना रहा और लोगों ने पूरे अकीदत के साथ शहीदों की कुर्बानी को याद किया।

पहली मजलिस को संबोधित करते हुए मौलाना मेहर अब्बास रिजवी ने कहा कि कर्बला की घटना पूरी इंसानियत के लिए एक बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी हमें सब्र, इंसाफ, सच्चाई और जुल्म के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि कर्बला का पैगाम हमेशा अमन, मोहब्बत और इंसानी मूल्यों को मजबूत करने का मार्ग दिखाता रहेगा। इस दौरान सोजख्वानी समर रजा और अफरोज रजा ने पेश की। उनकी आवाज में कर्बला के दर्द और कुर्बानी की झलक देखने को मिली, जिससे माहौल भावुक हो गया। आयोजन की अंतिम मजलिस में मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कर्बला के दर्दनाक घटनाक्रम का विस्तार से वर्णन किया। उनकी तकरीर सुनकर मौजूद अकीदतमंद भावुक हो उठे और कई लोगों की आंखें नम हो गईं। उन्होंने समाज में शिक्षा, ईमानदारी और इंसाफ को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज के हित में कार्य करने वाले नेतृत्व का चयन करना सभी की जिम्मेदारी है।

मजलिस के बाद शबीहे ताबूत का जुलूस निकाला गया। इसमें कई प्रमुख अंजुमनों ने हिस्सा लिया। अंजुमन हैदरिया अब्दुल्लाहपुर (अंबेडकर नगर), अंजुमन सज्जादिया कोपागंज (मऊ), अंजुमन कारवाने अजा जानसठ, अंजुमन रौनके अजा मुस्तफाबाद और अंजुमन सज्जादिया जलालपुर सहित विभिन्न अंजुमनों ने नौहाख्वानी और मातम पेश कर कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत अर्पित किया।

रविवार को आयोजन के समापन अवसर पर अंजुमन जाफ़रिया के अध्यक्ष नजमुल हसन नजमी ने सभी मेहमानों, अंजुमनों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता को बढ़ावा देते हैं तथा जौनपुर की गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूत बनाते हैं।

कार्यक्रम का संचालन जाहिद कानपुरी, बिलाल हसनैन और मोहम्मद अब्बास ऋषभ ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे और सभी ने आयोजन की सफलता पर खुशी जताई। जौनपुर में अंजुमन जाफ़रिया की कदीम शब्बेदारी श्रद्धा और अकीदत के साथ संपन्न हुई। मजलिस, नौहाख्वानी और मातम के जरिए कर्बला के शहीदों को याद किया गया।

आठवले ने नीट विवाद आंदोलन को लेकर अभिजीत दीपके की सराहना की

एजेंसी, लखनऊ

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को लखनऊ में नीट परीक्षा विवाद और पेपर लीक मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर युवाओं को जागरूक करने का काम किया है।

नीट विवाद पर आठवले ने युवाओं का समर्थन जताया

उनके अनुसार, इस अभियान को देशभर में युवाओं का समर्थन मिला और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़े। वीवीआईपी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में आठवले ने कहा कि युवाओं पर हुए लाठीचार्ज का वह समर्थन नहीं करते हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि इस आंदोलन को राजनीतिक रूप देने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि आंदोलन को मजबूती देने में अभिजीत दीपके और सोनम वांगचुक की भूमिका महत्वपूर्ण रही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के गठन में युवाओं की अहम भूमिका रही है। उन्होंने दावा किया कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया और उन्हें लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनाने में योगदान दिया। नीट विवाद पर उन्होंने कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आठवले ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में आरपीआई की ओर से बड़ी रैली आयोजित की जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि इसमें करीब एक लाख कार्यकर्ता शामिल होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा से पांच सीटों की मांग की जाएगी। मांग पूरी नहीं होने पर आरपीआई 25 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी। आठवले ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर लगातार अभियान चलाया जाएगा।

ऑपरेशन दहन में 72 लाख का गांजा राख

एजेंसी, प्रयागराज

प्रयागराज जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 144.63 किलोग्राम गांजा नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई कौंधियारा थाना पुलिस और नारकोटिक्स टास्क फोर्स, अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन 'दहन' के तहत की।

ऑपरेशन दहन के तहत जलाया गया 144.63 किलो अवैध गांजा

पुलिस के अनुसार नष्ट किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय अनुमानित कीमत करीब 72.31 लाख रुपये बताई गई है। यह गांजा थाना कौंधियारा में दर्ज 25 मुकदमों से संबंधित था, जिसे नियमानुसार उच्च स्तरीय समिति की मौजूदगी में अग्नि के हवाले कर नष्ट किया गया।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि ऑपरेशन 'दहन' का उद्देश्य जब्त किए गए मादक पदार्थों का सुरक्षित तरीके से विनष्टीकरण करना और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाना है।

किसान के बेटे शिवराज ने योगासन में जीता गोल्ड

एजेंसी, मीरजापुर। जिगना क्षेत्र के बौंता बिशेषर गांव निवासी किसान के बेटे शिवराज बिंद ने योगासन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय सातवीं ओपन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में शिवराज बिंद ने आर्टिस्टिक सोलो सुपर सीनियर योगासन स्पर्धा में हिस्सा लिया और अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उन्होंने कई प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर आयोजकों और खेल जगत से जुड़े लोगों ने खुशी जताई। विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश सिंह, निदेशक डॉ. रूबी श्रीवास्तव, महासचिव ए.के. सक्सेना, योगेंद्र चौधरी और राजेश वर्मा ने शिवराज को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

फर्रुखाबाद में चेतावनी बिंदु के समीप पहुंचा गंगा नदी का जल स्तर, डूबे पांचाल घाट के हिस्से

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में नरौरा बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। रविवार को गंगा का जलस्तर पांचाल घाट पर 136.20 मीटर दर्ज किया गया, जो 136.60 मीटर के चेतावनी बिंदु के बेहद करीब पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से पांचाल घाट के सभी स्नान घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय गंगापुत्र रामनाथ के अनुसार, यदि गंगा चेतावनी बिंदु पार करती है तो राजेपुर ब्लॉक और अमृतपुर तहसील के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में गंगा और रामगंगा नदियों का बढ़ता जलस्तर सैकड़ों गांवों के लिए परेशानी का कारण बनता है।

कोला सोता, मंझा की मढ़ैया समेत करीब 200 गांवों के ग्रामीण बाढ़ की आशंका से चिंतित हैं। अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन ने बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नरौरा बांध से गंगा में 67,419 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि खिमसेपुर बैराजों से रामगंगा में भी पानी छोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, शिक्षकों को मिले कैशलेस कार्ड

एजेंसी, औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में रविवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में सजीव प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर सदर विधायक गुड़िया कठेरिया और पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को योजना के कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए।

औरैया में शिक्षकों को वितरित हुए कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड, चिकित्सा सुरक्षा को मिली नई मजबूती।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा से किया। इस दौरान शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से पंजाब नेशनल बैंक के साथ हुए अनुबंध से संबंधित कार्यक्रम का भी प्रसारण किया गया। सदर विधायक गुड़िया कठेरिया ने कहा कि यह योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को आकस्मिक परिस्थितियों में समय पर कैशलेस उपचार उपलब्ध कराएगी, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा। पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि योजना के तहत सरकारी अस्पतालों के साथ चिन्हित निजी अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी।

इससे गंभीर बीमारियों के दौरान गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित होगा और शिक्षकों तथा उनके परिवारों की सामाजिक सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि योजना का लाभ पात्र शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराया जाएगा।

ससुराल की प्रताड़ना से तंग विवाहिता ने काटा गला

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के नरवल क्षेत्र में ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान एक विवाहिता ने मायके में चाकू से गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजनों ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। नरवल निवासी रुखसाना की शादी करीब 16 वर्ष पहले बांदा के मर्दन नाका निवासी यासीन से हुई थी। उसके परिवार में 11 वर्षीय बेटी भी है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर और देवर द्वारा उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। कई बार दोनों पक्षों के बीच पंचायत और समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका।

परिजनों के मुताबिक, 10 जनवरी 2025 को मारपीट के बाद रुखसाना को ससुराल से निकाल दिया गया था। आरोप है कि उसका जेवर, कपड़े और अन्य स्त्रीधन भी ससुराल पक्ष ने अपने पास रख लिया। इसके बाद से वह अपनी बेटी के साथ मायके में रह रही थी। लगातार तनाव के चलते रविवार तड़के उसने यह कदम उठा लिया। उसकी चीख सुनकर परिजन पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया। रुखसाना की मां मुनीरन ने पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। नरवल थाना प्रभारी अनिल कुमार तोमर ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई होगी।

श्रावण कांवड़ यात्रा के लिए यूपी रोडवेज तैयार, 24 घंटे कंट्रोल रूम होगा सक्रिय

एजेंसी, लखनऊ

श्रावण मास में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। इसके साथ ही यात्रियों की निगरानी और सहायता के लिए 24 घंटे संचालित होने वाले कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान बसों के सुरक्षित संचालन और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि सभी क्षेत्रीय मुख्यालयों पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे, जो यात्रा शुरू होने से लेकर समाप्ति तक लगातार सक्रिय रहेंगे। इन केंद्रों पर यात्रा से जुड़ी गतिविधियों का रिकॉर्ड भी रखा जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख मार्गों पर भी यात्रियों की जरूरत के अनुसार बसों का संचालन बढ़ाया जाएगा।

यात्रियों की सुविधा के लिए कांवड़ मार्गों पर स्थित बस अड्डों पर पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पूछताछ केंद्र, ध्वनि प्रसारण प्रणाली और खान-पान की सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सड़क सुरक्षा को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

सरकारी स्कूलों में प्रदर्शित होगी कैच अप शिक्षण और निपुण लक्ष्य सामग्री

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा में बच्चों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने और अधिगम अंतर (लर्निंग गैप) को समाप्त करने के लिए कैच-अप शिक्षण अभियान को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों, बीआरसी, बीएसए कार्यालयों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में शैक्षणिक सामग्री प्रदर्शित की जाएगी।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने अधिकारियों को निर्देश जारी कर अभियान को समयबद्ध तरीके से लागू करने को कहा है। निर्देशों के अनुसार कैच-अप शिक्षण, निपुण लक्ष्य, कक्षा शिक्षण की 10 प्रभावी प्रथाओं और रीडिंग कैंपेन से संबंधित आईईसी सामग्री को 31 जुलाई तक प्रमुख स्थानों पर लगाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि शिक्षक इन शैक्षणिक संदेशों का नियमित उपयोग कर बच्चों की दक्षताओं को बढ़ा सकें। इसके माध्यम से पूरे प्रदेश में दक्षता आधारित शिक्षण की एक समान कार्यसंस्कृति विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

कैच-अप शिक्षण अभियान के लिए 15 सूत्रीय रणनीति तैयार की गई है। इसमें कमजोर अधिगम स्तर वाले बच्चों की पहचान, आधारभूत दक्षताओं का आकलन, स्तर के अनुसार समूह बनाकर शिक्षण, दैनिक और साप्ताहिक शिक्षण योजना, गतिविधि आधारित शिक्षा, शिक्षण सामग्री का उपयोग, नियमित अभ्यास और सतत मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। विद्यालयों में लगाए जाने वाले निपुण लक्ष्य पोस्टरों में बालवाटिका से कक्षा पांच तक भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन और अंग्रेजी विषयों के स्पष्ट अधिगम मानक बताए जाएंगे।

नशाबंदी

पुलिस ने 1.927 किलोग्राम अफीम जब्त कर दर्ज किया मुकदमा

छह लाख रुपए की अफीम के साथ झारखंड का तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने कटरा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से करीब दो किलोग्राम अफीम बरामद की है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग छह लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

कटरा थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शनिवार रात कटरा थाना क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई। इसी दौरान टीम ने हुलास नगला पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोककर पूछताछ की। संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान झारखंड निवासी मुस्ताक अंसारी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 927 ग्राम अफीम बरामद की गई। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब छह लाख रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी मुस्ताक अंसारी ने पुलिस को बताया कि वह झारखंड निवासी अनूप नामक व्यक्ति से अफीम खरीदकर लाया था। इसके बाद वह इस खेप को बरेली निवासी रंजीत नामक व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा था। पुलिस अब आरोपी के बताए गए लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है और तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में लगी हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीमों को संदिग्ध लोगों और गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी मुस्ताक अंसारी लंबे समय से इस अवैध कारोबार में शामिल था या नहीं। इसके अलावा झारखंड से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैले तस्करी नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद अफीम की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन-किन स्थानों पर सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने बताया कि मामले में जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

बांदा में नाबालिग अपहरण-दुष्कर्म प्रयास के आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक घायल

एजेंसी, बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में नाबालिग बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के प्रयास के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। थाना कोतवाली नगर, थाना मरका और एसओजी की संयुक्त टीम ने रविवार को यह कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

सीसीटीवी और तकनीकी जांच से खुलासा, पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई की शाम थाना मरका क्षेत्र की एक नाबालिग बालिका घर से नाराज होकर अपने ननिहाल नरैनी (फतेहपुर) जाने के लिए निकली थी। देर रात वह बांदा पहुंची और नरैनी जाने के लिए एक ई-रिक्शा में बैठी। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक नरेश कुमार ने अपने साथी एजाज को बुलाया और दोनों ने मिलकर बालिका का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और बालिका को सकुशल बरामद कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया। जांच में सामने आया कि बालिका के लापता होने के संबंध में थाना मरका में पहले से गुमशुदगी का मामला दर्ज था। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली नगर, मरका थाना, एसओजी और सर्विलांस टीमों को लगाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और ई-रिक्शा की जांच के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की।

रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी गोंछा रोड पर मौजूद हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपियों से आत्मसमर्पण करने को कहा। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरा देखकर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी एजाज के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, उसके साथी नरेश कुमार को भी पुलिस ने मौके से पकड़ लिया।

भाजपा की कांग्रेस के क्षेत्रों में 2029 की चुनावी रणनीति तेज

कांग्रेस के निलंबित विधायकों के क्षेत्रों में भाजपा ने संगठन मजबूत करने की रणनीति पर काम किया शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा की राजनीति में राज्यसभा चुनाव के दौरान हुई क्रास वोटिंग के बाद शुरू हुई सियासी हलचल अब भाजपा की लंबी अवधि वाली चुनावी रणनीति का हिस्सा बनती दिखाई दे रही है। पार्टी फिलहाल कांग्रेस के निलंबित विधायकों को सीधे अपने पाले में लाने के बजाय उनके राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा की इस रणनीति का पहला बड़ा संकेत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पुन्हाना से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास के बेटे जावेद खान को पार्टी में शामिल कराने के रूप में सामने आया है। इसके जरिए भाजपा ने संदेश दिया है कि वह कांग्रेस के प्रभाव वाले इलाकों में अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुटी है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा की योजना फिलहाल कांग्रेस के निलंबित विधायकों को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराने की नहीं है। पार्टी उनके परिवारों, समर्थकों और स्थानीय प्रभावशाली नेताओं को अपने साथ जोड़कर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इससे एक ओर दलबदल कानून की संभावित अड़चनों से बचा जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर चुनावी समय में राजनीतिक लाभ लेने की स्थिति भी तैयार होगी।

भाजपा सीधे दलबदल के बजाय कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में पकड़ कर रही है मजबूत

दलबदल कानून के कारण बदली रणनीति : भाजपा की इस रणनीति के पीछे सबसे बड़ा कारण दलबदल कानून है। यदि कोई विधायक सीधे दूसरी पार्टी में शामिल होता है तो उसकी विधानसभा सदस्यता को लेकर कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है। यही वजह है कि भाजपा सीधे दलबदल कराने के बजाय स्थानीय नेटवर्क और राजनीतिक प्रभाव को अपने पक्ष में करने पर ध्यान दे रही है। राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग के बाद कांग्रेस ने पांच विधायकों को निलंबित कर दिया था। इनमें पुन्हाना से मोहम्मद इलियास, हथीन से मोहम्मद इसराइल, सढ़ौरा से रेणुबाला, नारायणगढ़ से शैली चौधरी और रतिया से जरनैल सिंह शामिल हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इन विधायकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि ऐसे कांग्रेस का विधायक नहीं माना जाना चाहिए। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी इन विधायकों को इस्तीफा देकर जनता के बीच जाने की चुनौती दे चुके हैं। हालांकि संवैधानिक रूप से ये विधायक अभी भी कांग्रेस के सदस्य हैं, क्योंकि राज्यसभा चुनाव में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता।

न्यूनतम जनसंख्या पूरी नहीं, दो नगर निगमों की वैधता पर कानूनी सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के अंबाला और मानेसर नगर निगम एक बार फिर अपने वैधानिक अस्तित्व को लेकर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के अनुसार किसी भी क्षेत्र को नगर निगम का दर्जा देने के लिए वहां की न्यूनतम जनसंख्या तीन लाख होना अनिवार्य है। हालांकि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मानेसर नगर निगम की आबादी करीब 1.62 लाख और अंबाला नगर निगम की लगभग 2.58 लाख बताई जा रही है। ऐसे में दोनों नगर निगमों की वैधानिक स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं।

नगर निकाय कानून विशेषज्ञ एवं पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अधिवक्ता हेमंत कुमार ने इस मामले को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है। उनका कहना है कि अधिनियम में निर्धारित जनसंख्या मानदंड पूरा किए बिना नगर निगम का गठन कानून की भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। उन्होंने बताया कि मानेसर नगर निगम के चुनाव से पहले वर्ष 2025 में तथा अंबाला नगर निगम चुनाव से पहले वर्ष 2026 में भी इस संबंध में आपत्ति दर्ज कराई गई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मामले में न्यायालय में सुनवाई होती है तो दोनों नगर निगमों की वैधानिक स्थिति पर विस्तृत कानूनी समीक्षा हो सकती है। फिलहाल संबंधित विभागों की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासनिक और कानूनी हलकों में इस विषय को लेकर चर्चा तेज हो गई है तथा सभी की नजर संभावित आगामी कार्रवाई पर बनी हुई है। यदि कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो संबंधित विभागों के निर्णय और न्यायालय के निर्देशों के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

रोहतक में बोले सपना के पति, खुंदक निकालने वालों को दिया जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच उनके पति वीर साहू खुलकर उनके समर्थन में सामने आए हैं। रोहतक में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने सपना चौधरी पर की गई टिप्पणियों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि किसी की छवि खराब करने या व्यक्तिगत खुंदक निकालने के लिए इस तरह के बयान देना उचित नहीं है। उन्होंने ऐसे लोगों को 'जलील' बताते हुए कहा कि बिना तथ्य किसी महिला की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाना गलत है। यह विवाद उस समय बढ़ा जब धर्मेंद्र हुड्डा ने सपना चौधरी को लेकर विवादित टिप्पणी करते हुए उन्हें लड़कियों को बिगाड़ने वाली बताया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई। फिलहाल दोनों पक्षों के बयानों के बाद मामला चर्चा का विषय बना हुआ है, जबकि समर्थक और विरोधी अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

हिसार में कांग्रेस का प्रदर्शन, जेन जेड आंदोलन की सफलता पर खुशी

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। जेन जेड आंदोलन की सफलता को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिसार में प्रदर्शन कर खुशी जताई। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया तथा इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताया। कार्यक्रम में सांसद जयप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को संसद से लेकर जनता के बीच मजबूती से उठाया और लगातार आवाज बुलंद की। उन्होंने दावा किया कि जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस हमेशा संघर्ष करती रहेगी। मीडिया ने जब उनसे चौटाला परिवार से जुड़े राजनीतिक सवाल पूछे तो उन्होंने उस पर टिप्पणी करने से परहेज किया और हाथ जोड़कर जवाब देने से इनकार कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के समर्थन में नारे लगाए और पार्टी नेतृत्व के प्रति अपना विश्वास भी व्यक्त किया।

महम में डायल 112 गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पुलिस पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, महम। महम क्षेत्र में डायल 112 पुलिस वाहन और बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक अपने घर लौट रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। मृतक के बेटे ने आरोप लगाया कि हादसा पुलिस वाहन की लापरवाही के कारण हुआ। उसने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा की 1 लाख दौड़ में 75 वर्षीय बुजुर्ग ने दिखाया अद्भुत जोश, सीएम भी दौड़े

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हरियाणा में आयोजित 1 लाख इनामी 10 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता में हजारों प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण 75 वर्षीय बुजुर्ग रहे, जिन्होंने उम्र को मात देते हुए पूरी 10 किलोमीटर दौड़ पूरी की। प्रतियोगिता में लगभग 38 हजार महिलाओं की भागीदारी ने भी नया उत्साह पैदा किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कार्यक्रम में पहुंचे और लोअर-टीशर्ट पहनकर जीप से उतरने के बाद प्रतिभागियों के साथ कुछ दूरी तक दौड़े। उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए नियमित व्यायाम तथा फिट रहने का संदेश दिया। आयोजन के दौरान सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए गए थे। विजेताओं को 1 लाख तक के पुरस्कार देने की घोषणा की गई। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से आयोजन में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

कैथल सड़क हादसे में घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

नकोदर से लौटते समय हादसा, युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले के एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक पिछले आठ दिनों से पटियाला के एक अस्पताल में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, युवक आठ दिन पहले पंजाब के नकोदर से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसका वाहन सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटियाला के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन उसकी हालत लगातार गंभीर बनी रही। रविवार को इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे।

युवक का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, युवक परिवार का अहम सहारा था और उसकी असमय मौत से परिवार को गहरा सदमा लगा है।

दो बच्चों के पिता ने गुरुग्राम में फंदा लगाकर किया जीवन समाप्त

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक कोठी में कार्यरत कार चालक ने कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव कोठी के बेसमेंट में लटका मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक दो बच्चों का पिता था। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन उसने सुबह परिवार के साथ सामान्य रूप से नाश्ता किया था। इसके कुछ समय बाद वह बेसमेंट में गया, जहां बाद में उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना का पता चलते ही परिजनों और आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

दो गांवों में 9.25 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लिए नगर निगम ने टेंडर प्रक्रिया की शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर झाड़सा और नरसिंहपुर के लोगों को जल्द ही सड़क, सीवर और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। नगर निगम ने दोनों गांवों में करीब 9.25 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य कराने की योजना तैयार की है। इसके लिए परियोजना का एस्टीमेट तैयार कर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद सितंबर से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

इन दोनों गांवों के निवासी लंबे समय से टूटी हुई सड़कों, जाम सीवर लाइनों और पेयजल संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। स्थानीय लोगों की शिकायतों और जनप्रतिनिधियों की मांग के बाद नगर निगम ने विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद गांवों में बुनियादी नागरिक सुविधाएं पहले की तुलना में काफी बेहतर हो जाएंगी।

योजना के तहत नई और मजबूत सड़कें बनाई जाएंगी, क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की मरम्मत के साथ नई लाइनें भी बिछाई जाएंगी। इसके अलावा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नई पाइपलाइन डाली जाएगी, जिससे वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या का समाधान होगा।

गांव में पहले से निर्मित बूस्टिंग स्टेशन का भी प्रभावी उपयोग किया जाएगा, जिससे घर-घर तक नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और सभी औपचारिकताएं पूरी होते ही कार्य एजेंसी को सौंप दिया जाएगा। निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

गुरुग्राम में सीएंडडी मलबा निस्तारण के लिए जल्द स्थापित होगा नया प्रोसेसिंग प्लांट, अवैध डंपिंग रुकेगी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सीएंडडी) मलबे के बेहतर प्रबंधन के लिए नगर निगम ने नई कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत शहर में जल्द ही एक और सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा। साथ ही घरों से निकलने वाले निर्माण मलबे के संग्रहण और उसके निस्तारण की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत टेंडर प्रक्रिया लागू की जाएगी। इस पहल से अवैध डंपिंग पर रोक लगाने के साथ मौजूदा प्रोसेसिंग प्लांट पर बढ़ते दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

वर्तमान में शहर के तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों के कारण बड़ी मात्रा में सीएंडडी मलबा निकल रहा है। पर्याप्त निस्तारण व्यवस्था नहीं होने से कई स्थानों पर लोग खाली भूखंडों, सड़कों के किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर मलबा फेंक देते हैं। इससे न केवल शहर की सुंदरता प्रभावित होती है, बल्कि पर्यावरण और यातायात व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इन समस्याओं को देखते हुए नगर निगम ने मलबा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है।

नई मलबा प्रबंधन व्यवस्था से शहर में स्वच्छता बढ़ेगी और अवैध डंपिंग की घटनाएं घटेंगी जल्द।

नई योजना के तहत मलबे के संग्रहण और उसके वैज्ञानिक निस्तारण के लिए अलग-अलग एजेंसियों के बजाय एक ही एजेंसी को जिम्मेदारी देने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए संयुक्त टेंडर जारी किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और जवाबदेह बन सकेगी। इससे मलबा उठाने और प्रोसेसिंग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। नगर निगम अधिकारियों का मानना है कि नया प्रोसेसिंग प्लांट शुरू होने के बाद शहर में मलबा निस्तारण की क्षमता बढ़ेगी और मौजूदा संयंत्र पर भार कम होगा। साथ ही अवैध रूप से मलबा फेंकने की घटनाओं में भी कमी आएगी। वैज्ञानिक तरीके से मलबे का प्रसंस्करण होने से पुनर्चक्रण को भी बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी।

नगर निगम का उद्देश्य शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाना तथा निर्माण मलबे के प्रबंधन को आधुनिक और प्रभावी प्रणाली से जोड़ना है। अधिकारियों के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना पर तेजी से काम शुरू किया जाएगा, जिससे नागरिकों को बेहतर और व्यवस्थित मलबा निस्तारण सुविधा उपलब्ध हो सके। नगर निगम का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद शहर में निर्माण मलबे के निस्तारण की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध होगी।

गोकलगढ़ प्लाइवुड शोरूम अग्निकांड में बड़ा हादसा टला, सभी श्रमिक सुरक्षित

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

रेवाड़ी जिले के गांव गोकलगढ़ टी प्वाइंट स्थित एक प्लाइवुड शोरूम में रविवार सुबह भीषण आग लगने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में उसने पूरे शोरूम और उससे जुड़े गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, गोदाम के बाहर सो रहे पांच श्रमिक समय रहते बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, गोकलगढ़ टी-प्वाइंट के पास वुड स्टूडियो नाम से संचालित प्लाइवुड शोरूम में सुबह अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और शोरूम के भीतर रखा प्लाइवुड, फर्नीचर सामग्री व अन्य सामान जलने लगा। आसपास के दुकानदारों ने तत्काल शोरूम संचालक, पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेवाड़ी से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए धारूहेड़ा और बावल आईएमटी से भी अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। कुल 10 दमकल गाड़ियों ने करीब ढाई घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से आसपास की दुकानों तक लपटें फैलने से रोक लिया गया।

घटना की सूचना पर नगर परिषद चेयरपर्सन विनिता पीपल और पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित व्यापारी से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। सहायक फायर ऑफिसर संजय ढिल्लन ने बताया कि आग पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई है। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस और फायर विभाग की संयुक्त टीम मामले की जांच कर रही है।

पलवल में 99,302 मतदाताओं ने एसआईआर फॉर्म नहीं भरे, बदल सकते हैं चुनावी समीकरण

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत फॉर्म जमा कराने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पलवल जिले में सामने आए आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी है। जिले के 99,302 मतदाताओं ने अब तक अपने फॉर्म जमा नहीं किए हैं। यह जिले के कुल मतदाताओं का लगभग 14.03 प्रतिशत है। ऐसे में अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद जिले के चुनावी समीकरणों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, पलवल जिले में 85.97 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने फॉर्म भरकर संबंधित बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के पास जमा कर दिए हैं। जिन मतदाताओं ने अभी तक फॉर्म जमा नहीं किए हैं, उनके नामों को लेकर नियमानुसार आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 3 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी, जिसके बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ब्लैकमेलिंग के मामले में दंपती समेत तीन आरोपित रंगे हाथ गिरफ्तार

पलवल जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र हैं—पलवल, होडल और हथीन। वर्तमान में पलवल और होडल विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है, जबकि हथीन से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इसराइल निर्वाचित हैं। ऐसे में यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो इसका प्रभाव आगामी चुनावों के राजनीतिक गणित पर पड़ सकता है। राजनीतिक दल भी इस पूरी प्रक्रिया पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विभिन्न दल अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से पात्र मतदाताओं से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज और फॉर्म जमा कराने के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं। वहीं निर्वाचन विभाग का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।

अधिकारियों ने पात्र मतदाताओं से अपील की है कि यदि किसी स्तर पर उनका आवेदन लंबित है या किसी प्रकार की त्रुटि है तो समय रहते उसका समाधान कराएं। अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि जिले की मतदाता संख्या में कितना बदलाव हुआ है और इसका राजनीतिक दलों की चुनावी रणनीतियों पर कितना असर पड़ सकता है। निर्वाचन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद ही अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

बच्चों की चिट्ठियों से फिर जीवंत हुई कारगिल के वीरों की यादें

15 जिलों के बलिदानी परिवारों तक पहुंचीं विद्यार्थियों की चिट्ठियां, भावुक हुए वीरों के स्वजन

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार/पानीपत

'आओ चिट्ठी' लिखें शब्दों के धागे अपनों के नाम' महाअभियान के 'वीर वंदन' चरण में विद्यार्थियों की भावनाओं से भरी चिट्ठियां अब प्रदेश के 15 जिलों में रहने वाले कारगिल बलिदानियों के परिवारों तक पहुंचने लगी हैं। 85 विद्यालयों के 15,728 विद्यार्थियों द्वारा लिखे गए इन पत्रों ने शहीद परिवारों की पुरानी यादों को फिर से जीवंत कर दिया।

इन चिट्ठियों में बच्चों ने देश के वीर जवानों के साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए अपने भाव व्यक्त किए हैं। परिवारों ने कहा कि नई पीढ़ी द्वारा दिया गया यह सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है और इससे उन्हें विश्वास मिलता है कि देश आज भी अपने वीरों को नहीं भूला है। हिसार के नारनौंद में कारगिल वीर पवित्र सिंह के परिवार तक जब बच्चों की चिट्ठियां पहुंचीं तो उनकी मां खजानी देवी भावुक हो गईं। 27 साल बाद बेटे का नाम चिट्ठी में देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि एक मां के लिए इससे बड़ा सम्मान नहीं हो सकता कि आज भी बच्चे उनके बेटे के बलिदान को याद कर रहे हैं। तिरंगे के चित्र वाली चिट्ठी ने उन्हें बेटे की यादों में पहुंचा दिया।

फरीदाबाद में कारगिल बलिदानी मनोहर लाल के परिवार ने भी बच्चों के पत्रों को संभालकर रखा। उनकी मां हरकोरी देवी ने कहा कि इन चिट्ठियों ने 23 साल की उम्र में देश के लिए बलिदान देने वाले बेटे की यादों को फिर ताजा कर दिया। मनोहर लाल ने 13 मई 1999 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की थी। परिवार ने कहा कि ऐसे अभियान बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करते हैं।

सिरसा में कारगिल वीर राधेश्याम भाकर के परिवार को चिट्ठियां मिलीं तो पुरानी यादें लौट आईं। पिता बेगराज भाकर ने बेटे के अंतिम पत्र को याद किया, जो बलिदान के बाद परिवार को मिला था। उन्होंने बताया कि उस पत्र में बेटे ने परिवार को चिंता न करने और जवाब देने की बात लिखी थी, लेकिन हालात ऐसे रहे कि जवाब नहीं दिया जा सका। बच्चों की चिट्ठियों ने वही भावुक पल फिर सामने ला दिए।

करनाल के निसिंग में राइफलमैन प्रवेश कुमार के परिवार ने भी बच्चों के पत्रों को सम्मान के साथ संभाला। उनकी मां रामलेश देवी ने कहा कि चिट्ठियां पढ़ते समय बेटे की वर्दी और जूतों की याद आ गई, जिन्हें उन्होंने आज भी सुरक्षित रखा है। प्रवेश कुमार ने कारगिल युद्ध में 6 जून 1999 को सर्वोच्च बलिदान दिया था।

जींद और बरवाला क्षेत्रों में भी बच्चों की चिट्ठियों ने कारगिल बलिदानी परिवारों को भावुक कर दिया। नायक राजकुमार के भाई सुखबीर ने कहा कि बच्चों के शब्दों में

15,728 विद्यार्थियों की चिट्ठियों ने कारगिल बलिदानियों के परिवारों को दिया सम्मान

पूरे देश का सम्मान दिखाई दिया। वहीं हवलदार लाल सिंह की पत्नी बिमला देवी ने कहा कि बच्चों ने वीरों के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है। झज्जर में लांस नायक लीलाराम की पत्नी तारा देवी ने बच्चों की चिट्ठियां पढ़कर पति की अंतिम यादों को महसूस किया। उन्होंने बताया कि बलिदान से पहले पति ने जल्द परिवार को साथ ले जाने का वादा किया था, लेकिन उनकी जगह तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर गांव पहुंचा।

अंबाला में हवलदार सुखविंदर सिंह के परिवार ने भी बच्चों की चिट्ठियों को भावुक श्रद्धांजलि बताया। परिवार ने कहा कि नई पीढ़ी का यह सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। यह अभियान केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बलिदानी परिवारों तक समाज का सम्मान और कृतज्ञता पहुंचाने का माध्यम बन रहा है। विद्यार्थियों के इन शब्दों ने साबित किया है कि देश अपने वीर सैनिकों के त्याग और बलिदान को हमेशा याद रखेगा।

केंद्र सरकार की चेस प्लस पहल से 30 नवोदय विद्यालयों में शतरंज शिक्षा की हुई शुरुआत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

देश की स्कूली शिक्षा में विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, रणनीतिक सोच और निर्णय लेने के कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'चेस प्लस' (चैंपियनिंग एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स स्किल) पहल की शुरुआत की है। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के सहयोग से किया। इस पहल के पहले चरण में देश के 30 जवाहर नवोदय विद्यालयों को पायलट परियोजना के लिए चुना गया है। इनमें हरियाणा के 13, उत्तर प्रदेश के 15 और दिल्ली के दो नवोदय विद्यालय शामिल हैं।

सरकार का उद्देश्य शतरंज को केवल एक खेल तक सीमित न रखते हुए इसे शिक्षा का प्रभावी माध्यम बनाना है, ताकि विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता, एकाग्रता, धैर्य और समस्या समाधान की योग्यता में वृद्धि हो सके। चेस प्लस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कोचों के मार्गदर्शन में शतरंज का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालयों में प्रतियोगिताओं, अभ्यास सत्रों और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यदि पायलट परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में इसे देश के अन्य नवोदय विद्यालयों और सरकारी स्कूलों तक विस्तारित किया जा सकता है। इस पहल को साकार करने में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष एवं करनाल निवासी नितिन नारंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके प्रयासों से शिक्षा और खेल के समन्वय का यह मॉडल तैयार किया गया, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है।

चेस प्लस पहल से बौद्धिक विकास को बढ़ावा

शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि शतरंज विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। विशेषज्ञों के अनुसार यह खेल स्मरण शक्ति बढ़ाने, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। सरकार को उम्मीद है कि चेस प्लस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र बौद्धिक विकास होगा और उन्हें भविष्य की प्रतिस्पर्धी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से विद्यार्थियों में रणनीतिक सोच, धैर्य और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों में भी सकारात्मक सुधार आने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में दर्दनाक हादसा, नहर पुल पर बाइक भिड़ंत में दारोगा समेत दो घायल

एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ के मवाना क्षेत्र में हस्तिनापुर रोड स्थित मध्य गंग नहर पुल पर रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में भोपा थाने की पीआरवी पर तैनात दारोगा सरताज अली समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नगर के अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर दोनों को मेरठ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, हापुड़ जनपद के सिंभावली निवासी दारोगा सरताज अली पुत्र इरशाद मुजफ्फरनगर के थाना भोपा में तैनात हैं और उनकी ड्यूटी पीआरवी पर चल रही है। रविवार दोपहर करीब एक बजे वह बाइक से मेरठ से थाना भोपा लौट रहे थे। जैसे ही वह मवाना क्षेत्र के हस्तिनापुर रोड स्थित मध्य गंग नहर पुल पर पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी टक्कर हो गई। दूसरी बाइक भोपा थाना क्षेत्र के बिजलेसपुर निवासी अशोक पुत्र सतपाल चला रहे थे। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

प्रयागराज में तीन दिन बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली प्रयागराज में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 28 जुलाई से शहर और आसपास के क्षेत्रों में बादलों की सक्रियता बढ़ेगी, जिसके चलते लगातार तीन दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बारिश खरीफ फसलों के लिए भी लाभदायक मानी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार जुलाई के अंत तक रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रह सकता है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। हाल के दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 25 जुलाई को शहर में हल्के बादल छाए रहे और कई इलाकों में हल्की फुहारें भी पड़ीं। वहीं 26 जुलाई की सुबह तेज धूप निकलने से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 26 और 27 जुलाई को तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद पश्चिमी और पूर्वी हवाओं के प्रभाव से मौसम में बदलाव आएगा। बादलों की आवाजाही बढ़ने के साथ बारिश का सिलसिला शुरू होने की संभावना है। प्रशासन ने भी मौसम को देखते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

अलीगढ़ में बीएड दाखिले के नाम पर ठगी छात्राओं से 60 हजार से ज्यादा ऐंठे

एजेंसी, नई दिल्ली अलीगढ़ के धर्म समाज महाविद्यालय में बीएड प्रवेश दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि नीरज नाम के युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड किरण प्रजापति के साथ मिलकर नौ से अधिक छात्राओं से 60 हजार रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली। दोनों ने छात्राओं को कॉलेज में बीएड में दाखिला दिलाने का भरोसा दिया और इसके बदले उनसे पैसे लिए। जब तय समय के बाद भी छात्राओं का दाखिला नहीं हुआ तो उन्होंने आरोपितों से संपर्क कर जानकारी मांगी। कई बार पूछताछ के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर छात्राओं को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़ित छात्राओं ने पुलिस से शिकायत की। इस मामले में अलीगढ़ के गांधीपार्क थाने में दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और अन्य पीड़ित छात्राओं की शिकायतें भी दर्ज की जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, शिकायतों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस आरोपितों के खिलाफ साक्ष्य जुटाने में लगी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि ठगी करने वाले इस गिरोह का जल्द पर्दाफाश किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश के लिए पैसे देने से पहले पूरी जानकारी जरूर जांच लें।

नोएडा-गाजियाबाद में बनेंगे 22,500 नए फ्लैट, यूपी रेरा ने 46 परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

एनसीआर में अपने घर और कारोबार का सपना देखने वालों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने नोएडा और गाजियाबाद की 46 नई परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र में हजारों लोगों को आवास और व्यावसायिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। यूपी रेरा के अनुसार, स्वीकृत की गई 46 परियोजनाओं में करीब 22,500 फ्लैट, विला और दुकानें विकसित की जाएंगी। इनमें आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह की योजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में रियल एस्टेट क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्राधिकरण ने बताया कि इन परियोजनाओं में बड़ी संख्या में लोगों के लिए घर उपलब्ध होंगे। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी। यूपी रेरा लगातार निर्माण परियोजनाओं की निगरानी कर रहा है, ताकि खरीदारों के हितों की रक्षा की जा सके और समय पर परियोजनाएं पूरी हों। अधिकारियों के मुताबिक, एनसीआर में तेजी से बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। नोएडा और गाजियाबाद पहले से ही देश के प्रमुख रियल एस्टेट बाजारों में शामिल हैं। नई परियोजनाओं के आने से यहां बुनियादी सुविधाओं और शहर के विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। यूपी रेरा ने बिल्डरों को निर्देश दिए हैं कि वे तय मानकों और समयसीमा के अनुसार निर्माण कार्य पूरा करें। प्राधिकरण का उद्देश्य है कि खरीदारों को सुरक्षित और समय पर घर मिल सकें। इन नई परियोजनाओं से एनसीआर में आवासीय और व्यावसायिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिल्ली के 774 स्कूलों में सुरक्षा खामियां जांच में सामने आईं बड़ी लापरवाहियां

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) और दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से किए गए निरीक्षण में कई स्कूलों में सुरक्षा से जुड़ी कमियां पाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, शहर के 774 स्कूलों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई है। निरीक्षण अभियान के दौरान स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था, भवन की स्थिति, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, शौचालय, बिजली व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाओं की जांच की गई। जांच में कई स्कूलों में तय नियमों का पालन नहीं होने की बात सामने आई। अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्कूलों में सुरक्षा उपकरणों की कमी मिली, जबकि कई जगहों पर रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। आयोग ने सभी संबंधित स्कूलों को कमियों को दूर करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्कूल प्रबंधन को सुरक्षा मानकों को सुधारने और जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है। जानकारी के अनुसार, यह निरीक्षण राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स एक्ट (सीपीसीआर) के तहत किया गया था। निरीक्षण के दौरान मिली रिपोर्ट के आधार पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले समय में स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा जांच की जाएगी। जिन स्कूलों में कमियां पाई गई हैं, उन्हें सुधार के लिए समय दिया जाएगा। यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं किया गया तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। दिल्ली सरकार और संबंधित विभागों का कहना है कि बच्चों के लिए सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। स्कूलों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी। इस निरीक्षण अभियान से स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था सुधारने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद एक्सप्रेसवे को रफ्तार, जमीन अधिग्रहण जल्द पूरा करने के निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

एफएनजी एक्सप्रेसवे (फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद एक्सप्रेसवे) के निर्माण में आ रही बाधाएं जल्द दूर होने की उम्मीद है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूरा होने के बाद एनसीआर के तीन प्रमुख जिले सड़क मार्ग से सीधे जुड़ जाएंगे, जिससे लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्रा का समय भी कम होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजना के लिए आवश्यक जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि निर्माण कार्य को गति मिल सके। एफएनजी एक्सप्रेसवे को एनसीआर के लिए एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना माना जा रहा है। इसके बनने से फरीदाबाद, नोएडा और गाजियाबाद के बीच आवागमन आसान होगा। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों, व्यापारिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में इन क्षेत्रों के बीच यात्रा करने वाले लोगों को कई जगहों पर जाम और लंबे रास्तों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि एक्सप्रेसवे निर्माण में किसी प्रकार की देरी न हो। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद एनसीआर में यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लोगों को एक बेहतर वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। इससे दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों के बीच संपर्क और अधिक सुगम हो जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, एक्सप्रेसवे बनने से एनसीआर में विकास को नई रफ्तार मिलेगी और भारी वाहनों का दबाव भी कम होगा। परियोजना से लाखों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में शुरू हुई नई डाक सेवा, घर बैठे भेज सकेंगे स्पीड पोस्ट और पार्सल

एजेंसी, नई दिल्ली

घर बैठे विदेश भेजें पार्सल, डाक विभाग की नई सुविधा

गाजियाबाद जिले के लोगों के लिए डाक विभाग ने एक बड़ी सुविधा शुरू की है। अब लोगों को विदेश में पार्सल या स्पीड पोस्ट भेजने के लिए डाकघर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डाक विभाग ने घर बैठे अंतरराष्ट्रीय पार्सल और स्पीड पोस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए ग्राहकों को ऑनलाइन माध्यम से बुकिंग करनी होगी और डाक विभाग के कर्मचारी घर से ही सामान लेकर उसे विदेश भेजने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इस नई सुविधा से खासतौर पर उन लोगों को राहत मिलेगी, जो विदेश में रहने वाले अपने रिश्तेदारों या दोस्तों को पार्सल भेजते हैं। पहले लोगों को पार्सल तैयार कर डाकघर पहुंचना पड़ता था और लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। अब ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से यह काम आसान हो जाएगा। डाक विभाग के अनुसार, ग्राहक को सबसे पहले ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पार्सल या स्पीड पोस्ट की जानकारी दर्ज करनी होगी। इसके बाद डाक विभाग की टीम निर्धारित समय पर ग्राहक के घर पहुंचकर पार्सल को प्राप्त करेगी। सामान की जांच और जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे संबंधित देश के लिए भेज दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इस सुविधा से समय की बचत होगी और लोगों को बेहतर डाक सेवाएं मिल सकेंगी। विदेश भेजे जाने वाले दस्तावेज, जरूरी सामान और अन्य वस्तुओं के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। डाक विभाग लगातार अपनी सेवाओं को डिजिटल और आसान बनाने की दिशा में काम कर रहा है। गाजियाबाद के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि घर से पार्सल उठाने की सुविधा मिलने से खासकर बुजुर्गों, नौकरीपेशा लोगों और व्यस्त नागरिकों को काफी फायदा होगा। डाक विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे ऑनलाइन सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें और सुरक्षित तरीके से अपने पार्सल विदेश भेजें।

प्रयागराज मंडल की 70 हजार करोड़ की 2442 परियोजनाएं लंबित, विकास कार्यों पर ब्रेक

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज मंडल के चार जिलों में लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली 2442 विकास परियोजनाएं लंबे समय से लंबित पड़ी हैं। इन परियोजनाओं में हो रही देरी के कारण क्षेत्र में सड़क, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मंडलायुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभाग तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करें। इन लंबित परियोजनाओं में संगम नगरी प्रयागराज के पुराने बाजारों और कस्बों के साथ शंकरगढ़ क्षेत्र की महत्वपूर्ण रेलवे ओवरब्रिज परियोजना भी शामिल है। मध्य प्रदेश की सीमा के निकट स्थित शंकरगढ़ में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय से अधूरा है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य में देरी के कारण यातायात बाधित रहता है और लोगों को आवाजाही के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। व्यापारियों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को भी इसका सीधा असर झेलना पड़ रहा है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लंबित परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाए, निर्माण कार्य में आने वाली बाधाओं को तुरंत दूर किया जाए और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ताकि जनहित की योजनाएं समय पर पूरी हो सकें।

आगरा के पास ट्रेन में बवाल, युवक को चलती ट्रेन से फेंका, बहन से बदसलूकी

एजेंसी, नई दिल्ली

खाटूश्यामजी के दर्शन कर बहन के साथ घर लौट रहे एक युवक के साथ आगरा के पास चलती ट्रेन में मारपीट और अभद्रता की सनसनीखेज घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, ट्रेन में सीट को लेकर कुछ दबंग यात्रियों से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट की और उसे चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। इतना ही नहीं, युवक की बहन के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के बाद बहन ने शोर मचाकर अन्य यात्रियों से मदद मांगी। ट्रेन के फतेहाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर रेलवे पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल युवक तथा उसकी बहन को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने दोनों के बयान दर्ज किए और मामले की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गुरुग्राम में खतरनाक ड्राइविंग पर शिकंजा, 271 वाहन चालकों पर 13.95 लाख का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में डेंजरस ड्राइविंग पर पुलिस की सख्ती

गुरुग्राम यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर लगाम लगाने के लिए जुलाई महीने में विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने डेंजरस ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। एक से 24 जुलाई तक चलाए गए इस अभियान में यातायात पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर की प्रमुख सड़कों और चौराहों पर निगरानी बढ़ाई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान ऐसे वाहन चालकों की पहचान की गई जो सड़क पर लापरवाही, तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से वाहन चला रहे थे। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 271 वाहन चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। इन चालानों के माध्यम से कुल 13.95 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस ने बताया कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। यातायात पुलिस ने बताया कि खतरनाक ड्राइविंग के कारण अक्सर गंभीर सड़क हादसे होते हैं, जिनमें लोगों की जान तक चली जाती है। इसलिए ऐसे वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी जा रही है जो अपनी लापरवाही से अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। पुलिस टीमों ने मौके पर कार्रवाई करते हुए नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क पर जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाएं, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों की अनदेखी न करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी खतरनाक, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

ग्रेटर नोएडा हादसा: सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी पड़ी भारी, 6 साल के बच्चे की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क दो स्थित कलाधाम सोसायटी में बोरवेल के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से छह वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश फैल गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पर्याप्त पालन नहीं किया गया। बोरवेल के गड्ढे के आसपास उचित बैरिकेडिंग नहीं थी, जिससे बच्चा खेलते समय वहां पहुंच गया और पानी से भरे गड्ढे में गिर गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने कहा कि ठेकेदार की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए निर्माण शुरू करना गंभीर चूक है। इसलिए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उसकी कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसके साथ ही निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले दो सुपरवाइजरों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर उन पर भी मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा जांच करने तथा खुले गड्ढों को सुरक्षित ढंग से ढकने के निर्देश दिए। घटना ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधन की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है। प्रशासन ने दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय निवासियों ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि बोरवेल के गड्ढे के चारों ओर मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त निगरानी की व्यवस्था होती, तो इस मासूम की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में किन-किन लोगों की जिम्मेदारी तय होती है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य कराने वाली एजेंसियों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करना होगा।

पूर्वी दिल्ली में कैब चालक की हत्या का खुलासा, नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

स्पेशल स्टाफ और कृष्णा नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, हत्याकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

कैब चालक हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, तीन गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में कैब चालक विजय कुमार की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में कृष्णा नगर थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस जांच के अनुसार, यह पूरी वारदात लूट के इरादे से अंजाम दी गई थी। आरोपियों ने पहले कैब चालक विजय कुमार की गाड़ी बुक की और फिर सुनसान स्थान पर पहुंचने के बाद उस पर हमला कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने चालक की हत्या कर दी और वाहन तथा उसके पास मौजूद अन्य सामान लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष जांच टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया और स्थानीय मुखबिरों से भी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान मिले अहम सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हत्या और लूट की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सामान भी बरामद किए हैं। बरामद वस्तुओं की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वारदात में उनका किस प्रकार उपयोग किया गया था। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और उसके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों ने इस वारदात की योजना कब और कैसे बनाई थी तथा क्या वे पहले भी किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं। नाबालिग आरोपी की भूमिका की भी अलग से जांच की जा रही है और उसके संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कृष्णा नगर थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है, क्योंकि हत्या जैसी गंभीर वारदात का खुलासा केवल 24 घंटे के भीतर कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है और किसी भी गंभीर अपराध में शामिल दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

न्यूज शॉर्ट्स

प्रभारी ईओ नियुक्ति पर यू-टर्न मंत्री कैड़ा ने रद्द कराए आदेश

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में शहरी निकायों में प्रभारी अधिशासी अधिकारी बनाने के फैसले पर विवाद के बाद मंत्री राम सिंह कैड़ा ने आदेश वापस ले लिए हैं। उन्होंने सचिव शहरी विकास को सभी नियुक्तियां रद्द करने के निर्देश दिए। इसके बाद विभाग ने क्लर्क, सफाई निरीक्षक, अकाउंट कर्मचारी और कर अधीक्षकों को दिए गए प्रभारी ईओ के प्रभार समाप्त कर दिए।

दिसंबर तक रामझूला पुल पर आवाजाही पूरी बंद

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश का ऐतिहासिक रामझूला पुल मरम्मत कार्य के चलते पूरी तरह बंद कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग ने सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया है। विभाग के अनुसार दिसंबर तक पुल की मरम्मत पूरी कर इसे दोबारा खोला जाएगा। पुल बंद होने से स्थानीय व्यापारियों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों में भी सन्नाटा देखने को मिल रहा है।

कारगिल के बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। कारगिल विजय दिवस की 27 वीं वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को अल्मोड़ा स्थित शहीद स्मारक, छावनी क्षेत्र में शौर्य दिवस समारोह पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के बलिदानियों की स्मृति में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों तथा कारगिल युद्ध की वीरांगनाओं ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत कुमाऊँ रेजीमेंट सेंटर, रानीखेत की सैन्य टुकड़ी द्वारा शहीदों के सम्मान में सलामी दी गई तथा दो मिनट का मौन रखकर वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया।

कारगिल विजय दिवस पर गूंजा वीरों का गौरव, राज्यपाल ने बलिदानियों को किया याद

कारगिल के शहीदों को राज्यपाल की श्रद्धांजलि, राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने देहरादून के चीड़बाग स्थित शौर्य स्थल पर कारगिल युद्ध के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को नमन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शहीदों के परिजनों, वीर नारियों, गैलेंट्री अवार्ड प्राप्त सैनिकों तथा समाज और राष्ट्रहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेना के अधिकारी, जवान, पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट और स्कूली छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का स्वर्णिम अध्याय है।

उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय अस्मिता, संप्रभुता, आत्मविश्वास और अटूट संकल्प का भी प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, प्रतिकूल मौसम और ऑक्सीजन की कमी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की और दुश्मन को पराजित किया।

कारगिल विजय दिवस पर अमर बलिदानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते राज्यपाल।

कई वरिष्ठ अधिकारी भी रहे उपस्थित

समारोह में जीओसी सब एरिया मेजर जनरल एम.पी.एस. गिल, सेना, नौसेना और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी, सैनिक, पूर्व सैनिक, वीर नारियां, शहीदों की माताएं, एनसीसी कैडेट तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वातावरण में सभी ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

विश्वविद्यालयों में उपनल और संविदा कर्मियों को नियमित करने की मांग तेज

लंबित प्रकरणों पर भड़का आक्रोश, मुख्यमंत्री से वार्ता करेगा महासंघ

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ की बैठक में लंबे समय से रिक्त पदों को लेकर नाराजगी जताई गई। महासंघ ने विश्वविद्यालयों में कार्यरत उपनल, संविदा और दैनिक कर्मियों को नियमित करने की मांग उठाई। संगठन ने कहा कि आठ वर्षों से स्थायी नियुक्तियां नहीं हुई हैं। बैठक में कर्मचारियों की पदोन्नति, लंबित प्रकरणों के समाधान और 10,16,26 वर्ष की एसीपी व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। महासंघ ने शासन से वार्ता करने का निर्णय लिया और सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय जाने की चेतावनी दी। बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गढ़वाल मंडल के 69 विशेष शिक्षकों को मिले नियुक्ति पत्र

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बांटे नव चयनित शिक्षकों को पत्र

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में गढ़वाल मंडल के 69 नव चयनित सहायक अध्यापक एलटी विशेष शिक्षा को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को बेहतर और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। चयनित शिक्षकों में पौड़ी के 21, टिहरी के 17, चमोली और देहरादून के 9-9, उत्तरकाशी के 8, रुद्रप्रयाग के 4 और हरिद्वार के 1 शिक्षक शामिल हैं।

'मन की बात' जनभागीदारी और आत्मनिर्भर भारत का सशक्त माध्यम: पुष्कर सिंह धामी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून स्थित गांधी पार्क में पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के परिजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 136वां संस्करण सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, उनके परिजन और गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणा का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने के साथ ही सकारात्मक सोच और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देश की उपलब्धियों और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने डीआरडीओ की उपलब्धियों, रक्षा

क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता, रक्षा उत्पादन और निर्यात में हुई प्रगति का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला है और देश को नई दिशा देने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत आज रक्षा, विज्ञान, तकनीक, नवाचार और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और सीमांत क्षेत्रों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और प्रयासों से आम जनता को लाभ मिल रहा है तथा देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देश की उपलब्धियों और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने डीआरडीओ की उपलब्धियों, रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता, रक्षा उत्पादन और निर्यात में हुई प्रगति का उल्लेख किया।

नागरिकों से भारत के अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की

मुख्यमंत्री ने मन की बात में जल संरक्षण, हस्तशिल्पों के संवर्धन और वोकल फॉर लोकल जैसे विषयों को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने नागरिकों से आत्मनिर्भर भारत के अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक मुन्ना सिंह चौहान, दायित्वधारी सुभाष बड़थ्वाल, सचिव युगल किशोर पंत, मेजर जनरल सम्मी सभरवाल सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेश को ध्यानपूर्वक सुना और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया।

रामनगर में बाघ का हमला: घास काट रही बुजुर्ग महिला लहूलुहान, अस्पताल में भर्ती

भारतेंदु संवाददाता, रामनगर। मोहान क्षेत्र के कुनखेत में घास काटने गई बुजुर्ग महिला पर बाघ ने हमला कर दिया। दोनों महिलाओं ने शोर मचाया। गनीमत रही कि बाघ महिला को छोड़कर चला गया। रविवार को रामनगर के कुनखेत क्षेत्र में कुनखेत मोहान निवासी बसंती देवी (65), पत्नी बाली राम, गांव के पास ही स्थित कुनखेत बैली रिसॉर्ट के समीप घास काट रही थी। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाकर बैठे बाघ ने बसंती पर अचानक हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े। जिसके बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया। बाघ ने बुजुर्ग महिला के माथे, सिर पर हमला किया है। जिससे घाव हो गए लहूलुहान हालत में महिला को सरकारी अस्पताल लाया गया। सूचना पर कोसी क्षेत्र के रेंजर कृष्ण सिंह महरा मौके पर पहुंचे डाक्टर ने महिला की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार देकर काशीपुर के निजी अस्पताल में रेफर कर दिया।

केदारनाथ यात्रा: केदारनाथ धाम में बिहार के श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ी, एयरलिफ्ट कर एम्स भेजा

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में रविवार को दर्शन के लिए पहुंचे बिहार के एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर श्रद्धालु को प्राथमिक उपचार दिया और तत्काल विवेकानंद अस्पताल, केदारनाथ पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर करने का निर्णय लिया।

जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, बीमार श्रद्धालु की पहचान बिहार निवासी 66 वर्षीय राम प्रकाश यादव के रूप में हुई है। अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता बताते हुए उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश भेजा। प्रशासन और रेस्क्यू टीम के समन्वित प्रयासों के कारण श्रद्धालु को समय रहते उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी।

प्रशासन ने बताया कि राम प्रकाश यादव का एम्स ऋषिकेश में उपचार जारी है और उनकी स्थिति पर चिकित्सकों की लगातार निगरानी रखी जा रही है। केदारनाथ यात्रा के दौरान ऊंचाई, मौसम में अचानक बदलाव और ऑक्सीजन की कमी के कारण कई बार बुजुर्ग तथा पहले से बीमार लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

देहरादून में फॉरेस्ट मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड एसोसिएशन के अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सुमित सिंह नेगी को अध्यक्ष और सुनील कुमार को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिवेशन में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नई टीम का स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष और महामंत्री ने कहा कि वे संगठन को मजबूत बनाने के साथ कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद सदस्यों ने एकजुट होकर संगठन के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही।

यूकेडी ने क्षेत्रीय विकल्प मजबूत करने का लिया संकल्प

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। सेलाकुई में उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से आयोजित भव्य जन संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बहादुरपुर रोड स्थित कार्यक्रम की अध्यक्षता पछवादून जिला अध्यक्ष जितेंद्र पंवार ने की, जबकि आयोजन की जिम्मेदारी अरुणा चौहान ने संभाली। कार्यक्रम में वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी देवेंद्र कंडवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं शकुंतला रावत और उत्तराखंड क्रांति दल के महामंत्री संगठन गणेश काला विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी अशोक जोशी ने अपने समर्थकों के साथ उत्तराखंड क्रांति दल की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं ने भी पार्टी से जुड़कर वर्ष 2027 में उत्तराखंड में क्षेत्रीय राजनीति को मजबूत करने का संकल्प लिया। नेताओं ने कहा कि राज्य के हितों और पहचान की रक्षा के लिए मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व की आवश्यकता है।

◆ **सेलाकुई में उत्तराखंड क्रांति दल का भव्य जन संवाद कार्यक्रम, सैकड़ों लोगों ने ली सदस्यता**

मुख्य अतिथि देवेंद्र कंडवाल ने कहा कि उत्तराखंड के विकास और स्वाभिमान की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट होकर आगे आना होगा। उन्होंने राज्य आंदोलन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जनभागीदारी को जरूरी बताया। गणेश काला ने पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उत्तराखंड के विकास के लिए दल के दृष्टिकोण को साझा किया।

शकुंतला रावत ने राज्य निर्माण आंदोलन के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जिस उद्देश्य से उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ था, उसे पूरा करने के लिए अभी भी कई प्रयासों की जरूरत है।

उत्तराखंड में पेपर लीक विवाद गहराया, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

पेपर लीक मामलों पर कांग्रेस का विरोध, शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार युवाओं का विश्वास बनाए रखने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक की घटनाएं रोकने में शिक्षा मंत्री पूरी तरह असफल रहे हैं और नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस मामले में उचित कदम नहीं उठाती है तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

रविवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मनोज तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार ने नकल रोकने के लिए सख्त कानून बनाने का दावा किया था, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उन दावों की पोल खोल दी है। उन्होंने उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय की हालिया बीटेक परीक्षा में पेपर लीक की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि नकल माफिया अब भी सक्रिय हैं और सरकार उन पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम रही है। उनके अनुसार, इस तरह की घटनाओं से हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कारगिल शौर्य दिवस पर रुद्रप्रयाग में शहीदों को मिली श्रद्धांजलि

◆ **8वीं सिख लाइट इन्फेंट्री परिसर में सैन्य सम्मान के साथ हुआ आयोजन**

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ के अवसर पर रुद्रप्रयाग में कारगिल शौर्य दिवस का भव्य आयोजन किया गया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय की ओर से 8वीं सिख लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में अमर शहीदों के अदम्य साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान और शहीदों को नमन कर किया गया।

मुख्य अतिथि केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने वीर नारियों और शहीद परिवारों को शॉल व स्मृति

चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अधिकारियों ने पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

वरुणा नदी में बहा युवक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में बड़ेथी ओपन टनल के पास वरुणा नदी में एक युवक के बहने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार युवक रविवार दोपहर नदी में नहा रहा था, तभी अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गया और पानी में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन विभाग की क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीमों की ओर से नदी के आसपास के क्षेत्रों में लगातार खोज अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि काफी प्रयासों के बाद भी अभी तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बताया जा रहा है कि युवक उत्तरकाशी के ज्ञानसू क्षेत्र का रहने वाला है। नदी में तेज बहाव और कठिन परिस्थितियों के बीच बचाव दल पूरी सतर्कता के साथ अभियान चला रहे हैं।

द्रोण चौक पर यूकेडी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, महेंद्र भट्ट से माफी की मांग

◆ **देहरादून में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने फूंका महेंद्र भट्ट का पुतला**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट की कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल ने देहरादून में प्रदर्शन किया। यूकेडी महानगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने द्रोण चौक पर एकत्र होकर विरोध जताया और महेंद्र भट्ट का पुतला दहन किया।

प्रदर्शनकारियों ने युवाओं और छात्रों के सम्मान को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

यूकेडी महानगर अध्यक्ष प्रवीण चंद रमोला ने कहा कि युवा किसी भी देश और प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य होते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं एवं छात्रों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली किसी भी टिप्पणी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने मांग की कि जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी के साथ बयान देने चाहिए और यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हीरा सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हीरा सिंह बिष्ट का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सादगी और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित रहा। प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

वहीं कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून स्थित सेवक आश्रम रोड पर हीरा सिंह बिष्ट के निजी आवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा दुख की इस घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया।

तैयारी कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए हरिद्वार में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने संभाला मोर्चा

16 दिन की चुनौती, कांवड़ मेले की सुरक्षा संभालेंगे 6000 जवान

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। श्रावण मास के 16 दिवसीय कांवड़ मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए हरिद्वार पुलिस और प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार से मेले की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह लागू कर दी गई है। इस बार मेले में पुलिस, पीएसी और 13 कंपनियों के अर्द्धसैनिक बलों सहित लगभग छह हजार जवान तैनात किए गए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी लाखों शिवभक्त गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पहले से अधिक मजबूत बनाया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना से बचा जा सके।

मेले के सुचारु संचालन के लिए पूरे मेला क्षेत्र को 18 सुपर जोन, 40 जोन और 141 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की गई हैं। इससे भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित कार्रवाई करना आसान होगा। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालुओं को दर्शन, स्नान और गंगाजल भरने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

छह हजार जवान होंगे तैनात

इस बार मेले में पुलिस, पीएसी और 13 कंपनियों के अर्द्धसैनिक बलों सहित लगभग छह हजार जवान तैनात किए गए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी लाखों शिवभक्त गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पहले से अधिक मजबूत बनाया गया है।

अधिकारियों की होगी प्राथमिक जिम्मेदारी

एडीजी वी. मुरुगेशन ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि कांवड़ मेला केवल सुरक्षा व्यवस्था की परीक्षा नहीं बल्कि प्रशासन की कार्यकुशलता की भी कसौटी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना को फैलने से रोकना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। यदि कहीं दुर्घटना, भगदड़ या कोई अन्य आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो बिना समय गंवाए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किए जाएं। उन्होंने जवानों से कहा कि ड्यूटी के दौरान मूकदर्शक बनने के बजाय हर गतिविधि पर पैनी नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें।

लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी

● **हरिद्वार** का कांवड़ मेला देश के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल है, जिसमें उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन के सामने सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है। इसी कारण इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है तथा सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बारिश से रीढ़ा गांव में दो पशुशालाएं गिरीं

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर में लगातार हो रही बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों में नुकसान का सिलसिला जारी है। सदर विकास खंड की बामटा पंचायत के बध्यात गांव के रीढ़ा क्षेत्र में शनिवार सुबह बारिश के कारण दो पशुशालाएं ढह गईं। हादसे में सुरेंद्र सिंह पुत्र प्यार सिंह की पशुशाला पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि पुरुषोत्तम सिंह पुत्र प्रभु दयाल सिंह की पशुशाला को आंशिक नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि घटना के समय पशुशालाओं में मौजूद पशु और लोग सुरक्षित रहे। बताया गया कि सुबह करीब सात बजे लगातार बारिश के चलते दोनों पशुशालाओं की सटी हुई दीवारें अचानक गिर गईं। घटना के बाद वार्ड सदस्य ने मौके का निरीक्षण किया और पंचायत प्रधान व पटवार सर्कल बध्यात के पटवारी सुमन कुमार को सूचना दी गई। प्रभावित परिवारों ने लाखों रुपये के नुकसान का दावा करते हुए प्रशासन से शीघ्र नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है।

राज्य महिला आयोग की अदालत कल

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा 28 जुलाई को मंडी स्थित उपायुक्त कोर्ट में सुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इस दिन मंडी जिला और आसपास के क्षेत्रों से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी। महिला आयोग की अध्यक्ष विद्या नेगी और सदस्य सुनवाई के दौरान उपस्थित रहेंगे। शिकायत दर्ज करवाने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से राज्य महिला आयोग द्वारा 29 जुलाई को मंडी स्थित राज्य प्रशिक्षण केंद्र ढांगसीधार के प्रमुख संसाधन केंद्र (जेजेएम) सीसीडीयू में एक ओएससी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंडी, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, चंबा, हमीरपुर और ऊना जिलों के वन स्टॉप सेंटरों के कर्मचारी इस प्रशिक्षण में भाग लेंगे। शेष जिलों के लिए ओएससी प्रशिक्षण कार्यक्रम अलग से आयोजित किया जाएगा।

बिलासपुर के निहाल में नई सब्जी मंडी के निर्माण का रास्ता साफ, बोर्ड ने दी मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर के निहाल में प्रस्तावित नई सब्जी मंडी के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। हिमाचल प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड ने मंडी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 2 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस मंडी के लिए अब टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर की ओर से तैयार प्रस्ताव के अनुसार मंडी में आठ दुकानें बनाई जाएंगी। इसके अलावा किसानों की सुविधा के लिए शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था भी होगी। नई मंडी बनने से किसानों और सब्जी कारोबारियों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। वर्तमान में सब्जी मंडी बस स्टैंड के समीप संचालित हो रही है। इसके आसपास मीट मार्केट होने के कारण लंबे समय से मंडी को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठती रही है। कृषि उपज मंडी समिति के अध्यक्ष सतपाल ने बताया कि बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निर्माण पूरा होने के बाद लोगों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

लंबित डीए व एरियर भुगतान की उठी मांग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर के घुमारवीं में हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर संगठन, घुमारवीं इकाई ने शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु के करीब 50 वरिष्ठ पेंशनरों को शॉल, टोपी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान सुनील दत्त शर्मा ने की, जबकि अमरनाथ भारद्वाज मुख्य अतिथि रहे। वक्ताओं ने 15 प्रतिशत महंगाई भत्ता और वर्ष 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त पेंशनरों के लंबित एरियर का शीघ्र भुगतान करने की मांग उठाई। साथ ही संयुक्त जेसीसी के गठन की भी मांग की गई। राज्य अध्यक्ष आत्माराम शर्मा ने संगठन की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि पेंशनरों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने 131 करोड़ रुपये के लंबित मेडिकल बिल जारी करने पर प्रदेश सरकार का आभार जताया और स्वतंत्रता दिवस पर पेंशनरों के हित में नई घोषणाओं की उम्मीद व्यक्त की। समारोह में संगठन के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला प्रशासन और सैनिक कल्याण विभाग मंडी की ओर से कारगिल विजय दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। इंदिरा मार्केट स्थित शहीद स्मारक पर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राकेश कपूर और ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) खुशहाल ठाकुर ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वीर नारियों और शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति को याद किया। ब्रिगेडियर खुशहाल ठाकुर ने युद्ध के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कारगिल विजय सैनिकों के साहस और समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, पूर्व सैनिक और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

कारगिल दिवस पर नवाजे शहीद परिवार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। टिहरा में आयोजित राज्य स्तरीय कारगिल विजय दिवस समारोह में वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न युद्धों में शहीद हुए जवानों के परिजनों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने शॉल, टोपी और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। समारोह में कारगिल युद्ध, 1962, 1965 युद्ध और ऑपरेशन रक्षक में वीरगति प्राप्त सैनिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप सम्मानित किया गया। कारगिल युद्ध में घायल नायब सूबेदार पुरुषोत्तम शर्मा सहित शौर्य चक्र और सेना मेडल से सम्मानित सैनिकों को भी सम्मान मिला। मंत्री ने वीर सैनिकों के बलिदान और योगदान को नमन किया।

घुमारवीं में 25 करोड़ से बनाया जा रहा इंडोर स्टेडियम : राजेश धर्माणी

भगेड़ स्कूल में आयोजित ओपन कबड्डी टूर्नामेंट के शुभारंभ पर बोले तकनीकी शिक्षा मंत्री

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रदेश सरकार खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के उद्देश्य से खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भगेड़ में कृष्णा कबड्डी अकादमी द्वारा आयोजित एक दिवसीय ओपन कबड्डी टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित कर रही है। इसी कड़ी में घुमारवीं में लगभग 25 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम बनाया जा रहा है, जिसमें स्विमिंग पूल की सुविधा भी होगी। वहीं बिलासपुर में लगभग 3.5 करोड़ की लागत से फुटबॉल फील्ड का निर्माण किया जाएगा, जिससे जिले के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का अवसर मिलेगा।

राजेश धर्माणी ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में मोरसिंघी में 48 लड़कियों की क्षमता वाला हैंडबॉल स्पोर्ट्स हॉस्टल स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा घुमारवीं में 100 छात्राओं की क्षमता वाला मल्टी स्पोर्ट्स गर्ल्स हॉस्टल भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों की डाइट मनी में तीन गुना वृद्धि, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए रेल और हवाई यात्रा सुविधा तथा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसी महत्वपूर्ण पहल भी कर रही है।

मंत्री ने कृष्णा कबड्डी अकादमी की पांच वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि अकादमी ने 500 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया है, जबकि 100 से ज्यादा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं। पांच खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं और एक खिलाड़ी भारतीय कबड्डी टीम के कैंप का हिस्सा रह चुका है। उन्होंने अकादमी के संचालक एवं अंतरराष्ट्रीय कबड्डी रेफरी कृष्ण लाल को बधाई देते हुए खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टूर्नामेंट के पहले मुकाबले का शुभारंभ कर खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दीं।

कारगिल शहीदों का बलिदान पीढ़ियों को देता रहेगा देशभक्ति की प्रेरणा : शांडिल

◆ स्वास्थ्य मंत्री ने 35 लाख से निर्मित युद्ध स्मारक परिसर का लोकार्पण

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कारगिल शहीदों का सर्वोच्च बलिदान देश की आने वाली पीढ़ियों को हमेशा राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के टिहरा में आयोजित राज्य स्तरीय कारगिल विजय दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। इस अवसर पर डॉ. शांडिल ने वीर नारियों, शहीदों के परिजनों और वीर सैनिकों को सम्मानित किया। उन्होंने देश की रक्षा में बलिदान देने वाले सैनिकों की स्मृति में लगभग 35 लाख की लागत से निर्मित युद्ध स्मारक परिसर का लोकार्पण किया और शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पूर्व सैनिक लीग, टिहरा इकाई तथा डीएवी स्कूल ग्रियोह के एनसीसी कैडेट्स के मार्च पास्ट की सलामी ली।

डॉ. शांडिल ने कहा कि वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के 52 वीर सैनिक शहीद हुए थे, जिनमें मंडी जिले के 12 जवान शामिल थे। उन्होंने कहा कि परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्तरा (मरणोपरांत) और सूबेदार मेजर संजय कुमार हिमाचल की वीरता के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है। रोजगार में पूर्व सैनिकों के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण के तहत 1220 पूर्व सैनिकों और आश्रितों को रोजगार दिया गया है।

इसके अलावा पूर्व सैनिक निगम के माध्यम से हजारों पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। स्थानीय विधायक चंद्रशेखर ने भी कारगिल शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उनका बलिदान हमेशा युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। समारोह में प्रशासनिक अधिकारी, पूर्व सैनिक, वीर नारियां और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अंग्रेजी शब्दकोश में पटेल सदन और हिंदी वर्तनी प्रतियोगिता में तिलक सदन विजेता

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल सूरजपुर में चेयरमैन रणवीर सिंह, सचिव कंवलजीत सिंह व प्रधानाचार्या अनुमीत कौर की देखरेख में अंग्रेजी और हिंदी की वर्तनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कक्षा 5 से लेकर 12वीं तक विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के चारों सदनों में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। हर सदन में सात-सात छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पांच दौर रखे गए, जिसमें श्रुतलेख, खाली स्थान, लुप्त अक्षर, तेज सवालों का जोर और दर्शक दौर। स्कूल के चारों सदनों में से दोनों प्रतियोगिताओं में से अंग्रेजी में पटेल सदन और हिंदी में तिलक सदन विजेता रहा। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और ज्ञान में वृद्धि की। अंत में प्रधानाचार्या ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा अन्य छात्रों को भी आगे आने के लिए प्रेरित किया।

घुमारवीं के मोहड़ा गांव में फंदे से लटका मिला युवक का शव

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। घुमारवीं थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत पलासला के मोहड़ा गांव में 36 वर्षीय युवक का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिलने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान दिनेश कुमार पुत्र बर्फी राम निवासी मोहड़ा के रूप में हुई है, जो ट्रैक्टर चालक था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम वह अपने कमरे में चला गया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर पत्नी ने परिजनों और पड़ोसियों को बुलाया। रात करीब साढ़े आठ बजे दरवाजा तोड़ने पर युवक का शव छत पर लगे लोहे के गार्ड से फंदे पर लटका मिला। सूचना पर घुमारवीं पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। एसपी अभिषेक धीमान ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

श्रावण अष्टमी मेलों से पहले नयना देवी में सीढ़ियों पर पसरा मलबा, हादसे का खतरा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी में आगामी श्रावण अष्टमी मेलों की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन नगर परिषद के वार्ड नंबर-3 में रास्ते की सीढ़ियों पर फैला निर्माण मलबा श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। बस स्टैंड और श्मशानघाट की ओर जाने वाले इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय निवासी और स्कूली बच्चे गुजरते हैं। ऐसे में सीढ़ियों पर जमा मलबा दुर्घटना की आशंका बढ़ा रहा है।

स्थानीय निवासी रणेश राणा, प्रभात शर्मा, पंकज, अमित और हर्ष शर्मा ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान निकल रहा मलबा लगातार रास्ते और सीढ़ियों पर गिर रहा है। उनका कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर परिषद को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक मलबा हटाने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने बताया कि यह मार्ग सेक्टर-4 से होकर आपातकालीन सड़क तक भी जाता है, इसलिए किसी भी आपात स्थिति में यह बाधा गंभीर परेशानी पैदा कर सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि श्रावण अष्टमी मेलों के दौरान लाखों श्रद्धालु नयना देवी पहुंचते हैं। यदि मेले शुरू होने से पहले रास्ते की सफाई नहीं हुई तो श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लोगों ने वर्ष 2008 में सेक्टर-5 में हुए दर्दनाक हादसे का उल्लेख करते हुए प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की है। उन्होंने भीड़भाड़ वाले संवेदनशील स्थानों की पहचान कर समय रहते आवश्यक इंतजाम करने की अपील भी की। उधर, एसडीएम एवं श्री नयना देवी मंदिर न्यास के अध्यक्ष तथा नगर परिषद का कार्यभार देख रहे कार्यकारी अध्यक्ष धर्मपाल चौधरी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मलबा हटाने की कार्रवाई की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा।

पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे में करें सहयोग दें सही और तथ्यात्मक जानकारी : उपायुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने जिले के सभी नागरिकों से भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा संचालित पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह सर्वे जुलाई 2026 से दिसंबर 2026 तक जिले में संचालित किया जाएगा। सर्वेक्षण का कार्य आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित प्रारूप में किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि यह सर्वे देश में रोजगार, बेरोजगारी, श्रम भागीदारी तथा लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का यथार्थ आकलन करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े सरकार को श्रम बाजार की वास्तविक स्थिति समझने, रोजगारोन्मुखी योजनाएं बनाने तथा जनकल्याणकारी नीतियों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायक होंगे। इसके माध्यम से भविष्य की विकास योजनाओं को अधिक सटीक और जनहितकारी बनाया जा सकेगा। राहुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक परिवार से आवश्यक जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे सर्वेक्षण दल का पूरा सहयोग करें तथा सही, स्पष्ट और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि विश्वसनीय आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण के दौरान नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा उसका उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं नीतिगत उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। व्यक्तिगत जानकारी किसी अन्य उद्देश्य के लिए साझा नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सर्वेक्षण को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, जिससे रोजगार एवं विकास से जुड़ी नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिल सके तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जा सके।

बिलासपुर डिपो में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तैयारी पूरी, तीन चार्जिंग स्टेशन स्थापित

◆ 15 नई ई-बसों को मिली मंजूरी
चयनित रूटों पर शुरू होगा संचालन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के बिलासपुर डिपो में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डिपो को 15 नई इलेक्ट्रिक बसें प्राप्त हुई हैं और इनके संचालन के लिए जिले में तीन आधुनिक चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित कर दिए गए हैं। सरकार से हरी झंडी मिलते ही ये बसें चयनित रूटों पर दौड़ती नजर आएंगी।

जानकारी के अनुसार बिलासपुर बस स्टैंड, एचआरटीसी वर्कशॉप बिलासपुर और घुमारवीं बस स्टैंड में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक स्टेशन पर दो-दो चार्जिंग प्वाइंट लगाए गए हैं, जिससे एक समय में दो बसों को चार्ज किया जा सकेगा। एक इलेक्ट्रिक बस को पूरी तरह चार्ज होने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगेगा। इससे बसों के नियमित संचालन में चार्जिंग संबंधी किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

वर्तमान में बिलासपुर जिले में लंबी और छोटी दूरी के कुल 162 बस रूट संचालित हैं। डिपो को मिली 15 इलेक्ट्रिक बसों को यात्रियों की संख्या और मांग को ध्यान में रखते हुए चयनित रूटों पर चलाया जाएगा। प्राथमिकता उन मार्गों को मिलने की संभावना है, जहां अतिरिक्त बस सेवा की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक, आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। डीजल बसों की तुलना में इन बसों से प्रदूषण कम होगा और ईंधन पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी, जिससे परिवहन व्यवस्था अधिक किफायती और पर्यावरण अनुकूल बनेगी।

एचआरटीसी बिलासपुर के डिप्टी डीएम विवेक लखनपाल ने बताया कि बिलासपुर डिपो को 15 इलेक्ट्रिक बसें मिल चुकी हैं तथा जिले में तीन चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर दिए गए हैं। सरकार से अनुमति मिलते ही चयनित रूटों पर इन बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

वीर सपूतों के बलिदान को किया याद

कारगिल विजय दिवस पर बिलासपुर में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर शनिवार को जिला स्तरीय कारगिल विजय दिवस पूरे सम्मान और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके शौर्य और राष्ट्रभक्ति को नमन किया गया।

समारोह में उपायुक्त राहुल कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान और परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) संजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित किए।

उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में भारतीय सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में अद्वितीय वीरता दिखाते हुए कारगिल की दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहराकर देश की संप्रभुता की रक्षा की। वीर जवानों का बलिदान हमेशा देशवासियों को कर्तव्य और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

उन्होंने परमवीर चक्र विजेता संजय कुमार को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। संजय कुमार ने भी शहीदों को नमन करते हुए युवाओं से देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना अपनाने का आह्वान किया। कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के 52 वीर जवानों ने बलिदान दिया था, जिनमें बिलासपुर जिले के सात रणबांकुरे शामिल थे। समारोह में वीर चक्र विजेता हवलदार उधम सिंह सहित सभी अमर शहीदों को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया गया तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को याद किया गया।

श्रद्धांजलि घुमारवीं में भाजपा ने आयोजित किया श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह, पूर्व सैनिकों ने दी श्रद्धांजलि

कारगिल के अमर बलिदानियों का त्याग राष्ट्र की अमिट धरोहर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कारगिल विजय दिवस पर रविवार को घुमारवीं के होटल एम्फोरयु में भाजपा मंडल की ओर से श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह आयोजित कर कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जगदीश सिंह वर्मा ने कहा कि कारगिल के वीरों का बलिदान राष्ट्र कभी नहीं भूल सकता, जबकि पूर्व खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों का शौर्य हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में पूर्व सैनिकों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और कारगिल के अमर शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद सभी ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह वर्मा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारतीय सैनिकों ने दुर्गम चोटियों और विषम परिस्थितियों में अद्वितीय पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया और तिरंगे की आन-बान-शान को अक्षुण्ण रखा। उन्होंने कहा कि सैनिक अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह सेना और शहीदों के प्रति सम्मान बनाए रखे। युवाओं को कारगिल के वीरों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, त्याग और वीरता का प्रतीक है। कारगिल के रणबांकुरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। उनका बलिदान देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक सुदृढ़ हुई है और भारतीय सेना आधुनिक संसाधनों से लैस होकर हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। राष्ट्रहित सर्वोपरि है और शहीदों के सपनों का सशक्त भारत बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि देश अपने वीर सैनिकों और शहीदों के सर्वोच्च बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा तथा उनके आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सच्चा सम्मान ह

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान विभिन्न पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह वर्मा और पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने उन्हें सम्मान चिह्न भेंट कर जनसेवा और ग्रामीण विकास की जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि गांवों के विकास, सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और ग्रामीण क्षेत्रों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सानिया की खूबसूरती की दुनिया दीवानी

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा टेनिस से संन्यास के बाद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हैं। उनकी खूबसूरत तस्वीरों को लोग खूब पसंद करते हैं। सानिया के इंस्टाग्राम पर 13.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सब-जूनियर हॉकी 5एस फाइनल में 3-1 से जीत

पाकिस्तान को हराकर भारत बना चैंपियन

एजेंसी, मस्कट, (ओमान)

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप

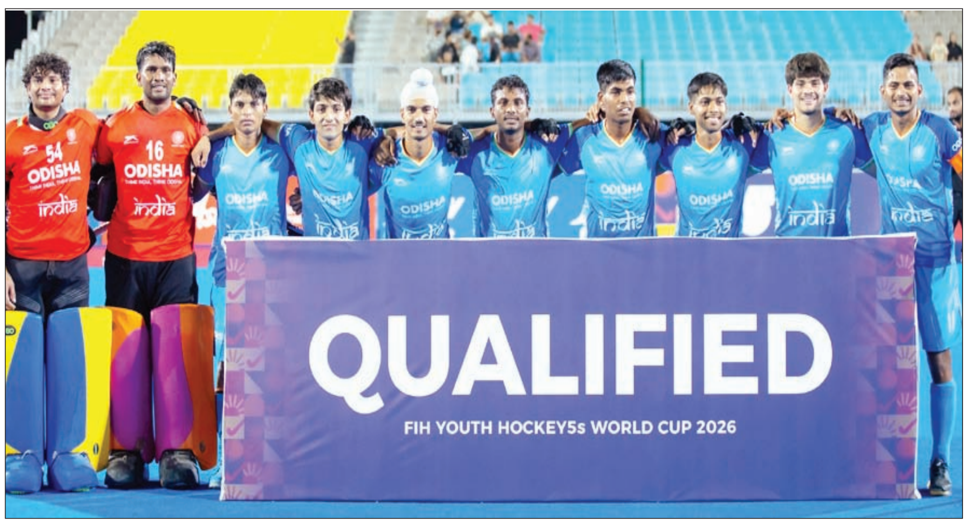

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मस्कट में एफआईएच यूथ हॉकी 5एस एशियन चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हॉकी इंडिया ने की नकद पुरस्कार की घोषणा।

भारतीय टीम के लिए रोमित पाल ने (पांचवें), कप्तान केतन कुशवाहा ने (12वें) और शाहरुख अली ने (13वें) मिनट में गोल किए। इस जीत के साथ, भारतीय पुरुष टीम ने एक शानदार और अजेय अभियान पूरा किया, टीम एलीट पूल टेबल में भी शीर्ष पर रही थी। फाइनल मैच में भारत ने सटीक पासिंग और अनुशासित खेल के साथ शुरुआत में ही बढ़त बना ली।

रोमित पाल (5') ने पहले हाफ में पाकिस्तानी गोलकीपर को छकाते हुए गोल किया और भारत को हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने अपना दबदबा और बढ़ाया, कप्तान केतन कुशवाहा (12') ने गोल किया और उसके तुरंत बाद शाहरुख अली (13') ने गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान (16') के जरिए एक गोल वापस किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने आखिरी मिनटों में मजबूती से खेलते हुए 3-1 से जीत पक्की की और ट्रॉफी अपने नाम की।

फाइनल में पहुंचने के कारण, भारत और पाकिस्तान दोनों ने पहली बार आयोजित होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी 5 एस वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। महिला वर्ग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक जीता, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारत की दोनों टीमें मेडल के साथ घर लौटेंगी। दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाते हुए, हॉकी इंडिया ने टीमों के लिए नकद इनाम की घोषणा की। स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम के हर खिलाड़ी को दो लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को एक लाख रुपए लाख मिलेंगे। इसके अलावा, सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय महिला टीम की हर खिलाड़ी को एक लाख रुपए मिलेंगे और उनके सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

ग्लास्गो में नीरज की अग्निपरीक्षा भारत को रिकॉर्ड पदकों की आस

एजेंसी, ग्लास्गो

ग्लास्गो में सोमवार से शुरू हो रही राष्ट्रमंडल खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर टिकी होगी। नीरज का मुकाबला मौजूदा ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, श्रीलंका के 92.62 मीटर थ्रो कर चुके रुमेश थरंगा पथिरागे और विश्व चैंपियन केशॉर्न वॉलकॉट व एंडरसन पीटर्स जैसे दिग्गजों से होगा।

कमर की चोट से उबरने के बाद नीरज पहली बार किसी बड़े बहु-खेल आयोजन में उतर रहे हैं। वह 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। भाला फेंक के क्वालीफाइंग मुकाबले 30 जुलाई और फाइनल 31 जुलाई को होंगे। भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी इस स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे। भारतीय दल को पुरुषों की भाला फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद और त्रिकूद में दो-दो पदकों की उम्मीद है। लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर, ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक सर्वेश कुशारे और डेकाथलन में तेजस्विन से भी पदक की आस है। पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़, महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल, गोला फेंक, 3000 मीटर स्टीपलचेज और 100 मीटर बाधा दौड़ में भी भारतीय चुनौती मजबूत मानी जा रही है।

भारत ने बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में आठ एथलेटिक्स पदक जीते थे। इस बार 32 सदस्यीय भारतीय टीम उससे बेहतर प्रदर्शन कर रिकॉर्ड पदक हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

हॉज का नाबाद अर्द्धशतक, वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर बनाए 194 रन

एजेंसी, तारौबा (त्रिनिदाद)

ट्रिनिडाड स्थित ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहली पारी में तीन विकेट पर 194 रन बनाए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन केवल 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज टीम और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मैच शुरू होने से पहले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी भी बांधी। बारिश से प्रभावित पहले सत्र में केवल 14.1 ओवर का खेल हो पाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए शुरुआती सात ओवर में पांच मेडन डाले और ब्रैंडन किंग को बोल्ड कर पहली सफलता दिलाई। दूसरे सत्र में तगेनरायन चंद्रपॉल और कावेम हॉज ने पारी संभाली, लेकिन आमेर जमाल ने चंद्रपॉल को स्लिप में कैच कराया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से आमिर जांगू को एलबीडब्ल्यू आउट कर वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 106 रन कर दिया। इसके बाद हॉज और होप ने पाकिस्तान को कोई मौका नहीं दिया। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक पूरा किया और दोनों बल्लेबाजों ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल समाप्त होने तक टीम को बिना किसी और नुकसान के 194 रन तक पहुंचा दिया।

राष्ट्रमंडल खेलों में होटल व्यवस्था से संतुष्ट दिखे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेलों में पारंपरिक एथलीट्स विलेज की जगह खिलाड़ियों को तीन अलग-अलग होटलों में ठहराने की व्यवस्था भारतीय दल को रास आ रही है। खिलाड़ियों का कहना है कि कम यात्रा समय, बेहतर सुविधाओं और रिकवरी के कारण उन्हें प्रतियोगिता की तैयारी के लिए अधिक समय मिल रहा है, जबकि टीम भावना भी पूरी तरह बरकरार है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अनुसार, तीनों होटल एक ही क्षेत्र में स्थित हैं, जिससे खिलाड़ी नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते हैं और बहु-खेल प्रतियोगिता का माहौल बना हुआ है। आईओए ने कहा कि भारतीय दल ने इस नए मॉडल को सहजता से अपना लिया है। असम की लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने कहा कि प्रतियोगिता स्थलों की नजदीकी से समय की बचत हो रही है और यह व्यवस्था भविष्य के खेलों के लिए भी एक प्रभावी मॉडल साबित हो सकती है। डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने कहा कि होटल में ठहरना नया अनुभव जरूर है, लेकिन पूरी व्यवस्था सुव्यवस्थित है। अच्छी भोजन व्यवस्था और कम दूरी के कारण खिलाड़ी पूरी तरह अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। मुक्केबाज प्रीति पवार ने होटल की रिकवरी सुविधाओं और प्रतियोगिता स्थलों की नजदीकी को खिलाड़ियों के लिए बड़ा लाभ बताया। वहीं भारोत्तोलक निरुपमा देवी ने भोजन, फिजियोथेरेपी और चिकित्सा सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की हर जरूरत का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा कि खिलाड़ियों का कल्याण किसी बड़े एथलीट्स विलेज पर नहीं, बल्कि बेहतर योजना और प्रभावी सहयोग व्यवस्था पर निर्भर करता है।

अनाहत सिंह बनी जूनियर स्क्वाश वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली

मिस्र का 16 साल का वर्चस्व किया खत्म

भारत की नंबर एक स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है। ओंटारियो में खेले गए महिला एकल फाइनल में मिस्र की रुकय्या सालेम को सीधे गेमों में हराकर इतिहास रचने वाली 18 वर्षीय अनाहत इस खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

विश्व में 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने फाइनल में रुकय्या सालेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे अब भी ऐसा लग रहा है जैसे मैं सपना देख रही हूं।' दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने बताया कि पिछले चार वर्षों से वह इस प्रतियोगिता में लगातार सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में हारती रही थीं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई मुझसे पूछता था तो मैं मजाक में कहती थी कि यह टूर्नामेंट मेरे लिए अभिशाप है, क्योंकि मैं यहां कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती थी।' अनाहत के लिए यह जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि जूनियर सर्किट में यह उनका आखिरी साल था। उन्होंने कहा, 'यह जूनियर स्तर पर मेरा आखिरी मौका था। इसलिए इस बार खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है।' उन्होंने बताया कि फाइनल में उतरते समय उन्होंने खुद पर दबाव नहीं डाला। उनका लक्ष्य सिर्फ मुकाबले का आनंद लेना था। उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि अगर मैं तनाव में रहूंगी तो अच्छा नहीं खेल पाऊंगी। इसलिए मैंने हर शॉट का आनंद लिया और विश्व चैंपियनशिप के फाइनल के हर पल को जीने की कोशिश की।'

स्पोर्ट्स विंडो

अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील पाकिस्तानी टीम में शामिल

एजेंसी, कराची। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला और और उसके बाद इंग्लैंड दौरे में होने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को अपनी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को कहा कि शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी दौरों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए टीम में जोड़ा गया है। फजल वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट मैच और इंग्लैंड के खिलाफ तीनों मैच से बाहर हो गए हैं। शफीक वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ गए हैं। वह गयाना में ग्लोबल टी20 लीग में खेल रहे थे।

भारत की प्रतिष्ठा सामंता महिला वॉल्ट के फाइनल में

एजेंसी, ग्लास्गो। भारत की प्रतिष्ठा सामंता ने शनिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता की महिला वॉल्ट स्पर्धा के क्वालीफाइंग में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी पश्चिम बंगाल की 22 वर्षीय खिलाड़ी प्रतिष्ठा ने अपने दोनों वॉल्ट में 13.025 अंक हासिल करके शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह पक्की की। भारत की ही प्रणति नायक हालांकि मामूली अंतर से क्वालीफाई करने से चूक गई। वह 12.555 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहकर तीसरी रिजर्व खिलाड़ी रहीं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इशिता रेवाले 11.725 अंकों के साथ 15वें, जबकि निशिका अग्रवाल 11.075 अंकों के साथ 19वें स्थान पर रहीं। आलराउंड प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा और इशिता दोनों ही फाइनल में जगह नही बना पाई। वह क्रमशः 42.250 और 41.700 अंकों के साथ 27वें और 28वें स्थान पर रहीं। उन्हें रिजर्व सूची में तीसरे और चौथे स्थान पर रखा गया है। महिला टीम स्पर्धा में भारत 123 अंकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया ने 158.400 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनाडा (157.300) और इंग्लैंड (154.300) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

सशस्त्र बलों के सम्मान में 29 नवंबर को आयोजित होगी अडानी अहमदाबाद मैराथन

एजेंसी, अहमदाबाद। कारगिल विजय दिवस के मौके पर, अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने आज यहां अडानी अहमदाबाद मैराथन के खास 10वें एडिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की। सशस्त्र बलों के सम्मान में रनफॉरअवरसोल्जर्स की थीम वाली इस मैराथन का आयोजन 29 नवंबर किया जायेगा। यह मैराथन भारत के सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को सम्मान देती है और साथ ही फिटनेस, सामुदायिक भावना और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े हजारों धावकों को एक साथ लाती है। पिछले एडिशन में 24,000 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस बार मैराथन 42.195 किलोमीटर, हाफ मैराथन 21.097 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर में आयोजित की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाला

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रह्लाद जोशी को मिली शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ प्रह्लाद जोशी ने कहा- जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और कर्तव्य भावना से निभाएंगे

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का आधिकारिक कार्यभार संभाल लिया। शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और विभाग की ओर से संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों तथा विभिन्न पहलों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी मौजूद रहे।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव टी. के. अनिल कुमार समेत मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों से शिक्षा क्षेत्र में चल रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर चर्चा की।

कार्यभार संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन पर जो विश्वास जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा और कर्तव्य भावना के साथ निभाएंगे। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के विकास और देश के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रह्लाद जोशी के पास पहले से ही उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी है। अब वह शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। उन्हें यह जिम्मेदारी पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सौंपी गई है। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किया और प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा।

पाकिस्तान के पंजाब में भारी बारिश से मची तबाही, 24 घंटे में सात लोगों की मौत

◆ लाहौर और अन्य जिलों में बारिश का प्रकोप, कई परिवार हुए प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। भारी बारिश के कारण छत गिरने, डूबने और बिजली का करंट लगने जैसी घटनाएं हुईं। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भारी बारिश से कई जिलों में घरों को नुकसान पहुंचा और मवेशियों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, मौत का कारण डूबना और इमारतों का गिरना रहा जबकि घायल होने की घटनाएं मुख्य रूप से छत गिरने एवं बिजली का करंट लगने के कारण हुई। डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर में गढ़ी शाहू रेलवे कॉलोनी, बॉबी प्लाज़ा, सग्गियां पिंड और काहना में छत गिरने की चार अलग-अलग घटनाओं में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

कसूर ज़िले में, अड्डा ढिंग शाह के पास एक घर की छत गिरने से एक व्यक्ति और एक बच्चे की मौत हो गई और एक महिला एवं दो बच्चों समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए। फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण एक घर की छत गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि गुजरांवाला में पठान कॉलोनी के पास खेतों में जमा बारिश के पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। बहावलनगर में एक घर की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गए जबकि बारिश के दौरान बिजली के खंभे से करंट लगने से एक और व्यक्ति घायल हो गया।

अमेरिका के 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे 45 प्रतिशत भारतीय निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 23 जुलाई को घोषित 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के दायरे से देश के 45 प्रतिशत निर्यात बाहर हैं और 55 प्रतिशत निर्यात ही इससे प्रभावित होंगे। अमेरिका के वाणिज्य दूत (यूएसटीआर) ने 23 जुलाई को अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 के तहत भारत सहित 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। यह शुल्क उन उत्पादों के अमेरिका में आयात को हतोत्साहित करने के लिए लगाया गया है जिसमें उत्पाद के निर्माण में बेगार का इस्तेमाल हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अमेरिका को होने वाले निर्यात का एक बड़ा हिस्सा, जिस पर वर्तमान में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता - जैसे जेनेरिक दवाइयां, स्मार्टफोन और कुछ अन्य निर्दिष्ट उत्पाद - अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के दायरे से बाहर रहेगा।

सम्मान विजय दिवस पर देश ने कारगिल शहीदों को किया याद, बिरला ने बताया प्रेरणा का स्रोत

कारगिल वीरों का बलिदान देश को सदैव प्रेरित करता रहेगा: बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश ने भारतीय सेना के उन वीर जवानों को याद किया जिन्होंने वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए कारगिल के वीर सैनिकों का समर्पण और बलिदान हमेशा देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा।

ओम बिरला ने कहा कि 26 जुलाई 1999 भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस का स्वर्णिम अध्याय है। इसी दिन भारतीय सेना ने कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर चलाए गए अभियान में विजय प्राप्त कर देश की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा की थी। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं थी, बल्कि यह भारतीय सैनिकों के साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है।

लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा कि कारगिल की ऊंची और कठिन चोटियों पर तैनात भारतीय जवानों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस का परिचय दिया। बर्फीले इलाकों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच सैनिकों ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए दुश्मन का मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों का बलिदान इतिहास में हमेशा अमर रहेगा।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के जवानों ने यह साबित कर दिया कि देश की सुरक्षा के लिए वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। सैनिकों की वीरता और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे शहीदों के योगदान को हमेशा याद रखें और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

ओम बिरला ने कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों ने कारगिल की चोटियों पर जिस साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, वह पूरी दुनिया के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए सैनिकों का योगदान अतुलनीय है। सैनिकों के बलिदान के कारण ही देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। कारगिल विजय दिवस देश के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। यह दिन हमें उन वीर सैनिकों की याद दिलाता है जिन्होंने अपने जीवन की चिंता किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा की।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त, हटाए गए मंच और बैरिकेड, सामान्य हुई व्यवस्था

एजेंसी, नई दिल्ली। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कई दिनों से चल रहा प्रदर्शन अब समाप्त हो गया है। आंदोलन खत्म होने के बाद प्रशासन ने क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदर्शन स्थल पर लगाए गए मंच, टेंट, लाउडस्पीकर और अन्य अस्थायी ढांचों को हटा दिया गया है। इसके साथ ही नगर निगम और संबंधित एजेंसियों की ओर से पूरे इलाके में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

प्रदर्शनकारियों के लौटने के बाद जंतर-मंतर क्षेत्र में धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियां शुरू होने लगी हैं। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए बैरिकेड्स को हटाने और यातायात व्यवस्था को सामान्य करने की प्रक्रिया शुरू की। अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

प्रशासन ने बताया कि आंदोलन समाप्त होने के बाद भी एहतियात के तौर पर कुछ समय तक पुलिस बल तैनात रहेगा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।